हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

NEWSLETTER

July-September 2022 Vol.4 Issue:2

कुलगीत

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।

न चौरहार्यं न च राजहार्यं, न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।।

शिक्षा-दीक्षा की परंपरा से, राष्ट्र का हुआ सदा उत्थान।
कौशल और नव-सृजन से, सजा हुआ गौरव अभियान।।

ज्ञान-विज्ञान की शक्ति से हम, नव-मंडल में हुए स्थापित।
सीखा है इतिहास से हमने, नव-तकनीकों में हुए समाहित।।

संस्कारों की शक्ति को जब, लिया है युवा ने पहचान।
हम सब बनें राष्ट्र के रक्षक, आओ करें नव-भारत निर्माण।।

कला-योग-विज्ञान-विधि का, विश्वविद्यालय देता ज्ञान।
तन-मन और जीवन-शुचिता का, देता है यह शुभ वरदान।।

जन्म लेकर जिस धरा पर, शौर्य करता शीश बलिदान।
अपनी मेहनत से माटी को, सोना कर दे जहाँ किसान।।

हर की धरा हरियाणा पर, स्थापित अपना कुल महान्।
शिक्षा और स्वावलंबन, आओ ऐसे कुल को करें प्रणाम।।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

'शिक्षित बेटी–सुरक्षित बेटी'

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम 25 (2009) के तहत स्थापित
नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय
महेन्द्रगढ़ - 123031(हरियाणा), भारत

Central University of Haryana
Established vide Act No. 25 (2009) of Parliament
NAAC Accredited 'A' Grade University
Jant-Pali, Mahendergarh (Haryana)-123031

प्रो॰ (डॉ॰) टंकेश्वर कुमार, कुलपति

Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor

कुलपति की कलम से...

मुझे हर्ष है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों के प्रतिबिंबन हेतु 'न्यूज लेटर' का प्रकाशन कर रहा है। मुझे विश्वास है कि यह सभी हित धारकों एवं अकादमिक जगत को विश्वविद्यालय द्वारा क्रियान्वित प्रमुख शैक्षणिक, अनुसंधान और विस्तारपरक गतिविधियों से अवगत कराएगा। इसका प्रकाशन विभिन्न अकादमिक संस्थाओं के बीच ज्ञान और सृजन के विविध क्षेत्रों में सूचनाओं के आदान-प्रदान के द्वारा साझेदारी को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

अपनी स्थापना के बाद से, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय समावेशी गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और अनुसंधान के दृष्टि कोण को आगे बढ़ा रहा है। आप से यह साझा करना उचित और सार्थक है कि विश्वविद्यालय एन.आइ.आर.एफ.(NIRF) रैंकिंग में श्रेष्ठ 200 संस्थानों के बीच अपना स्थान बनाने में सफल रहा है। हमारा प्रयास होगा कि विश्वविद्यालय निकट भविष्य में देश अग्रणी विश्वविद्यालयों में अपना स्थान बनाने में सफल हो। इसके साथ ही अकादमिक जगत को सूचित करते हुए आह्लादित हूँ कि 'आउट लुक' के वार्षिक सर्वे ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देश शीर्ष 20 विश्वविद्यालयों में स्थान प्रदान किया है। दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित ईवी एक्स पो-2022 में विश्वविद्यालय को 'बेस्ट इनोवेशन स्टॉल' का अवार्ड मिला। ये उपलब्धियां विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के सामूहिक श्रम का प्रतिफलन हैं। इन्हीं सामूहिक प्रयासों से विश्वविद्यालय अब उत्तर भारत में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और अनुसंधान के केंद्र के रूप में उभरा है, जिसमें भारत के अनेक राज्यों के विद्यार्थी और शोधार्थी अपने शोध एवं अध्ययन में तल्लीन हैं । इस प्रकार, यह विश्वविद्यालय अनेक भाषाओं और संस्कृतियों को समाहित कर 'लघु भारत' का आकार ग्रहण कर चुका है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अपने अकादमिक दायरे को निरंतर विस्तृत कर रहा है। विश्वविद्यालय 33 विभागों के तहत शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत शृंखला को संचालित करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की संकल्पना का अनुसरण करते हुए विश्वविद्यालय ने चरण बद्धतरी के से इसके कार्या न्वयन के लिए एक व्यापक रूप रेखा का निर्माण किया है। इस नीति के कार्या न्वयन की दिशा तेजी से अग्रसर होते हुए एनईपी-2020 के अनुरूप पाठ्य चर्या सुधार; भौतिकी; रसायन विज्ञान और गणित में यूजी-पीजी एकीकृत कार्यक्रमों की शुरूआत; क्रेडिट के अकादमिक बैंक (एबीसी) और एकाधिक प्रवेश/निकास विकल्पों पर यूजी सी दिशा निर्देशों को अपनाना; प्रत्येक विभाग द्वारा पेश किए जाने वाले सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के व्यापक स्पेक्ट्रम के माध्यम से बहु-विषयक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना; और बाल मार्ग दर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा और पुनर्वास मनोविज्ञान में पी जी डिप्लोमा की शुरूआत। वर्तमान शिक्षण सत्र (2022-23) से जियो इन्फोर्मेटिक्स में एम.एस.सी.कार्यक्रम, हिंदी अनुवाद में एम.ए. कार्यक्रम और फार्माकोग्नोसी में एम.फार्मा. कार्यक्रम का आरंभ कर चुका है। इंजीनियरिग के चार कार्यक्रमों को एआईसीटीई से मान्यता मिल चुकी है। अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के साथ ही 100 चयनित विद्यार्थियों को यूपीएससी की निःशुल्क कोचिंग सुविधा प्रदान की जा रही है। पुस्तकालय के संसाधनों में निरंतर वृद्धि के क्रम में 'डेलनेट' के साथ सामग्री साझा की गयी। विश्वविद्यालय समस्त हित धारकों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संस्थाओं से समझौता ज्ञापन कर रहा है।

विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों पर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और विस्तार व्याख्यानों का नियमित आयोजन कर रहा है। विश्वविद्यालय के शिक्षक गुणवत्ता पूर्ण शोध-पत्रों और पुस्तकों के प्रकाशन में संलग्न हैं और देश-विदेश में सम्मान और मान्यता प्राप्त कर रहे हैं। मैं किंचित संकोच से आप से साझा कर रहा हूँ कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्याल के कुलपति को यूनिवर्सल मेंटर्स एसोसिएशन द्वारा 'वाइस चांसलर ऑफ द इयर' चुना गया। विश्वविद्यालय 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत अनेक सृजनात्मक, सामुदायिक, सामाजिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, अनुसंधान मूलक और विचारपरक आयोजनों में संलग्न है। विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन के साथ-साथ अपने निकटस्थ सामुदायिक जन-जीवन के विकास के लिए भी निरंतर प्रेरित किया जा रहा है और इनके सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद की सुविधाओं में भी निरंतर विकास किया जा रहा है। मैं आशान्वित हूँ कि इस 'न्यूज लेटर' के आगामी पृष्ठों के गुजरकर आप हमारी इस यात्रा के साझीदार बनेंगे और हमारे विश्वविद्यालय परिवार का उत्साह बढ़ायेंगे ।

शुभेच्छा एवं शुभकमानाओं सहित.....

(प्रो. टंकेश्वर कुमार)
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

CONTENTS

1 Azadi Ka Amrit Mahotsav		08
1.1	हर घर तिरंगा अभियान की सफलता के लिए मिलकर करें प्रयास- प्रो. टंकेश्वर कुमार / Har Ghar Tiranga Abhiyan	
1.2	"विरासत पर गर्व कर के ही बनेगा विकसित भारत" -प्रो. टंकेश्वर कुमार / "India will Become a Developed Country by Taking Pride in its Heritage" / Prof. Tankeshwar Kumar	
1.3	हकेवि में हर घर तिरंगा अभियान की हुई शुरू आत / Har Ghar Tiranga Campaign Started at CUH	
1.4	हकेवि में निकाली गई तिरंगा यात्रा / "Tiranga Yatra" at CUH	
1.5	हकेवि में स्वच्छता प्रतियोगिता का हुआ आयोजन / Cleanliness Competition Organised at CUH	
1.6	हकेवि में स्वतंत्रता की 75वीं वर्ष गांठ पर समारोह का हुआ आयोजन / Celebration of 76th Independence Day at CUH	
1.7	हकेवि में दस दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी का हुआ समापन / Ten / Day Poetry Poster Exhibition Ends	
2 CUH Admissions 2022 / 23		15
2.1	हकेवि में यूपी एस सी परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित / Entrance Examination Conducted for UPSC Coaching at CUH	
2.2	हकेवि के इंजीनिरिंग पाठ्य क्रमों को सत्र 2022-23 के लिए मिलीए ए आई सी टी ई की मंजूरी / Approval of CUH Engineering Programmes by AICTE	
2.3	हकेवि में पीएच.डी. कार्यक्रमों में दाखिले हेतु आवेदन प्रक्रिया शुरू / Admission to Ph.D. programmes Started at CUH	
2.4	हकेवि में स्नातक कार्यक्रमों में दाखिले हेतु पंजीकरण शुरू / Registration Starts for Admission to Undergraduate programmes at CUH	
3 Awards and Achievements		18
3.1	डेलनेट की ओर से हकेवि को मिला प्रशंसा प्रमाण पत्र / CUH Bags a Certificate of Appreciation from DELNET	
3.2	एन आई आर एफ रैंकिंग की विश्वविद्यालय श्रेणी में हकेवि शामिल / CUH Secures a Position in NIRF Ranking Under Universities Category	
3.3	हकेवि की संकाय सदस्य को मिला सिल्वर ग्लोब लज्यूरी अवार्ड / CUH Faculty Member Receives Silver Global Jury Award	
3.4	कुलपति ने किया "नैनो बायो एना लिटिकल अप्रोच टू मेडिकल डायग्नोस्टिक्स" पुस्तक का विमोचन / Nano Bioanalytical Approaches to Medical Diagnostics Released by Prof. Tankeshwar Kumar	
3.5	हकेवि के नाम रहा बेस्ट इनोवेशन स्टॉल अवर्ड / CUH Achieves Best Innovation Stall Award in EV & Expo 2022	
3.6	आउटलुक की वार्षिक रेकिंग में हकेवि के बनायाटॉप 20 में स्थान / CUH Secures a Position in the Top 20 University	
3.7	हकेवि की छात्र ने प्रिंट ओलम्पिया डनॉर्थजोन में पाया प्रथम स्थान / Meghna Reddy of CUH Secured the First Position in Print Olympiad North Zone	
3.8	वाइस चांसलर ऑफ द ईयर चुने गए प्रो. टंकेश्वर कुमार / Prof. Tankeshwar Kumar was Honoured with the "Vice Chancellor of the Year" Award	
3.9	हकेवि कुलपति यूथ रैड क्रॉस शील्ड से सम्मानित / CUH Vice Chancellor Honoured with Youth Red Cross Shield	
3.10	हकेवि की छात्र अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव के लिए आमंत्रित/ Simran Chauhan of CUH Invited to International Conclave, London	

3.11	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिला आई डी ए एजुकेशन अवार्ड 2022 / Central University of Haryana Bags IDA Award 2022	
3.12	हकेवि के दो विद्यार्थियों को मिला एम्स में अध्ययन करने का अवसर / Two Students of CUH Got Admission to AIIMS for PG Programme	
4 Celebrations		26
4.1	भारतीय सेना के पराक्रम की परिचायक है कारगिल विजय- प्रो. टंकेश्वर कुमार / CUH Organised a Programme on Kargil Vijay Diwas	
4.2	एक साल बेमिसाल	
प्रो. टंकेश्वर कुमार का कुलपति के रूप में एक वर्ष पूर्ण होने पर हकेवि में हवन आयोजित / Havan on Completion of One Year of Prof. Tankeshwar Kumar as Vice Chancellor		
4.3	हकेवि में संस्कृत सप्ताह का हुआ शुभारंभ / Sanskrit Week Started at CUH	
4.4	हकेवि में विभाजन विभीषिक स्मृति दिवस पर प्रदर्शनी वव्याख्यान का हुआ आयोजन / CUH Organises an Exhibition and Lecture on Vibhajan Vibhishika Smriti Diwas	
4.5	हकेवि में मनाया गया राष्ट्रीय पुस्तकाल याध्यक्ष दिवस / National Librarian's Day Celebrated at CUH	
4.6	लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत से मिलेगी सफलता- जितेंद्र कुमार / "Setting Goals and Hard work will Lead to Success" / Jitendra Kumar	
4.7	विद्यार्थियों के विकास में शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण- प्रो. टंकेश्वर कुमार /Teacher's Day Celebrated at CUH	
4.8	भारत की आत्म-चेतना की खुराक है हिंदी - प्रोफेसर मीरा गौतम / "Hindi is the Food of India's Self & Consciousness" / Professor Meera Gautam	
4.9	हकेवि में मनाया गया अंतर राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस / International Sign Language Day	
4.10	हकेवि में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर वेबिनार आयोजित / International Webinar on the Occasion of "World Pharmacists Day"	
4.11	हकेवि में विश्व पर्यटन दिवस पर विशेष ज्ञयाख्यान आयोजित / Expert Lecture on World Tourism Day	
5- Ek Bharat Shreshtha Bharat		36
5.1	Hindi Pakhwada	
विज्ञान के प्रचार-प्रसार में हिंदी की भूमिका महत्वपूर्ण- डॉ. राहुल सिंघल / The Role of Hindi is Important in the Promotion of Science / Dr- Rahul Singhal		
5.2	भारत को एक सूत्र में पिरोती है हिंदी प्रो. टंकेश्वर कुमार / "Hindi Binds India in One Thread" / Prof. Tankeshwar Kumar	
5.3	हकेवि में मनाया स्वच्छता पखवाड़ा / Cleanliness Fortnight Celebrated at CUH	
6- Initiatives and Innovations		38
6.1	हकेवि में पौधा रोपण अभियान की हुई शुरूआत / Plantation Drive Launched at CUH	
6.2	हकेवि में 73वाँ जिलास्तरीय वन महोत्सव आयोजित / 73rd District Level Van Mahotsav Organised at CUH	
6.3	हकेवि में लगाई गई बूस्टर डोज / Booster Dose Camp at CUH	
6.4	अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के अवसर पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित / International Year of Millets 2023 at CUH	
6.5	हकेवि में स्थापित होगी एन सी सी विंग / NCC Wing to be Established at CUH	
6.6	भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए जैविक खाद वरदान - प्रो. टंकेश्वर कुमार / "Organic Manure a Boon in Increasing the Fertility of the Land" / Prof. Tankeshwar Kumar	

6.7	जिला महेंद्रगढ़ का प्रति निधित्व करेंगे हकेवि के विद्यार्थी / Students of CUH Will Represent the District Mahendragarh	
6.8	सात दिवसीय साहसिक शिविर में हकेवि के विद्यार्थी हुए शामिल / Students Participated in the Seven / Day Adventure Camp	
6.9	हकेवि के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण / Industrial Tour Organised by Department of Printing & Packaging Technology	
6.10	हकेवि में हुई आधार सेवा केन्द्र की शुरुआत /Aadhaar Service Centre Started at CUH	
6.11	पोषण के प्रति जागरूकता फैला रहा है हकेवि / Awareness Spread by CUH on the 'Value of Nutrition'	
6.12	हकेवि में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन 1 अक्टूबर को / Inauguration of Dr- Ambedkar Center of Excellence at CUH on October 1	
7- Extension Lectures		47
7.1	मोदी@20 ड्रीम्समीट डिलीवरी पुस्तक पर विशेष वार्तालाप आयोजित / Colloquium on Modi@20% Dreams Meet Delivery	
7.2	भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के पितामह थे वीरसावर कर- उदयम हुकर / Expert Lecture on Savarkar, Partition and National Security	
7.3	हकेवि में भारतीय भाषाओं की तकनीकी समृद्धता पर व्याख्यान आयोजित / Lecture on "Richness of Indian Languages"	
7.4	हकेवि में पोषक अनाज पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित/ Expert Lecture Organised on "Nutritious Cereal"	
7.5	हकेवि पत्र कारिता विभाग के विद्यार्थियों ने सीखे फोटोग्राफी के गुण / Expert Talk Organised on "The Importance of Photography"	
7.6	हकेवि के संस्थाप ककुलपति प्रो. मूलचंद शर्मा की स्मृति में व्याख्यान का आयोजन / 1st Prof- Moolchand Sharma Memorial Lecture	
7.7	विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी - प्रो. ए. के. भागी / Expert Lecture on "Air Pollution and Sustainable Development in Delhi NCR Region"	
7.8	देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया का महत्वपूर्ण योगदानः डॉ बिजेंद्र कुमार/ Extension Lecture on "Contribution of Social Media in the Development of the Country and Society"	
7.9	हकेवि में प्रोबायोटिक बैक्टिरिया पर केंद्रित व्याख्यान आयोजित / Expert Lecture on "Probiotic Bacteri"	
7.10	हकेवि में संस्कृत भाषा की प्रासंगिकता पर व्याख्यान आयोजित / Lecture on "Relevance of Sanskrit Language"	
8- MoUs		56
8.1	हकेवि व सी एस आई आर-आई एच बी टी ने किए एम ओ यू पर हस्ताक्षर / CUH Signed MoU with CSIR & IHBT, Palampur	
9- Research and Publications		57
9.1	हकेवि के समाज शास्त्र विभाग ने किया गणियार गाँव का शोध भ्रमण / Sociology Department Conducted Research Trip to Ganiyar Village	
9.2	हकेवि के संकाय सदस्य को मिला रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2022 / CUH Faculty Honoured with Research Excellence Award-2022	
9.3	हकेवि के विद्यार्थियों का शोधपत्र अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित / M- Pharm- Students' Article Published in a Reputed Journal	

9.4	कुलपति ने किया "न्यूट्रास्युटिकल्सः फूड एप्लिकेशन्स एंड हेल्थ बेनिफिट्स" पुस्तककाविमोचन / Prof. Tankeshr Kumar Released the Book: Nutraceutical: Food Applications and Health Benefit	
10- Seminars/Conferences/Workshop		60
10.1	हकेवि में डिजिटल हिंदी विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन / Workshop on "Digital Hindi"	
10.2	हकेवि में पशु कोशिका संवर्धन पर कार्यशाला की हुई शुरूआत / Workshop on "Basic Animal Cell Culture Technique"	
10.3	हकेवि में नैनो बायो मैटिरियल्स के महत्व पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन / Seven / Day Workshop on "Bionanomaterial" Organised by Central Instrumentation Center	
10.4	देश हित में पत्रकारों की भूमिका महत्त्वपूर्ण- प्रो. टंकेश्वर कुमार / Workshop on "Badlte Parivesh Me Media"	
10.5	हकेवि में दो दिवसीय नशामुक्त भारत अभियान का हुआ समापन / Two-Day Drug Free Indi Campaign	
10.6	हकेवि में आठ दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी की हुई शुरूआत / Eight / Day Poetry Poster Exhibition	
10.7	हकेवि में फार्मा को विजिलेंस एंड रेगुलेटरी अफेयर विषय परवेबिनार आयोजित / National Webinar on "Pharmacovigilance and Regulatory Affair"	
10.8	योग विभाग में वैकल्पिक चिकित्सा पर कार्यशाला शुरू / Yoga Department: Workshop on Alternative Medicine	
10.9	हकेवि में बी एम सी के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन / Awareness Workshop for Bio diversity Management Committees	
10.10	स्वावलंबी भारत अभियान की सफलता के लिए उद्यमिता विकास आवश्यक- प्रो. टंकेश्वर कुमार	
-हकेवि में स्वावलंबी भारत अभियान पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित / One / Day National Seminar on Swawlambi Bharat Abhiyan		
10.11	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वेबिनार आयोजित / Webinar on Pharmacovigilance and Regulatory Affair	
10.12	हकेवि में एक दिवसीय से मिनार का आयोजन	
-प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग ने किया आयोजित / One / Day Seminar on "New Areas of Applications in Printing"		
10.13	हकेवि में बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इस के योगदान पर वेबिनार आयोजित / National Webinar on "Intellectual Property Right and it Contribution in Nation Building"	
10.14	हकेवि में चार दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन/ Workshop on "Life Skill Training"	
10.15	हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन	
-आई सी एस एस आर व शोध हरियाणा के सहयोग से हुआ आयोजन / National Seminar on "India at 75% Social, Economic, Political and Cultural Dimension"		
10.16	हरियाण केंद्रीय विश्वविद्यालय में साप्ताहिक जीवन कौशल कार्यक्रम सफलता पूर्वक हुआ संपन्न / One / Week "Life Skills Training Programme"	

1 Azadi Ka Amrit Mahotsav

1.1 हर घर तिरंगा अभियान की सफलता के लिए मिलकर करें प्रयास- प्रो. टंकेश्वर कुमार

July 18, 2022

आजादी का अमृत महोत्सव हम सभी के लिए गर्व की बात है और पिछले 75 वर्षों में न केवल भारत की लोकतांत्रिक जड़ें गहरी हुई हैं, बल्कि विकास की दृष्टि से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत ने अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान निश्चित ही देशभक्ति की भावना को उच्चतम स्तर तक ले जाएगा। हम सभी को हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राजकीय मिडिल स्कूल, धौली में धौली, झाखडी व स्थानीय निवासियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर नगरपालिका महेंद्रगढ के चैयरमेन रमेश सैनी भी उपस्थित रहे।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए जन सहभागिता आवश्यक है और इसे सफल बनाने के लिए युवाओं को विशेष प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर विद्यार्थियों, शिक्षकों व ग्रामीणों को पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दिया और इसके लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलपति ने आयोजन ग्रामीणों व स्कूल प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग है और इस दिशा में मिलकर प्रयास किए जाएंगे। इससे पूर्व नगर पालिका के चैयरमेन ने आयोजन में सम्मिलित कुलपति को ग्रामीणों व स्कूली विद्यार्थियों के समक्ष प्रेरणा स्रोत बताया और कहा कि उनकी उपस्थिति सभी को उनके लक्ष्य के प्रति कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करेगी। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर वार्षिक परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले स्कूली विद्यार्थियों को भी कुलपति ने सम्मानित किया। आयोजन के दौरान स्कूल की प्राचार्य श्रीमती मुकेश देवी ने कुलपति की उपस्थित पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही उनकी उपस्थिति विद्यार्थियों को नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने इस अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला और विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने पर्यावरण व जल संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने और उन्हें जिम्मेदार बनाने पर जोर दिया। आयोजन में पूर्व सरपंच पूरण सिंह, फूल सिंह राठौड़, राजेश भारद्वाज सहित स्थानीय गणमान्यजनों ने कुलपति का पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिहन देकर स्वागत किया। आयोजन में स्कूल के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Har Ghar Tiranga Abhiyan

July 18, 2022

Azadi Ka Amrit Mahotsav is a matter of pride for all of us and in the last 75 years, India's democratic roots have not only deepened, but India has also made her own identity in terms of development on a global level. Prime Minister Shri Narendra Modi's 'Har Ghar Tiranga Abhiyan' under Azadi Ka Amrit Mahotsav will take the spirit of patriotism to the highest level. Prof. Tankeshwar Kumar shared these views as the chief guest in the programme organised at Government Middle School, Dhauli, Mahendragarh. Municipal Chairman, Ramesh Saini was also present on this occasion. The Vice-Chancellor said that public participation is necessary to make the 'Har Ghar Tiranga Abhiyan' a success and he

mentioned the role of youth as very crucial in triumphantly completing this campaign. On this occasion, the Vice-Chancellor planted saplings in the school premises and gave the message of environment and water conservation to the students, teachers, and villagers. Students of the school enthralled everyone through cultural presentations. Dean of Student Welfare of the University, Prof. Anand Sharma highlighted the importance of 'Har Ghar Tiranga Abhiyan' on the occasion, and Dr. Dinesh Chahal, the coordinator of the NSS unit of the university, emphasised on making students aware and responsible for the environment and water conservation.

1.2 "विरासत पर गर्व करके ही बनेगा विकसित भारत" -प्रो. टंकेश्वर कुमार

आजादी की 75 वर्ष पूर्ण होने पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अमृत काल की परिकल्पना और उसके लिए जो पांच संकल्प लालकिले की प्राचीर से अपने स्वतंत्रता दिवस समारोह के उद्बोधन में दिए हैं ये वे मंत्र है जो विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेंगे। प्रधानमंत्री की ओर से दिए गए पांच संकल्पों में विरासत पर गर्व का उल्लेख किया गया है। इसके निहितार्थ को समझे तो यह हम सभी जानते हैं कि कोई भी देश तब तक विकास के पथ पर अग्रसर नहीं हो सकता है जब तक की वो अपनी विरासत को सहेजना नहीं जानता है, हम कौन है? हमारी मान्यताएं क्या है? हमारी संस्कृति, हमारी कला और हमारी ऐतिहासिक विरासत ही वो माध्यम है जो हमें औरों से अलग पहचान दिलाती है। यहीं वो माध्यम है जो हमें अपने पूर्वजों के ज्ञान को जानते समझते हुए भविष्य की चुनौतियों से लड़ने और उनपर विजय हासिल करने का बल प्रदान करती हैं।

मेरा मानना है कि यहां बात 100-200 साल के इतिहास की नहीं हो रही है। यह विषय महत्वपूर्ण है और उद्देश्य उस बिन्दु को समझने का जो हमें भविष्य की ओर छलांग लगाने की उर्जा प्रदान करने के साथ-साथ हमारे इतिहास या यू कहें कि हमें हमारी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। भारतीय विरासत कई शताब्दियों पहले की हैं, यह विशाल है, प्रमाणिक है, और आज भी हमारे बीच जीवंत है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने ही विश्व को जीरो का ज्ञान दिया। चिकित्सा की बात करें तो ऋषि सुश्रुत व चरक, भारत की ही देन हैं। अध्ययन-अध्यापन के मोर्चे पर तक्षशिला, नालंदा भारत में ही स्थापित ज्ञान के केंद्र रहे। ऐसे अनेकों उदाहरण हमारे समक्ष उपलब्ध हैं जो कि हमें भारतीय विरासत पर गर्व का अनुभव कराते हैं। आज भारत जब सुपर पावर बनने की दिशा में अग्रसर है तो अवश्य ही हमें अपनी उस विरासत को संजोने, संरक्षित करने की ओर भी विशेष ध्यान देना होगा जिसके बूते आज हम इस मुकाम तक पहुंचे है। हरियाणा राज्य की ही बात करें तो यह वह पावन भूमि है जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। आज उस गीता के ज्ञान को समूचा विश्व स्वीकारता है और अपना रहा है। देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में इसके जुड़े अध्ययन-अध्यापन व शोध कार्य हो रहे हैं। भारत भूमि की विरासत में ऐसे अनेकों गूढ़ सत्य विद्यमान है जो न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व की प्रगति, विकास और मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जिस तरह से आजादी के 75 वर्षों का उल्लेख करते हुए देशवासियों द्वारा इस कालखंड में विभिन्न चुनौतियों के बीच अपनी परंपराओं, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत से जुड़े रहने का उल्लेख किया है उससे स्पष्ट है यह विरासत ही वो प्रेरणा का पुंज है जो युवा पीढ़ी को नए भारत के निर्माण के लिए आवश्यक संकल्पों की सिद्धि में मददगार होगी। यह सच है कि सैंकड़ों सालों की गुलामी के कालखंड ने भारत के अन्तर्मन और भारतीयों की भावनाओं को कई गहरे घाव दिए थे, बावजूद इसके हमारी जिद्द, जिजीविषा, जुनून और जोश का कम न होना उसी विरासत की देन है जिसके बूते आज तक भारत की हस्ती बरकरार है। आत्मनिर्भर भारत, विश्वगुरु भारत, समृद्ध भारत, सुपर पावर भारत, सशक्त भारत बनने के लिए हमें हमारी विरासत से प्रेम और उसपर गर्व कर भारतीय को आगे बढ़ना होगा। भारत की मिट्टी में वो ताकत है, वो सामर्थ्य है जिसके बूते हम सदियों से अपनी पहचान को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं और यकीनन यही गर्व का भाव आगे भी हमें विश्वपटल पर एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में मददगार साबित होगा।

"India will Become a Developed Country by Taking Pride in its Heritage"- Prof. Tankeshwar Kumar

July 18, 2022

On the completion of 75 years of independence, the Prime Minister of India Shri Narendra Modi has given the phrase "Amrit Kaal". Taking pride in one's heritage has been mentioned in five resolutions given by the Prime Minister for making India a developed country. It is to be noted that the history of 100-200 years is not being discussed here. The purpose is to understand the point that taking pride in one's heritage gives us the energy to

leap toward the future as well as inspires us to stay connected with our history and roots. Indian heritage goes back to several centuries. It is vast, authentic, and still alive among us. Talking about medicine, Rishi Sushrut and Charak are the gifts of India to the world.On the educational front, Takshashila and Nalanda of India remained the centres of knowledge. Many such examples are available in front of us which make us feel proud of our Indian heritage. Today, when India is moving towards becoming a superpower, we must pay special attention to preserving our heritage due to which we have reached this stage today. There are many such deep truths in the heritage of the land of India which pave the way for the progress, development, and welfare not only of India but of the whole world. The Prime Minister has mentioned that the countrymen have remained connected to their traditions and cultural and historical heritage amid various challenges during this period which makes it clear that this heritage is the source of inspiration. We are the children of Vishwaguru India, prosperous India, superpower India, and strong India. We have to love our heritage, take pride in it and move forward as Indians. India's soil is that strength because of which we have been able to maintain our identity for centuries and surely this sense of pride will help in establishing us as a developed nation on the world stage.

1.3 हकेवि में हर घर तिरंगा अभियान की हुई शुरूआत

August 03, 2022

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ एक पखवाड़े में विभिन्न आयोजनों के माध्यम से जन-जन को भारत की आजादी और उसके महत्व से अवगत कराएगा। विश्वविद्यालय के द्वारा इन आयोजनों के अंतर्गत जन जागरूकता, लोगों में देशप्रेम का भाव और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान का भाव जागृत व प्रबल किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आजादी के अमृत महोत्सव व हर घर तिरंगा अभियान को भारत के गौरव और सम्मान से जोड़ते हुए कहा कि अवश्य ही इन आयोजनों के माध्यम से जन-जन में देश प्रेम का भाव प्रबल होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों से इस अभियान की सफलता हेतु सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत बुधवार को तिरंगा जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से हो गई है। 3 से 5 अगस्त तक विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँवों में इस जागरूकता कार्यक्रम का राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल व सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 6 से 7 अगस्त को विभिन्न 75 स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 8 अगस्त को प्रभात फेरी-तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। 9 अगस्त को आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत पोस्टर, पेंटिंग प्रदर्शनी व भाषण तथा गीत प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है। 12 अगस्त को कार्यक्रम की इसी श्रृंखला में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हरियाणा कला परिषद व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा। 13 व 14 अगस्त को वीडियोग्राफी प्रतियोगिता व छात्रावासों में स्वच्छता प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस पखवाड़े का समापन 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के साथ होगा। इस आयोजन में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के साथ एनएसएस इकाई, यूथ रेडक्रॉस, ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब, जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय, आरडब्ल्यूए, जीपीएसीएच, कला एवं संस्कृति संवर्धन क्लब, सोशल मीडिया क्लब, विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी व स्थानीय ग्रामीण सक्रिय भागीदारी करने जा रहे हैं।

Har Ghar Tiranga Campaign Started at CUH

August 03, 2022

On the occasion of 75 years of independence and the call of Prime Minister Shri Narendra Modi, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh took an initiative to make people aware of India's independence and its importance through a series of events that were conducted within a fortnight. During this campaign, the feeling of patriotism and respect for the National Flag were awakened and strengthened among the people. Prof.

Tankeshwar Kumar, the Vice Chancellor of the university said that surely through these events, the feeling of patriotism will prevail among the people. He called upon all the participants of the University for their active participation in the campaign to make it a great success.

Prof. Anand Sharma, Dean of Students Welfare informed that under the Azadi ka Amrit Mahotsav campaign, the 'Har Ghar Tiranga' campaign was started on Wednesday through the Tiranga awareness programme. He informed that from August 3 to 5, this awareness programme will be running in the adopted villages of university under the leadership of Dr. Dinesh Chahal, Convener, NSS unit, and Sunil Agarwal. In this sequence, the plantation programme was organised at different 75 places from 6 to 7 August. 'Prabhat Pheri Tiranga Yatra' was taken out on August 8. Poster-making, painting exhibition, speech, and song presentation programme were proposed to be organised on August 9 under the Azadi ka Amrit Mahotsav campaign. In the same series of programmes on August 12, a cultural evening was also organised by the students of Haryana Kala Parishad and the University. A videography competition and cleanliness drive were organised in hostels on the 13th and 14th of August. In this sequence, the 'Har Ghar Tiranga' programme was successfully organised from August 13 to 15. Organised by the Office of the Dean of Student Welfare, this fortnight ended with the celebration of Independence Day on August 15. In this event, the NSS unit, Youth Red Cross, Green Campus Clean Campus Club, Public Relations Officer's Office, RWA, GPSCH, Art and Culture Club, Social Media Club, University students, research scholars, teachers, non-teaching staff, and local villagers participated actively.

1.4 हकेवि में निकाली गई तिरंगा यात्रा

August 08, 2022

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ विभिन्न आयोजनों के माध्यम से जन-जन में देशप्रेम, राष्ट्रीयता व राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान का भाव जागृत व प्रबल कर रहा है। बीती 3 अगस्त से शुरू हुए कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इन आयोजनों का उद्देश्य आजादी के महत्त्व और आजादी हासिल करने के लिए किए गए बलिदानों से सभी को अवगत कराना है।

आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन, एनएसएस इकाई व यूथ रेडक्रॉस के साझा प्रयासों से आयोजित इस तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों को कुलपति ने हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों को नमन करते हुए देश की अखंडता को बनाए रखने के लिए तत्पर रहने की प्रतिज्ञा भी ली। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विश्वविद्यालय के आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। विश्वविद्यालय परिसर में वाईफाई पार्क से शुरू हुई इस तिरंगा यात्रा में प्रो. हरीश कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. विशाल पसरिचा, डॉ. आलेख एस नायक, डॉ. विरेंद्र सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेतर कर्मचारी शामिल हुए।

"Tiranga Yatra" at CUH

August 08, 2022

On the occasion of the completion of 75 years of independence, on the call of Prime Minister Shri Narendra Modi, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh is awakening and strengthening the sense of patriotism, nationalism, and respect for the national flag among the people through various events. Tiranga Yatra was organised on the university campus on Monday in a series of programmes that began on August 3. Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that the purpose of these events is to make everyone aware of the importance of freedom and the sacrifices made to achieve freedom.

The Vice-Chancellor congratulated the students, research scholars, teachers, and non-teaching staff involved in this Tiranga Yatra, organised with the joint efforts of the Office of the Dean of Students Welfare, Residential Welfare Association, NSS unit and Youth Red Cross, under the Azadi Ka Amrit Mahotsav campaign of Independence, for their active participation in the Tricolor campaign at every house. In this Tiranga Yatra which started from WiFi Park on the University campus, Professors, University teachers, students, research scholars, and non-teaching staff including Harish Kumar, Dr. Dinesh Chahal, Dr. Pradeep Singh, Dr. Rashmi Tanwar, Dr. Surendra, Dr. Vishal Pasricha, Dr. Alekh S Nayak, and Dr. Virendra participated.

1.5 हकेवि में स्वच्छता प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

August 14, 2022

आजादी का अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में महिला छात्रावासों में स्वच्छता प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के महिला छात्रावासों की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

महिला छात्रावासों में कक्षों की स्वच्छता पर केंद्रित इस प्रतियोगिता के लिए बने निर्णायक मंडल में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. कल्पना चौहान और डॉ. सुमन शामिल रहे। विश्वविद्यालय में इन छात्रावासों की प्रोवोस्ट डॉ. पायल चंदेल ने निर्णायक मंडल के सदस्यों को इन छात्रवासों का दौरा कराया। इस प्रतियोगिता में 1260 छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में जानकी अम्मल छात्रावास में कक्ष संख्या 238, अबुल कलाम छात्रावास में कक्ष संख्या 15 तथा असीमा चौटर्जी छात्रावास कक्ष संख्या 119 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में सभी प्रतिभागी छात्राओं एवं विजेताओं को इस स्वच्छता प्रतियोगिता में शामिल होने और सक्रिय योगदान के लिए बधाई दी।

Cleanliness Competition Organised at CUH

August 14, 2022

In a series of programmes organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, under Azadi Ka Amrit Mahotsav, and 'Har Ghar Tiranga Abhiyan', a cleanliness competition was organised at the women's hostels. The students of the women's hostels of the university took part in this competition.

This drive focused on the cleanliness of the rooms in the women's hostels. The jury consisted of Prof. Sunita Srivastava, Prof. Kalpana Chauhan, and Dr. Suman. Dr. Payal Chandel, Provost of these hostels in the University, took the jury members to visit these hostels. 1260 girl students took part in this competition. Room number 238 in Janaki Ammal hostel, room number 15 in Abul Kalam hostel, and room number 119 in Asima Chatterjee hostel got the first position in the competition.

1.6 हकेवि में स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर समारोह

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर सोमवार को ध्वजारोहण समारोह का आयोजन हुआ। 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शैक्षणिक खंड के सामने तिरंगा झंडा फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहभागियों के साथ भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों व देश की सीमा की रक्षा करने वाले वीर जवानों के सेवा, समर्पण व त्याग को याद किया। इससे पूर्व में कुलपति ने विश्वविद्यालय स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में देश को आजाद कराने में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि आज हम जिस आजाद हवा में साँस ले रहे हैं, वह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों, पूर्वजों और हमारे महान नेताओं द्वारा किए गए दशकों के संघर्षों का परिणाम है। भारत का स्वतंत्रता दिवस न केवल ब्रिटिश राज के शासन से भारत की आजादी को दिखाता है बल्कि यह हमारे देश की शक्ति को भी दिखाता है कि कैसे हम सब एक थे, एक हैं और एक रहेंगे। कुलपति ने कहा कि आज पूरा भारत वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव पूरे हर्ष व उत्साह के साथ मना रहा है। इस अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में हरसंभव योगदान देंगे। आज का दिन बेहद पावन है और इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए हमें नए भारत के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा व प्रगति के लिए हम सदैव तत्पर रहने का भी आह्वान किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि देश आज नए भारत के निर्माण की ओर अग्रसर है। आज रक्षा, विज्ञान, तकनीकी, खेल, शिक्षा हर मोर्चे पर हम सशक्त हैं और आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कॉमन वेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन से हम सभी का मस्तक गर्व से ऊँचा हो गया है। इस अवसर पर कुलपति ने बीते एक वर्ष में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने विश्वविद्यालय एनआईआरएफ रैंकिंग में शामिल होना, आउटलुक वार्षिक रैंकिंग में विश्वविद्यालय का 19वें पायदान पर आना, बेस्ट इनोवेशन स्टॉल अवार्ड मिलने पर विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय में निरंतर जारी नियुक्तियों व पदोन्नतियों के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए आगामी योजना के अंतर्गत पुस्तकालय व सभागार की सुविधा विकसित करने का भी उल्लेख किया।

कुलपति ने कहा कि भारत अमृत-काल में प्रवेश कर रहा है और इस अमृतकाल को मूर्त रूप देने में युवाओं की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। भारत की युवा पीढ़ी को नई दिशा, नई चेतना व उनके अंतर्मन में देश प्रेम के भाव का संचार करने हेतु शिक्षण संस्थानों विशेषकर विश्वविद्यालयों और उनके शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण बताते हुए अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने में अपना योगदान देने की अपील की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस समारोह में स्वागत भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों व उनके परिवारजनों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से समां बांधा। इनमें स्पंदन, राधिका, अमृता, आदिश, अहाना, महक, रितिक, अनिमेश, किरण एवं डांस ग्रुप, नरेश, सन्नी तंवर, रश्मि तंवर, शंकर, अजयपाल आदि के नाम शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय पूर्व सैनिकों के संगठन से जुड़े

पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सक्रिय प्रतिभागिता की और कार्यक्रम के अंत में कुलपति को स्मृति चिहन देकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के उल्लेखनीय प्रयासों के लिए केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व उनकी टीम को स्मृति चिहन कुलपति व कुलसचिव की ओर से प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कुलपति परिवार सहित शामिल हुए। साथ ही इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, शिक्षणेतर कर्मचारी व उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Celebration of 76th Independence Day at CUH

August 16, 2022

On the auspicious occasion of the 76th Independence Day, a flag-hoisting ceremony was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Monday. On this occasion, Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor hoisted the National Flag. He said that the country is moving towards building a new India today. Today we are strong in defence, science, technology, sports, and education and are constantly striving towards becoming Atmnirbhar Bharat. He also apprised the participants about the achievements of the University in the last year. He congratulated all for the University being included in the NIRF Ranking, 19th position in the Outlook Annual Ranking, and Best Innovation Stall Award. Organised by the Office of the Dean of Students Welfare of the University, the function started with the welcome address given by the Dean of Student Welfare, Prof. Anand Sharma. At the end of the programme, the Registrar, Prof. Sunil Kumar presented a vote of thanks. In this sequence, for the remarkable efforts of the Innovation and Incubation Center of the University, the Convener of the Center, Prof. Sunita Srivastava, and her team were given a memento on behalf of the Vice Chancellor and Registrar. Along with this, the Deans, heads of various Departments, teachers, officers, non-teaching staff and their family members were also present.

1.7 हकेवि में दस दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी का हुआ समापन

August 19, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी विभाग की साहित्य समिति व राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में दस दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी का समापन हो गया। इस अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरूक्षेत्र के हिंदी विभाग के अध्यक्ष व देस हरियाणा के संपादक प्रो. सुभाष चंद्र मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित इस प्रदर्शनी को देशप्रेम के भाव के प्रचार-प्रसार हेतु महत्त्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. सुभाष चंद्र ने बताया कि किस प्रकार स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। हिंदी के लेखकों और कवियों ने एक चेतना शक्ति का स्वर अपनी रचनाओं के द्वारा स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े लोगों में भरा और स्वाधीनता आंदोलन को जन-आंदोलन का रूप दिया। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार हिंदी ने भाषिक रूप में सभी को जोड़ने का कार्य किया। यहां बता दें कि दस दिनों तक चली इस प्रदर्शनी में स्वाधीनता पर केंद्रित कविताओं को शामिल किया गया, इससे संबंधित पोस्टरों का निर्माण डॉ. अमित मनोज ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भागीदारी की। इस कार्यक्रम का मंच संचालन विभाग की साहित्य समिति के सचिव हिमांशु ने किया। स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन साहित्य समिति के अध्यक्ष आकाश भारती के द्वारा दिया गया।

Ten-Day Poetry Poster Exhibition Ends

August 19, 2022

A ten-day poetry poster exhibition was concluded under the aegis of the Hindi Department's Literature Committee and Official Language Section at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. On this occasion, an expert lecture was organised through an online medium. In this lecture organised on the subject of the independence movement and Hindi literature, the chairman of the Hindi department of Kurukshetra University, Kurukshetra, and editor of Des Haryana, Prof. Subhash Chandra was present as the keynote speaker. Prof. Chandra told how the freedom movement and Hindi literature are related to each other. He also told how Hindi did the work of connecting everyone in linguistic form. It may be mentioned here that poems focused on independence were included in this ten-day-long exhibition, and Dr. Amit Manoj prepared posters related to it. The stage conduction was done by Himanshu, secretary of the literature committee of the department. The welcome speech was given by the Hindi Officer of the University, Shailendra Singh, and the vote of thanks was given by Akash Bharti, President of the Literary Committee.

2 CUH Admissions 2022-23

2.1 हकेवि में यूपीएससी परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित

August 01, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन रविवार को किया गया। डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डेस) के अंतर्गत अनुसूचित जाति के चयनित 100 युवाओं को यूपीएससी प्रिलिम्स और मुख्य परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परीक्षा केंद्र का दौरा किया। उन्होंने इस केंद्र को प्रशासनिक सेवा के माध्यम से देश की प्रगति में योगदान देने के इच्छुक अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियत्रंक प्रो. राजीव कौशिक तथा डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के समन्यवक डॉ. अंतरेश कुमार के बताया कि इस प्रवेश परीक्षा में देश के विभिन्न राज्यों से 190 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। डॉ. अंतरेश कुमार ने बताया कि यह केंद्र सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत होने दाखिलों में 33 प्रतिशत सीटें महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि डेस के लिए शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी जारी है और जल्द ही कोचिंग के लिए कक्षाएं आरंभ कर दी जाएंगी।

Entrance Examination Conducted for UPSC Coaching at CUH

August 01, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh conducted the entrance examination on Sunday i.e. 31 July 2020 for the UPSC aspirants. The selected students will get free coaching for UPSC under Dr. B. R. Ambedkar Centre for Excellence, CUH. A total of 190 students have appeared for the entrance examination. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor visited the Centre of the examination and inspected the arrangement. The exam was conducted under the supervision of esteemed professors, Rajiv Kaushik, Controller of Examinations, and Dr. Antresh Kumar, DACE Coordinator. Students from different districts of Haryana and other states appeared in the examination.

2.2 हकेवि के इंजीनिरिंग पाठ्यक्रमों को सत्र 2022-23 के लिए मिली एआईसीटीई की मंजूरी

August 17, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत उपलब्ध सभी चार पाठ्यक्रमों को आल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई), नई दिल्ली ने सत्र 2022-23 के लिए मान्यता प्रदान कर दी है। विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह मान्यता विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 से विश्वविद्यालय में शुरू इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को पुनः एआईसीटीई से शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए सभी चार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान की है।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने एआईसीटीई की इस मंजूरी के बाद हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय इन सभी तकनीकी पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु आवश्यक संसाधनों के विकास की दिशा में अग्रसर है। हमारे पास अनुभवी संकाय सदस्यों के साथ-साथ जरूरी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध हैं। कुलपति बोले कि इंजीनियरिंग के लिए निर्धारित प्रमुख मानकों के अंतर्गत स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में उपलब्ध सभी चार पाठ्यक्रमों को एआईसीटीई की भी पुनः मान्यता मिल गई है जोकि साबित करती है कि हम विद्यार्थियों के हित में किस तरह से अनवरत प्रयासरत है।

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन डॉ. फूल सिंह ने बताया कि एआईसीटीई से प्राप्त पत्र के अनुसार बी.टेक. इन कंप्यूटर सांइस एंड इंजीनियरिंग, बी.टेक. इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बी.टेक. इन सिविल इंजीनियरिंग और बी.टेक इन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रमों मान्यता मिल गई है। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि इंजीनियरिंग के बी.टेक. के सभी पाठ्यक्रमों के लिए 60-60 सीटों की मान्यता एआईसीटीई द्वारा दी गई है। उन्होंने कहा कि इस मान्यता से विद्यार्थियों के लिए निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार पाठ्यक्रमों में अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा व रोजगार के विकल्पों में भी इजाफा होगा।

Approval of CUH Engineering Programmes by AICTE

August 17, 2022

All four programmes available under the School of Engineering and Technology at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh have been recognized by the All India Council for Technical Education (AICTE), New Delhi for the session 2022-23. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor said that this recognition will prove useful for the students. He said that the engineering courses started in the University in the year 2016 have been once again recognized by AICTE for the academic session 2022-23. Dr. Phool Singh, Dean, of the School of Engineering and Technology said that according to the letter received from AICTE, B.Tech. in Computer Science and Engineering, B.Tech. in Electrical Engineering, B.Tech. in Civil Engineering and B.Tech. in Printing and Packaging Technology have got recognition. Dr. Singh said that 60 seats are recognized by AICTE for each B.Tech. course in Engineering.

2.3 हकेवि में पीएच.डी. कार्यक्रमों में दाखिले हेतु आवेदन प्रक्रिया शुरू

August 26, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23के लिए उपलब्ध पीएच.डी. कार्यक्रमों में दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 26 अगस्त, 2022 से शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएच. डी. कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदक आगामी 16 सितंबर तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला पोर्टल लांच करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार व कौशल विकास की दिशा में प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न 30 विभागों में कुल 176 पीएच.डी. सीटों में दाखिले हेतु आवेदन प्रक्रिया आगामी 16 सितंबर, 2022 तक चलेगी। जिसके पश्चात आगामी 01 अक्टूबर को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस प्रवेश परीक्षा के नतीजे 04 अक्टूबर को जारी होंगे तथा साक्षात्कार हेतु पहली सूची 10 अक्टूबर को घोषित की जाएगी। इसके पश्चात इन कार्यक्रमों में कोर्स वर्क की शुरूआत 01 नवम्बर, 2022 से प्रस्तावित है। प्रो. फूल सिंह ने बताया कि दाखिले के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www-cuh-ac-in o http%//phd-cuh-ac-in/ से आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

Admission to Ph.D. programmes Started at CUH

August 26, 2022

The online application process for admission to the Ph.D. programmes for the Academic Session 2022-23 at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, has started from August 26, 2022. Applicants can apply online till 16th September for admission to the Ph.D. programmes available in various departments of the University. Prof. Phool Singh, Nodal Officer informed that the application process for admission to 176 seats

under 30 schools will continue till September 16 2022. After which the entrance exam will be conducted on October 01. The results of this entrance test will be released on October 4 and the first list for the interview will be declared on October 10. The coursework programmes are proposed to start on November 01, 2022. Prof. Phool Singh said that candidates can apply for admission at the University website www.cuh.ac.inor http://phd.cuh.ac.in/.

2.4 हकेवि में स्नातक कार्यक्रमों में दाखिले हेतु पंजीकरण शुरू

-29 सितंबर तक करवा सकते हैं ऑनलाइन पंजीकरण

September 21, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के स्नातक कार्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजो के बाद विश्वविद्यालय में स्नातक कार्यक्रमों में उपलब्ध 493 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुँच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण बुधवार 21 सितंबर से शुरू हो गए हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 29 सितंबर तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जायेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि स्नातक कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातक कार्यक्रमों की कुल 493 सीटें उपलब्ध हैं। जिनमें दाखिले के लिए पंजीकरण आगामी 29 सितंबर, 2022 तक करवाया जा सकता है। इसके पश्चात 30 सितंबर को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई जाएगी तथा श्रेणीवार मेरिट लिस्ट व पहली काउंसलिंग 04 अक्टूबर को होगी। डॉ. फूल सिंह ने कहा कि दाखिले इच्छुक आवेदक पंजीकरण, सीटों का विवरण, फीस व अन्य दिशा निर्देश आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

Registration Starts for Admission to Undergraduate programmes at CUH

September 21, 2022

The result of Common University Entrance Test (CUET) 2022 result for Undergraduate (UG) programmes has been declared by National Testing Agency (NTA). After the declaration of the result, the process of admission to 493 seats available in Undergraduate programmes at the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh reached the next stage. Registration for counselling for admission to the Central University of Haryana has started from Wednesday, September 21. This process of online registration will continue till September 29. The merit list will be released after this process of registration. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar congratulated the successful candidates of the entrance examination and wished them a bright future.

Prof. Phool Singh, Nodal Officer, CUET-2022 said that after the declaration of the results of the entrance examination of undergraduate programmes, the process of online registration has started for the candidates who want to get admission to the university. He stated that a total of 493 seats are available at the Central University of Haryana for Undergraduate programmes. Registration for admission can be done till September 29, 2022. After this, the merit list will be made available on the University website on 30 September while the first counselling and category-wise merit list will be held on 04 October 2022. Dr. Phool Singh said that the applicants interested in admission can get any information related to registration, details of seats, fees, and other guidelines, etc. from the website of the University.

3 Awards and Achievements

3.1 डेलनेट की ओर से हकेवि को मिला प्रशंसा प्रमाण पत्र

July 14, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ का पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय 2017 से डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) के माध्यम से अपने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतर-पुस्तकालय लोन सर्विस उपलब्ध करवा रहा है। हाल ही में पुस्तकालय ने अपने 49716 बुक रिकॉर्ड्स को डेलनेट को उपलब्ध करवाया है और इसे सफलता पूर्वक डेलनेट डिस्कवरी पोर्टल पर पोर्ट किया गया है, जिसे इसके सभी पुस्तकालय सदस्यों द्वारा 24 घंटे एक्सेस किया जा सकता है। यहां बता दें कि डेलनेट 7648 सदस्य पुस्तकालयों के नेटवर्क के माध्यम से संसाधन साझा करने को बढ़ावा देता है और हकेवि पुस्तकालय इसके सदस्यों में से एक है। डेलनेट ने डेटा साझा करने और व्यापक पहुंच के लिए हकेवि के केंद्रीय पुस्तकालय को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संसाधन साझा करने और डिजिटल वातावरण बनाने के लिए पुस्तकालय के अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय अन्य डेलनेट सदस्य पुस्तकालयों के अंतर-पुस्तकालय लोन की जरूरतों को भी पूरा करने के लिए प्रयास करेगा। इस अवसर पर कुलपति ने त्वरित सेवा के लिए विश्वविद्यालय के प्रमुख वेब लिंक वाली क्यूआर कोड गैलरी भी जारी की। उन्होंने विश्वविद्यालय के पुस्तकाल याध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच., सहायक पुस्तकाल याध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह और श्री नरेश कुमार द्वारा की गई डिजिटल पहल की सराहना की। इस अवसर पर प्रो. अजय कुमार बंसल और डॉ. शांतेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

CUH Bags a Certificate of Appreciation from DELNET

July 14, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh is providing inter-library loan service to its students and faculty through Developing Library Network (DELNET) since 2017. DELNET promotes resource sharing through a network of 7648 member libraries and CUH library is one of its members. Recently the library shared its 49716 book records with DELNET and the same are ported successfully on DELNET Discovery Portal which is accessible 24/7 by its members.

Acknowledging the efforts of the library team, DELNET issued an appreciation certificate to the University library for sharing data for wider accessibility. The Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar appreciated the library team for initiating resource sharing and creating a networked digital environment. He said that CUH library would also cater to the needs of inter-library loan requests of other DELNET member libraries. Further, the Vice Chancellor also released the QR Code gallery comprising key web links of the University for quick access. He appreciated the digital initiatives carried out by University librarians Dr. Santosh C.H., Assistant librarians Dr. Vinod Kumar Singh, and Mr. Naresh Kumar. Prof. Ajay Kumar Bansal and Dr.Shantesh Kumar Singh were also present on the occasion.

3.2 एनआईआरएफ रैंकिंग की विश्वविद्यालय श्रेणी में हकेवि शामिल

July 15, 2022

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुक्रवार को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2022 जारी की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारत के टॉप कॉलेजो, विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों की रैंकिंग जारी की। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 151 से 200 के विश्वविद्यालय रैंक बैंड में स्थान बनाया है। विश्वविद्यालय के

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों को बधाई दी व उनका आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से कुलपति ने एनआईआरएफ के नोडल ऑफिसरों एवं सभी सदस्यों के समन्वय की सराहना की।

कुलपति ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई एनआईआरएफ रैंकिंग में हकेवि ने 151 से 200 के विश्वविद्यालय रैंक बैंड में स्थान हासिल किया है, जो हम सभी के लिए खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस रैंकिंग को और बेहतर बनाने और टॉप 100 रैंक में शामिल होना हमारा अगला लक्ष्य है और आशा है कि सभी सहभागियों के सहयोग से इस भी जल्द हासिल कर लेंगे। कुलपति ने बताया कि रैंकिंग में टीचिंग, लर्निंग, अनुसंधान, आउटरीच, परीक्षा परिणाम, समावेशिता, संसाधन आदि मानदंडों के आधार पर संस्थान को स्कोर दिया जाता है। बता दें कि हाल ही में जारी ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रैंकिंग 2022-23 में भी हकेवि को हरियाणा राज्य में तीसरी और अखिल भारतीय स्तर पर 39वीं रैंक प्राप्त हुई।

CUH Secures a Position in NIRF Ranking Under Universities Category

July 15, 2022

CUH has secured its place in the 151 to 200 rank band under the 'Universities' category of the National Institutional Ranking Framework (NIRF) 2022 which was announced by the Ministry of Education, Government of India on Friday. The Union Education Minister, Shri Dharmendra Pradhan released the results of the institutional ranking of top Indian colleges, universities, and other institutions. Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has made its place in the University rank band of 151-200 with excellent performance. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar congratulated and expressed his gratitude to all the stakeholders. He further said that the University fraternity shall work together from today onwards to further improve the ranking and work hard to find a place in the top 100 ranking institutions. The Vice-Chancellor said that in the ranking, scores are given to the institutes based on criteria like teaching, learning, research, outreach, examination results, inclusivity, resources, etc. Not only in the recent NIRF performance, but even in the recently released EW India Higher Education Ranking 2022-23 also, CUH has secured the third position in Haryana and the University has also secured 39th rank at the All India level.

3.3 हकेवि की संकाय सदस्य को मिला सिल्वर ग्लोबल ज्यूरी अवार्ड

August 03, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में प्रबंधन अध्ययन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुनीता तंवर को सिल्वर ग्लोबल ज्यूरी अवार्ड 2021 से सम्मानित किया गया है। डॉ. तंवर को यह अवार्ड नेशनल एंटर प्रिन्योर नेटवर्क वाधवानी फाउंडेशन द्वारा विद्यार्थियो के स्टार्टअप प्रस्तावों का मूल्यांकन करने और वैश्विक स्तर पर उनके उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए दिया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए डॉ. सुनीता तंवर को बधाई दी और विश्वास दिलाया कि इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य विद्यार्थियों को उद्यमिता की ओर अग्रसर करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। बता दें कि डॉ. सुनीता तंवर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के ई-सेल की समन्वयक हैं। वे विश्वविद्यालय के साथ-साथ अलग संस्थानों में विद्यार्थियों को एंटरप्रिन्योरशिप के लिए प्रोत्साहित करती रहती हैं।

CUH's Faculty Member Receives Silver Global Jury Award

August 03, 2022

Dr. Sunita Tanwar, Assistant Professor, Department of Management Studies, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, has been awarded with the Silver Global Jury Award 2021. Dr. Tanwar has been given this award by the National Entrepreneur Network Wadhwani Foundation for evaluating startup proposals of students and mentoring them globally. Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar congratulated Dr. Sunita Tanwar for this achievement and assured that through such programmes the faculty members of the university will continue their efforts to lead the students towards entrepreneurship. He also mentioned that Dr. Sunita Tanwar is the coordinator of the e-cell of the Central University of Haryana.

3.4 कुलपति ने किया "नैनोबायोएनालिटिकल अप्रोच टू मेडिकल डायग्नोस्टिक्स" पुस्तक का विमोचन

August 04, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के जैवरसायन विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. पवन कुमार मौर्य व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू), वाराणसी की डॉ. प्रांजल चंद्रा द्वारा संपादित पुस्तक 'नैनोबायोएनालिटिकल अप्रोच टू मेडिकल डायग्नोस्टिक्स' का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। पुस्तक के संपादकों की प्रशंसा करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पुस्तक अकादमिक पेशेवरों के साथ-साथ जीवन विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं चिकित्सा पेशेवरों के लिए भी काफी प्रासंगिक है। पुस्तक की पहली प्रति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए, पुस्तक के संपादक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि यह पुस्तक चिकित्सा निदान के लिए पारंपरिक जैव रासायनिक और आधुनिक, संयुक्त नैनो-दृष्टिकोण दोनों को शामिल करती है। इस अवसर पर प्रो. प्रकाश बाबू, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालयय प्रो. सुनीता श्रीवास्तव और वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे।

Nano Bioanalytical Approaches to Medical Diagnostics Released by Prof. Tankeshwar Kumar

August 04, 2022

The book published by Elsevier, USA titled Nanobioanalytical Approaches to Medical Diagnostics and edited by Prof. Pawan Kumar Maurya, Department of Biochemistry, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh and Dr. Pranjal Chandra of Indian Institute of Technology (BHU), Varanasi was released by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the Central University of Haryana. While presenting the first copy of the book to Prof. Tankeshwar Kumar, the Editor of the book, Prof. Pawan Kumar Maurya observed that this book covers both traditional biochemical and modern, combined nano-approaches to medical diagnostics. On this occasion, Prof. Prakash Babu, Department of Biotechnology, University of Hyderabad; Prof. Sunita Srivastava, and Dr. Vikas Kumar were also present.

3.5 हकेवि के नाम रहा बेस्ट इनोवेशन स्टॉल अवॉर्ड

August 08, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने देश की राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 15वें तीन दिवसीय इलैक्ट्रिक व्हिकल्स एग्जीबिशन (ईवी-एक्सपो)-2022 में बेस्ट इनोवेशन स्टॉल अवॉर्ड का खिताब अपने नाम किया है। तीन दिनों तक चली इस प्रदर्शनी में लगभग 100 राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। इस ईवी-एक्सपो में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की ओर से स्मार्ट इको फ्रैंडली कार सहित सात विभिन्न पर्यावरण हितैषी इनोवेशन प्रस्तुत किए गए। जिन्हें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व केंद्रीय राज्य मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा सहित स्टॉल पर आए आगंतुको द्वारा खूब सराहा गया। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय वर्तमान में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को लेकर गंभीर है तथा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जा रही तकनीक निश्चित ही पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में कारगर साबित होगी।

विश्वविद्यालय कुलपति तथा ईवी-एक्सपों में विशिष्ट अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बेस्ट इनोवेशन स्टॉल अवॉर्ड हासिल करने पर विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व उनकी टीम द्वारा किए जा रहे जनहितैषी कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान हम सभी के लिए गर्व की बात है। अवश्य ही विश्वविद्यालय को मिला यह सम्मान हमारे अंदर नई ऊर्जा व उत्साह का संचार करेगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण हितैषी तो तकनीक विकसित की है, वह पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान में मील का पत्थर साबित होगी।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने के लिए हम लगातर नई-नई तकनीकों पर कार्य कर रहे हैं। ईवी-एक्सपो में मिली बड़ी सफलता पर प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि अवॉर्ड का मिलना हमारी जिम्मेदारी को बढ़ा देता है। अब हमारा केंद्र दो गुने उत्साह के साथ काम करेगा तथा मुझे विश्वास है कि भविष्य में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र न केवल विश्वविद्यालय अपितु देशभर के उद्यमियों की समस्याओं का समाधान करेगा। इस अवसर पर नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सदस्य प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. सूरज आर्य, आलेख एस नायक, सुनील कुमार, दिलीप पटेल, संदीप सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

CUH Achieves Best Innovation Stall Award in EV-Expo 2022

August 08, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh has won the title of 'Best Innovation Stall' Award at the 15th three-day Electric Vehicles Exhibition (EV-Expo)-2022 held at Pragati Maidan, Delhi. About 100 national and multinational companies displayed their products in this three-day exhibition. In this EV-Expo, seven different eco-friendly innovations including smart eco-friendly cars were presented by the Centre for Innovation and Incubation, the Central University of Haryana which was highly appreciated by the visitors who came to the stall including the Chief Guest of the programme and Union Minister of State, Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Shri Bhanu Pratap Singh Verma. The Union Minister of State, Shri Bhanu Pratap Singh Verma while praising the University said that the Central University of Haryana is working diligently on the increasing environmental pollution and that the technology being developed by the University will prove effective in reducing environmental pollution.

On receiving the Best Innovation Stall Award, the Vice Chancellor of the University and guest of Honour at EV-Expo, Prof. Tankeshwar Kumar praised the public welfare work being done by Prof. Sunita Srivastava and her team. Prof. Sunil Kumar, Registrar said that the University's Centre for Innovation and Incubation has developed eco-friendly technology keeping in mind the requirements of the future which will prove to be a milestone in solving the problems related to the environment.

Prof. Sunita Srivastava, Convener, Centre for Innovation and Incubation said that we are constantly working on new technologies to make Prime Minister Shri Narendra Modi's 'Make in India', 'Startup India', and 'Atamnirbhar Bharat' campaign a grand success. On this occasion Prof. Pawan Kumar Maurya, Dr. Suraj Arya, Mr. Alekh S. Nayak, Sunil Kumar, Dilip Patel, Sandeep, and officials of the University including teachers and other employees were present.

3.6 आउटलुक की वार्षिक रेकिंग में हकेवि के बनाया टॉप 20 में स्थान

August 09, 2022

भारत की प्रतिष्ठित आउटलुक-आईसीएआरई वार्षिक रेंकिंग 2022 जारी कर दी गई है। इस रेंकिंग में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय ने देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 19वां स्थान प्राप्त कर टॉप 20 में अपना स्थाना बनाया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक, नवाचार, शोध व अनुसंधान के मोर्चे पर नित नई उपलब्धियाँ हासिल कर रहा है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि आउटलुक-आईसीएआरई वार्षिक रेंकिंग 2022 में शैक्षणिक व शोध उत्कृष्टता, इंडस्ट्री इंटरफेस, प्लेसमेंट, आधारभूसंरचना, एडमिशन, विविधत, आउटरीच आदि पैरामीटर्स को शामिल किया गया था। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे देश के टॉप विश्वविद्यालयों में आना वास्तव में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, नवाचार, शोध व सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेगा और निरंतर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

CUH Secures a Position in the Top 20 Universities

August 09, 2022

India's prestigious Outlook-ICARE Annual Ranking 2022 has been released. In this ranking, the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh has performed notably in the category of Central Universities. The University has made it to the top 20 by securing the 19th position among the central universities across the country. Expressing his happiness for the Central University of Haryana, the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar congratulated all the stakeholders including the students, research scholars, faculty members, and non-teaching staff of the University. He further informed that the Outlook-ICARE Annual Ranking 2022 included parameters like academic and research excellence, industry interface, placement, infrastructure, admission, diversity, outreach, etc. Coming in the list among the top universities of the country like Jawaharlal Nehru University, Banaras Hindu University, and Delhi University is indeed a big achievement for the Central University of Haryana. He said that the University would always strive to do remarkable work in the field of education, innovation, research, and social concerns and would continue to set new records of success.

3.7 हकेवि की छात्रा ने प्रिंट ओलम्पियाड नॉर्थ जोन में पाया प्रथम स्थान

August 23, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग की छात्रा मेघना रेड्डी ने प्रिंट ओलम्पियाड के नॉर्थ जान में प्रथम स्थान हासिल किया है। मेघना की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बधाई देते हुए जीवन में इसी तरह आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. फूल सिंह ने बताया कि प्रिंट ओलम्पियाड प्रिंटिंग के क्षेत्र में देश में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है। विभाग की छात्रा का इस प्रतियोगिता के नॉर्थ जोन में प्रथम स्थान हासिल करना विभाग के शिक्षकों एवं छात्रा की मेहनत का परिणाम है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विभाग के सहायक आचार्य व प्रिंट ओलम्पियाड नॉर्थ जोन के समन्वयक श्री अनिल कुंडू ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की, जिन्हें चार जोन में बांटा गया तथा प्रत्येक जोन से एक-एक विद्यार्थी को चुना गया। जिसमें उत्तरी भारत के 12 प्रिंटिंग संस्थानों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की मेघना रेड्डी ने नॉर्थ जोन प्रथम स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया स्तर पर इस प्रतियोगिता का फाइनल आगामी 5 सितम्बर को दीनबंधु छोटूराम विश्वविद्यालय, मुरथल में आयोजित किया जाएगा। हकेवि के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के प्रभारी श्री संदीप बूरा ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन ऑफसैट प्रिंटर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने विभाग के सभी शिक्षकों को बधाई दी व चयनित छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की।

Meghna Reddy of CUH Secured the First Position in Print Olympiad North Zone

August 23, 2022

Meghna Reddy, a student of the Department of Printing and Packaging Technology, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh has secured the first position in the North Zone of the Print Olympiad. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor congratulated and encouraged her. Dr. Phool Singh, Dean, of the School of Engineering and Technology said that the Print Olympiad is a prestigious competition organised in the country in the field of printing. Shri Anil Kundu, Assistant Professor, and coordinator of Print Olympiad

North Zone said that students from different institutions of the country participated in this competition and were divided into four zones. One student from each zone was selected and students from 12 printing institutes in North India participated. In these, Meghna Reddy secured the first position in North Zone. Shri Sandeep Boora, TIC, Department of Printing and Packaging Technology informed that this competition was organised by Offset Printers Association. He congratulated all the teachers of the department for this achievement.

3.8 वाइस चांसलर ऑफ द ईयर चुने गए प्रो. टंकेश्वर कुमार

August 29, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार वाइस चांसलर ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित हुए हैं। उन्हें यह सम्मान राजधानी दिल्ली में यूनिवर्सल मेन्टर्स एसोसिएशन द्वारा ब्रेन वंडर्स के साथ मिलकर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस उपलब्धि का श्रेय सभी सहभागियों व सहयोगियों को देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय की प्रगति का परिचायक है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार नवाचार व प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में जारी प्रयासों को ध्यान में रखकर दिया गया है।

राजधानी दिल्ली में यूनिवर्सल मेन्टर्स एसोसिएशन के संस्थापक श्री संदीप गुलाटी ने बताया कि एसोसिएशन द्वारा आयोजित दूसरी उच्च शिक्षा नवाचार एवं प्रौद्योगिकी समिट 2022 का आयोजन किया गया, जिसमें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक व नवाचार के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान प्रदान कर रहे शिक्षाविदों को उनके विभिन्न प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। इस आयोजन में कुलपतियों की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को देश के 50 कुलपतियों के बीच वाइस चांसलर ऑफ द ईयर 2022 के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

Prof. Tankeshwar Kumar was Honoured with the "Vice Chancellor of the Year" Award

August 29, 2022

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh has been honoured with the "Vice Chancellor of the Year-2022" Award. He has been conferred with this honour at a programme organised by Universal Mentors Association in association with Brainwonders in Delhi. Giving credit for this achievement to all the participants and colleagues, the Vice Chancellor of the University said that it is an indicator of the progress of the University. Sandeep Gulati, Founder, of Universal Mentors Association informed that the 2nd Higher Education Innovation and Technology Summit 2022 was organised by the association, in which the academicians who are making a remarkable contribution through technology and innovation in the field of Higher Education, were awarded for their efforts.

3.9 हकेवि कुलपति यूथ रैड क्रॉस शील्ड से सम्मानित

September 09, 2022

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा की 34वीं वार्षिक महासभा का आयोजन किया गया। हरियाणा राजभवन चण्डीगढ़ में आयोजित

इस महासभा में समाज कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को हरियाणा राज्य अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को विश्वविद्यालय में मानव कल्याणकारी गतिविधियों में सराहनीय कार्य करने के लिए राज्यपाल द्वारा यूथ रैड क्रॉस शील्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति को यह सम्मान विश्वविद्यालय स्तर पर रक्तदान, प्राथमिक चिकित्सा, कोविड महामारी के दौरान किए गए कार्यों, पर्यावरण संरक्षण अभियान, स्वच्छता अभियान, अंगदान अभियान में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने यूथ रैड क्रॉस शील्ड अवॉर्ड को यूथ रेड क्रॉस के स्वयंसेवकों को समर्पित करते हुए कहा कि स्वयं सेवकों की मेहनत, लग्न से ही विश्वविद्यालय सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य सफलता से कर पा रहा है। विश्वविद्यालय के स्वयं सेवकों ने निरंतर प्रयास से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रैड क्रॉस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल को भी लगातार तीसरी बार यूथ रैडक्रॉस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

CUH Vice Chancellor Honoured with Youth Red Cross Shield

September 09, 2022

The 34th Annual General Meeting of the Indian Red Cross Society, Haryana was organised under the chairmanship of the Governor of Haryana, Mr. Bandaru Dattotraya. In this General Meeting organised at Haryana Raj Bhavan, Chandigarh, people who have done remarkable work in the field of social welfare were honoured with Haryana State Award. The Vice Chancellor of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, Prof. Tankeshwar Kumar was awarded the Youth Red Cross Shield Award by the Governor for his commendable work in human welfare activities at the University. This honour has been given to the Vice-Chancellor of the Central University of Haryana for the remarkable efforts made at the University level in blood donation, first aid, work done during the Covid pandemic, environmental protection campaign, cleanliness campaign, and organ donation campaign.

Dedicating the Haryana State Award to the volunteers of the Youth Red Cross, the Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that the University can do the work related to social concerns with success only due to the hard work and dedication of the volunteers. In the same sequence, Dr. Dinesh Chahal, the Coordinator of the Youth Red Cross unit of the University, was also honoured with the Youth Red Cross Award for the third consecutive time.

3.10 हकेवि की छात्रा अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव के लिए आमंत्रित

September 14, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग की छात्रा सिमरन चौहान को यूनाइटेड किंगडम में आयोजित होने वाले आत्मनिर्भर भारत पर अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में पर्यावरण विषय पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। विश्वविद्यालय छात्रा की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि सिमरन को यह मौका पर्यावरण संसद में उनकी भागीदारी व पर्यावरण के प्रति किए गए उनके सराहनीय कार्यों को देखते हुए प्राप्त हुआ है। सिमरन एक होनहार छात्रा है। विश्वविद्यालय में वह शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भाग लेती है।

विश्वविद्यालय के हरित परिसर स्वच्छ परिसर प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह ने भी सिमरन को बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर भारत में आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव का आयोजन आगामी 21 से 23 सितंबर तक लंदन में किया जा रहा है। इससे पहले भी दिल्ली संसद भवन में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण यूथ संसद में भी लीडर आफ अपोजिशन का अवार्ड प्राप्त करके सिमरन ने क्षेत्र व विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। नारनौल निवासी सिमरन चौहान के पिता श्री शिवचरण चौहान ने बताया कि बचपन से ही सिमरन की रूचि सामाजिक कार्यों में रही है। पर्यावरण से उसे बेहद लगाव है। अपने इसी लगाव से चलते वह अब तक हजारों पेड़ वितरण कर चुकी है। सिमरन चौहान ने बताया कि अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अपने माता-पिता को देती हैं, जिनके मार्गदर्शन व प्रेरणा से वह विभिन्न चुनौतियों का सामना कर शिक्षा के साथ सामाजिक कार्यों में भी प्रतिभागिता कर पा रही है।

Simran Chauhan of CUH Invited to International Conclave, London

September 14, 2022

Simran Chauhan, a student of Structural Engineering at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, has been invited to discuss the environment at the International Conclave on Aatmnirbhar Bharat to be held in the United Kingdom. Expressing happiness on this achievement of the University's student, the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said that Simran has got this opportunity because she participated in the Environment Parliament and her commendable work is done towards the environment. Prof. Surender Singh, In-charge, of Green Campus, Clean Campus Cell, also congratulated Simran and wished her a bright future. He said that this international conclave organised in self-reliant India is being organised in London from 21 to 23 September 2022. Even before this, Simran made the region and the University proud by receiving the Leader of Opposing Award in the National Environment Youth Parliament held at Delhi Parliament House. Simran Chauhan said that she gives the credit for this achievement to the teachers and parents.

3.11 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिला आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022

September 22, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022 अपने नाम किया है। विश्वविद्यालय को यह अवार्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए किए गए कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। इंडिया डेडिकेट्स एसोसिएशन (आईडीए) द्वारा बैंगलुरू में आयोजित एक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से यह अवार्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्रहण किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को यह अवार्ड मिलना विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के लिए गर्व की बात है। विश्वविद्यालय को अवार्ड मिलना उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों की बेहतरी के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता का परिचायक है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है।

यहाँ बता दें कि आईडीए अवार्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित अवार्ड है इसलिए आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022 के लिए देश के 25 राज्यों के 1100 से अधिक शिक्षण संस्थानों से 2300 से अधिक नामांकन विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त हुए थे। जिसमें उच्च शिक्षा श्रेणी के तहत हकेवि को यह अवार्ड स्टूडेंड एंड फैकल्टी वेलबिंग अर्थात संस्थान व सहभागियों के हितों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों की शैक्षणिक व भावनात्मक जरूरतों व डिजिटल वेलनेस के लिए प्रदान किया गया है।

Central University of Haryana Bags IDA Award 2022

September 22, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has added one more feather to its cap by winning the prestigious IDA Award 2022. The University bagged this award for exemplary work for the well-being of the students and faculty members in the field of higher education. On behalf of the University, the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar received the award at a programme recently organised by the Indian Dedicates Association (IDA) in Bangalore. After receiving the award, Prof. Tankeshwar Kumar said, "It is a matter of pride for all the stakeholders of the Central University of Haryana on getting this award in the category of students and faculty wellbeing. This achievement is the sign of our commitment and contribution to the work for the betterment of students, research scholars, and faculty members in the field of higher education.

3.12 हकेवि के दो विद्यार्थियों को मिला एम्स में अध्ययन करने का अवसर

September 23, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने शैक्षणिक मोर्चे पर एक बार फिर से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस कड़ी में व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के दो विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश मिला है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यहाँ बता दें कि एम्स, नई दिल्ली एम.एससी. मेडिकल बायोकैमिस्ट्री में 06 विद्यार्थियों और अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर जैव प्रौद्योगिकी में 18 विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान करता है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दोनों विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा पास की। जिसके उपरांत बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत को बायोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर में तथा अनीश कुमार चौहान को मास्टर्स इन मेडिकल बायोकैमिस्ट्री में उच्च शिक्षा करने का अवसर मिला है।

Two Students of CUH Got Admission to AIIMS for PG Programme

September 23, 2022

Once again, students of the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh have shown excellent performance on the academic front. Two students of B. Voc. Biomedical Sciences, Department of Vocational Studies and Skill Development got admission into the post-graduation programme at the prestigious All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), New Delhi. Punit got admission to a master's in Biotechnology and Anish Kumar Chauhan got admission to Master's Medical Biochemistry. The Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar congratulated the students for their achievements.

4 Celebrations

4.1 भारतीय सेना के पराक्रम की परिचायक है कारगिल विजय- प्रो. टंकेश्वर कुमार

July 26, 2022

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खण्ड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्जवलित व पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए गाँवों व आसपास के क्षेत्र में रहने वाले सेना के पूर्व सैनिक भी उपस्थित रहे। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का परिचायक है। इस युद्ध की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कुलपति ने इस लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों के बलिदान को याद किया और उसे सर्वोच्च बलिदान बताया।

विद्या वीरता स्थल पर दीप प्रज्जवलन व पुष्प अर्पित करने के पश्चात शिक्षा पीठ स्थित सभागार में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कैप्टन कृष्ण सिंह शेखावत, कैप्टन रामकिशन तंवर, कैप्टन विक्रम सिंह तंवर, सुबेदार सवाई सिंह, सुबेदार जय पाल सिंह, सुबेदार अवदेश कुमार, हवलदार एमसी शर्मा, हवलदार संजय सिंह, नायब सुबेदार संदीप तंवर, डॉ. भंवर सिंह, कैप्टन हनुमान सिंह, नायब सुबेदार बीर सिंह, नायब सुबेदार जयराम, नायब सुबेदार राजेराम सहित पूर्व सैनिक सम्मिलित हुए। उन्होंने अपने अनुभव शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व ग्रामीणों के साथ साझा किए। इनमें कैप्टन विक्रम सिंह व कैप्टन रामकिशन ने सेना के समक्ष उपस्थित विषम परिस्थितयों पर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय में कार्यरत सेना से सेवानिवृत्त राजेश जांगड़ा ने भी कविता के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कारगिल की विजय पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। कुलपति ने कहा कि इस आयोजन में उपस्थित पूर्व सैनिकों के मन के भावों को सुनकर समूचा माहौल देशभक्ति से भर गया है और हमें सदैव देश की बेहतरी के लिए इन सैनिकों की भांति ही तत्पर रहना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी इस अवसर पर जय जवान जय किसान के साथ-साथ शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि युवा पीढ़ी को इन तीनों से प्रेरणा लेकर जीवन में अग्रसर होना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में आयोजित कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम को बेहद प्रेरणादायक बताया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से अवश्य ही प्रतिभागियों के मन में देश सेवा का भाव प्रबल होता है। कार्यक्रम के दौरान उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अजय पाल शर्मा ने कारगिल की लड़ाई में परमवीर चक्र विजेताओं के योगदान को याद किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता

डॉ. रेनु यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, सारिका शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, सुंदर लाल शर्मा, राधेश्याम सिंह, बसर सिंह सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

CUH Organised a Programme on Kargil Vijay Diwas

July 26, 2022

On the occasion of Kargil Vijay Diwas, the valour and bravery of the Indian Army were saluted at the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. The Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar remembered the sacrifice, martyrdom, and dedication of the brave soldiers of the army by lightening the lamp and offering flowers at the Vidya Veerta Sthal situated in Academic Block 3 of the University. Ex-servicemen also participated in this event. They shared their experiences with the teachers, staff, students, research scholars, and villagers. Among these, Captain Vikram Singh and Captain Ramkishan drew special attention to the odd circumstances before the army. On this occasion, Rajesh Jangra retired from the army and working at the University, also expressed his feelings through poetry. The Registrar, Prof. Sunil Kumar also highlighted the role of teachers along with 'Jai Jawan Jai Kisan' on this occasion and said that the young generation should move ahead in life by taking inspiration from these three. During the programme, Deputy Dean of Student Welfare Dr. Ajay Pal Sharma remembered the contribution of Param Vir Chakra winners in the battle of Kargil. In the programme, the Deputy Dean of Student Welfare Dr. Renu Yadav conducted the stage and the vote of thanks was given by the Dean of Student Welfare Prof. Anand Sharma.

4.2 एक साल बेमिसाल

प्रो. टंकेश्वर कुमार का कुलपति के रूप में एक वर्ष पूर्ण होने पर हकेवि में हवन आयोजित

-विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित

July 29, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को कुलपति के रूप में एक वर्ष पूर्ण होने पर यज्ञ का आयोजन किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 29 जुलाई, 2021 को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों सहित सभी सहभागियों का उनके सहयोग व समर्थन हेतु आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में एक वर्ष पूर्ण होने पर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ द्वारा हवन का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने जिस तरह से प्रगति की राह पकड़ी है, वह उल्लेखनीय है और इसका साक्षात प्रमाण भी विभिन्न क्षेत्रों में अर्जित हो रही उपलब्धियों से मिल रहा है। एनआईआरएफ रैंकिंग 2022 में विश्वविद्यालय श्रेणी में 151-200 के बीच हकेवि को स्थान मिलना इसका एक प्रत्यक्ष उदाहरण है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की शुरूआत की गई। उन्होंने बताया कि केंद्र के माध्यम से नवाचार व नवोन्मेषण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए केंद्र द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों व विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन समय-समय पर किया जा रहा है। कुलपति के रूप में प्रो. टंकेश्वर कुमार के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ें विद्यार्थियों ने भी रंगारंग कार्यक्रम के माध्यम से प्रो. टंकेश्वर कुमार के एक साल के कार्यकाल की उपलब्धियों का स्मरण करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एक साल बेमिसाल शीर्षक से एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। हवन का आयोजन डॉ. मनीष, निशान सिंह व अक्षत कांत ने किया।

Havan on Completion of One Year of Prof. Tankeshwar Kumar as Vice Chancellor

July 29, 2022

On the completion of one year of Prof. Tankeshwar Kumar as the Vice-Chancellor, a havan ceremony was organised at the University. Prof. Tankeshwar Kumar assumed charge as the Vice-Chancellor of the Central University of Haryana on July 29, 2021. Prof. Tankeshwar Kumar expressed his gratitude to all the participants including the faculty members, officers, non-teaching staff, students, research scholars, and all stakeholders of the University for their cooperation and support. University Registrar, Prof. Sunil Kumar said that Under the leadership and guidance of Prof. Tankeshwar Kumar, the university has made remarkable progress, and the proof of this is also being achieved in various fields. The ranking of CUH in the University category in the NIRF Ranking 2022 between 151-200 is quite an example of this. Prof. Sunita Srivastava, Convener, Centre for Innovation and Incubation said that Innovation and Incubation were started in the University under the guidance of Prof. Tankeshwar Kumar. A documentary titled Ek Saal Bemisaal was also screened on the occasion.

4.3 हकेवि में संस्कृत सप्ताह का हुआ शुभारंभ

August 8, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में संस्कृत भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्री जयप्रकाश गौतम मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति ने संस्कृत सप्ताह आयोजित करने के लिए संस्कृत विभाग, स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ व आयोजन समिति की प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा मात्र नहीं है बल्कि संस्कृत भारत की आत्मा है। उन्होंने शिक्षकों से संस्कृत के ज्ञान को प्रसारित करने का आह्वान किया। संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन, विश्वविद्यालय के कुलगीत व सरस्वती वंदना के साथ हुई। कार्यक्रम के स्वागत भाषण एवं अतिथियों का परचिय स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणबीर सिंह ने दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जयप्रकाश गौतम ने संस्कृत व संस्कृति को जीवन में उतारकर श्रेष्ठ मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्कृत में लिखने व बोलने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक बुचौली ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। संस्कृत भारती के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री नरेंद्र जी, संस्कृत भारती के प्रांत साहित्य प्रमुख पुष्पेंद्र जी, ललिता बहन जी, अमित जी, राकेश शर्मा जी आदि गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उद्घाटन सत्र में संस्कृत विभाग की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया जिसमें मनीषा का संस्कृत गीत प्रशंसनीय रहा। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. देवेंद्र ने किया जबकि कार्यक्रम के अंत में संस्कृत विभाग की प्रभारी डॉ. सुमन रानी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Sanskrit Week Started at CUH

August 8, 2022

Sanskrit week was inaugurated on Monday by the Sanskrit Department of the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Shri Jaiprakash Gautam, All India Co-Organization Minister of Sanskrit Bharti was present in the programme as the main speaker. The programme was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. In his presidential address, the Vice-Chancellor praised the Sanskrit Department, Swami Dayanand Saraswati Peeth, and the organising committee for organising the Sanskrit week. Swami Dayanand Saraswati Peeth's Peethacharya Prof. Ranbir Singh gave the welcome speech of the programme. The chief guest of the programme Mr. Jayprakash Gautam inspired the people present to walk on the best path by bringing Sanskrit and culture to life. North Regional Organization Minister of Sanskrit Bharti, Narendra Ji, State Literature Head of Sanskrit Bharti Pushpendra Ji, Lalita ji, Amit Ji, Rakesh Sharma Ji, etc. dignitaries

graced the programme. Dr. Suman Rani, in charge of the Sanskrit Department, gave the vote of thanks.

4.4 हकेवि में विभाजन विभीषिक स्मृति दिवस पर प्रदर्शनी व व्याख्यान का हुआ आयोजन

August 13, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को विभाजन विभीषिक स्मृति दिवस पर एक प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), नई दिल्ली और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली के सहयोग से इस प्रदर्शनी का आयोजन विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आईसीएचआर के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. रघुवेंद्र तंवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित इस प्रदर्शनी की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विभाजन विभीषिक स्मृति दिवस पर आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्देश्य लोगों को विभाजन के समय हुई हिंसा और विस्थापन के बारे में अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में विभाजन के दौरान की स्मृतियों को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। कुलपति ने कहा कि विभाजन की विभीषिका से हम सभी कहीं न कहीं भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विभीषिका को भारतीय इतिहास में न भूले जाने वाली घटना बताते हुए विभाजन विभीषिका-स्मृति दिवस मनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पद्मश्री प्रो. रघुवेंद्र तंवर ने कहा कि विभाजन के समय जो विभीषिका देशवासियों ने सहन की, उसका मार्मिक दृश्य प्रदर्शनी में देखने को मिला। सभी भारतवासी अखंड भारत चाहते थे लेकिन अंग्रेजों द्वारा विभाजन की रेखा खींची गई। फलस्वरूप भारत का विभाजन हो गया। विभाजन के मार्मिक दृश्य की कल्पना मात्र से ही शरीर में सिरहन पैदा हो जाती है। इस अवसर पर प्रो. तंवर ने विभाजन विभीषिका पर लगाई गई प्रदर्शनी के साथ इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा खुदाई में प्राप्त वस्तुओं को भी देखा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. अमर सिंह, डॉ. नरेंद्र परमार, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. ईश्वर परिदा, डॉ. कुलभूषण, डॉ. कर्ण सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रो. रघुवेंद्र तंवर ने विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र का भी दौरा किया। उन्होंने केंद्र में चल रही नवाचार गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। प्रो. रघुवेंद्र तंवर ने नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के मागदर्शन में केंद्र द्वारा किए जा रहे पर्यावरण हितैषी कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने स्कूली बच्चों से भी मुलाकात की।

CUH Organises an Exhibition and Lecture on Vibhajan Vibhishika Smriti Diwas

August 13, 2022

An exhibition and lecture on Vibhajan Vibhishika Smriti Diwas was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Saturday. The exhibition was organised by the Department of History and Archeology of the University in association with the Indian Council of Historical Research (ICHR), New Delhi, and the Indira Gandhi National Center for the Arts (IGNCA), New Delhi. Padmashree Prof. RaghuvendraTanwar, Chairman, ICHR was present as the Chief Guest while the programme was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar.The Vice-Chancellor said that all of us are emotionally attached to the horrors of Partition. This is the reason why Prime Minister Narendra Modi called for Vibhajan Vibhishika Smriti Diwas. Prof. Raghuvendra Tanwar said that a poignant view of the horrors suffered by the countrymen at the time of Partition is being seen in the exhibition. On this occasion, Prof. Tanwar also saw the objects found in the excavation by the

Department of History and Archeology along with the exhibition on Partition Horror. Prof. Raghuvendra Tanwar also visited the Centre for Innovation and Incubation of the University. He appreciated the Eco-friendly work being done by the Center under the guidance of the Convener of the Center for Innovation and Incubation, Prof. Sunita Srivastava.

4.5 हकेवि में मनाया गया राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस

August 22, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय पुस्तकालय आंदोलन के जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन की 130वीं जयंती पर राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालय संग्रह में विदेशी भाषा अनुभाग का उद्घाटन किया। इस अनुभाग में फ्रेंच, जर्मन, डच और स्पेनिश भाषाओं में पुस्तकें शामिल की गई हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय कुलपति ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा अनुशंसित इंजीनियरिंग पाठ्य-पुस्तकों के क्षेत्रीय भाषा अनुभाग का भी शुभारंभ स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसओईटी) पुस्तकालय में किया।

विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान कुलपति द्वारा विद्यार्थियों हेतु आउटसोर्स के माध्यम से शुरू की गई फोटोकॉपी, प्रिंटिंग, बाइंडिंग सेवाओं का उद्घाटन भी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति ने केंद्रीय पुस्तकालय के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. विकास गर्ग, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच., उपपुस्कताकलयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ, सहायक पुस्कतकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह और श्री नरेश कुमार, सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक सहित कई शिक्षण एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित थे।

National Librarian's Day Celebrated at CUH

August 22, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh celebrated National Librarian's Day on the 130th birth anniversary of Dr. S. R. Ranganathan: the father of the Indian library movement by inaugurating special sections of library collection. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor inaugurated Foreign Language Section comprising books in French, German, Dutch, and Spanish languages at Central Library. The collection of engineering textbooks in the regional language section, recommended by the All India Council for Technical Education(AICTE), was also inaugurated at the SoET library by the Vice-Chancellor.

4.6 लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत से मिलेगी सफलता- जितेंद्र कुमार

August 30, 2022

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद के जन्म दिवस पर देशभर में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भी विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अर्जुन अवार्ड विजेता श्री जितेंद्र कुमार खिलाड़ियों के बीच उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की और विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के शिक्षा पीठ के अंतर्गत आने वाले शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बॉक्सिंग के खेल में भारत का नाम ऊँचा करने वाले अर्जुन अवार्ड विजेता जितेंद्र कुमार ने कहा कि भारत में फिट इंडिया अभियान चल रहा है और ऐसे में सभी को किसी न किसी खेल में हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि जीवन में

सफलता के लिए जरूरी है कि लक्ष्य निर्धारित उस लक्ष्य को पाने के लिए कड़ी मेहनत की जाए। आपकी आज की मेहनत और अनुशासन जीवन भर आपकी सफलता के रूप में आपके साथ रहता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय खेल दिवस की सभी को शुभकामनाएं देने के साथ-साथ सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व उनके परिवारजनों सहित इस कार्यक्रम के आयोजक शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों की सराहना की और कहा कि विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के विकास हेतु वह सदैव तत्पर हैं और अवश्य ही इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए जाएंगे।

आयोजन के दौरान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की जबकि धन्यवाद ज्ञापन विभाग के शिक्षक डॉ. जे.पी. भूकर ने दिया। इस कार्यक्रम के संचालन में विभाग के शिक्षक डॉ. संदीप ढुल व डॉ. स्वाति चौधरी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। इस मौके पर विभिन्न विभागों के बीच रस्सा-कस्सी व वालीबॉल, शिक्षकों एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों के बीच रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता तथा कर्मचारियों के बच्चों के लिए भी विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

"Setting Goals and Hard work will Lead to Success" - Jitendra Kumar

August 30, 2022

Various sports competitions were organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh on the occasion of National Sports Day celebrated across the country on the birth anniversary of hockey wizard Major Dhyan Chand. The programme was presided over by the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar and as a special guest, the first woman of the university, Prof. Sunita Srivastava was present. The chief guest, Arjuna Award winner Jitendra Kumar, who brought recognition to India in the sport of boxing, while addressing the participants present in the programme organised by the Department of Physical Education and Sports under the Education Chair of the University, said that the "Fit India" campaign is going on in India and everyone should participate in one or the other game.

4.7 विद्यार्थियों के विकास में शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण- प्रो. टंकेश्वर कुमार

September 06, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक पर्व का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षा पीठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस मौके पर कुलपति सहित विश्वविद्यालय शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा शिक्षक पर्व पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में भी प्रतिभागिता की। मोटिवेटिड एंड एनर्जाइज्ड टीचर्स इन हॉयर एजुकेशन विषय पर आधारित इस ऑनलाइन व्याख्यान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ने विभिन्न फेलोशिप व अनुदान सुविधाओं की घोषणा की।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति ने शिक्षक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन काल में जब किताबें उपलब्ध नहीं थी तब शिक्षक ज्ञान सृजन में विद्यार्थियों के मार्गदर्शक थे। किताबों की उपलब्धता और आज के समय में सूचना तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बावजूद शिक्षकों की महत्ता निरंतर बरकरार है। कुलपति ने शिक्षकों की स्वतंत्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस स्वतंत्रता का लाभ उठाते हुए विद्यार्थियों, समाज, देश व मानव जाति के हित में कार्य करना चाहिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति में शिक्षकों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय निरंतर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

कार्यक्रम में स्कूल ऑफ लाइफ लांग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने विभिन्न विभागों द्वारा जारी श्रेष्ठ प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. रेनु यादव ने बताया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर सभागार में मौजूद शिक्षकों के लिए विभिन्न माइंड मेपिंग गेम्स का भी आयोजन किया गया। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने शिक्षकों की भूमिका का महत्त्व बताते हुए कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के निर्माता है। विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Teacher's Day Celebrated at CUH

September 06, 2022

Teacher's Day was organised on the birthday of former President of India Sarvepalli

Radhakrishnan, at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor was present as the chief guest while Prof. Sunita Srivastava attended as the guest of honour. On this occasion, the University teachers, students, and research scholars, also participated in the online lecture organised by the University Grants Commission (UGC) on the Shikshak Parv. In this online lecture on "Motivated and Energised Teachers in Higher Education", the Chairman of the University Grants Commission Prof. M. Jagadesh Kumar announced various fellowship and grant facilities. While explaining the importance of the role of teachers, the Dean of the School of Education, Prof. Sarika Sharma said that the teacher is the builder of the nation.

4.8 "भारत की आत्म-चेतना की खुराक है हिंदी" - प्रोफेसर मीरा गौतम

September 15, 2022

प्रत्येक भारतीय के आत्म-चेतना की खुराक हिंदी है। देश का प्रत्येक नागरिक हिंदी से प्यार करता है यही कारण है कि वैश्वीकरण के दौर में हिंदी के एक वैश्विक भाषा भी बन रही है। यह विचार कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र के हिंदी विभाग की पूर्व अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रोफेसर मीरा गौतम ने हिंदी दिवस के अवसर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से आयोजित वेबीनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित वेबीनार को संबोधित करते हुए प्रोफेसर मीरा गौतम ने कहा कि नई तकनीक के कारण दुनिया में हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ रहा हैं। तकनीकी विस्तार का फायदा हिंदी को भी मिला है। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों पर हिंदी का विस्तार अन्य माध्यमों से काफी अधिक है। प्रोफेसर गौतम ने कहा कि दुनिया भर में हिंदी साहित्य के पाठकों की संख्या बढ़ रही है। प्रवासी भारतीय हिंदी में साहित्य लिख रहे हैं जिसे दुनिया पढ़ रही है। इससे हिंदी का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार हो रहा है। उन्होंने कहा कि संचार माध्यमों ने हिंदी को एक नई दिशा व गति दी है। इसका आने वाले समय में देश को फायदा होगा। देश के प्रधानमंत्री आज वैश्विक मंचों पर हिंदी का प्रयोग कर रहे हैं इससे दुनिया भर में हिंदी को गौरव बढ़ रहा है। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों से अपनी भाषा को सशक्त करने की अपील की।

हिंदी दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर आनंद शर्मा ने कहा कि हिंदी भारतीयों का एक सूत्र में पिरोने वाला माध्यम है। प्रत्येक भारतीय को अपनी भाषा पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में 25 से अधिक राज्य के विद्यार्थियों के बीच हिंदी एक लिंक भाषा के रूप में विकसित हो रही है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह की प्रस्तुतियां विद्यार्थियों ने दी है वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय विद्यार्थियों के हित के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भाषा बोध के बिना भारत बोध संभव नहीं है। भारत को जानने समझने के लिए हिंदी का ज्ञान होना जरूरी है। वैश्वीकरण के दौर में वैश्विक विषय सामग्री हिंदी में तैयार करने के लिए कुशल मीडिया कर्मियों की आवश्यकता है। इसके लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों को स्वयं को तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस पर सात राज्यों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर हिंदी के मान-सम्मान को बढ़ाया है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी है। इस अवसर पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में हेमंत व ज्योति, नारा लेखन में मौसम, मोहित एवं विवेकानंद, कविता पाठ में नमिता और अनुष्का, ओपन माइक में फेमिना, संगीता एवं दर्शना ने बाजी मारी। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. सुरेंद्र व डॉ. नीरज ने सभी का धन्यवाद किया। डॉ. भारती बत्रा व गौरव जोशी ने सभी का स्वागत किया। विभाग के शिक्षकों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज, आलेख सच्चिदानंद व सभी विद्यार्थी मौजूद थे।

"Hindi is the Food of India's Self-Consciousness" - Professor Meera Gautam

September 15, 2022

Hindi is the food of every Indian's self-consciousness. Every citizen of the country loves Hindi, that is why in the era of globalisation, Hindi is also becoming a global language. These views were expressed by Professor Meera Gautam, former chairperson and dean of the Hindi Department of Kurukshetra University, while addressing a webinar organised by the Department of Journalism and Mass Communication on the occasion of Hindi Day. She said that the

media has given a new direction and speed to Hindi. This will benefit the country in the coming times. The Prime Minister of the country is using Hindi on global forums today, due to which the pride in Hindi is increasing all over the world. Addressing the winning participants in the competitions organised on Hindi Day, Professor Anand Sharma, Dean of Student Welfare, said that Hindi is the medium that binds Indians together. Appreciating the presentations of all the participants, he said that the kind of presentations given by the students is commendable. Welcoming all the guests, the Head of the Department of Journalism and Mass Communication, Dr. Ashok Kumar said that understanding India is not possible without an understanding of the language. He said that on Hindi Diwas, the students of seven states have increased the honour and respect of Hindi by giving excellent presentations. On this occasion, the teachers of the department Dr. Surendra and Dr. Neeraj thanked everyone. The teachers of the department acted as judges in various competitions.

4.9 हकेवि में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस

September 23, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर उच्च शिक्षा संस्थान में श्रवण बाधित शिक्षार्थियों को शामिल करने की जिम्मेदारियां एवं चुनौतियां विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि तथा आल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग के सहआचार्य डॉ. आलोक कुमार उपाध्याय विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. गौरव सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत करते हुए वेबिनार की रुप रेखा प्रस्तुत की। वेबिनार में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समावेशी शिक्षा के क्रियान्वयन एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का उल्लेख किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के माध्यम से आजादी के बाद विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्यों का स्मरण किया गया। साथ ही आजादी के महत्व और आजाद भारत में विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास और भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रुप में उपस्थित डॉ. अलोक कुमार उपाध्याय समावेश का अर्थ एवं महत्व बताते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए दिव्यांगजनों के शिक्षा में समावेश एवं बदलाव की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों को लेकर समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए उनके समाधान पर प्रकाश डाला। उन्होंने दिव्यांगों के समावेश के साथ ही शिक्षा में प्रौद्योगिकी का भी समावेश करने पर प्रकाश डाला। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने इस आयोजन के विषय में बताया और इसके माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षण संस्थाओ कि भूमिका पर प्रकाश डालते हुए भारतीय समाज कि मानसिकताओं एवं दृष्टिकोण को परिवर्तित करने पर जोर दिया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थियों सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी भी शामिल हुए। सहायक आचार्य डॉ. मंजु ने मंच संचालन का कार्य किया एवं डॉ. सरन प्रसाद ने मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में सहायक आचार्य डॉ. रुबुल कलिता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

International Sign Language Day

September 23, 2022

On the occasion of International Day of Sign Languages, a webinar on the responsibilities and challenges of including hearing-impaired students in higher education institutions was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh under Azadi Ka Amrit Mahotsav. In the webinar, the Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar was the chief guest and Dr. Alok Kumar Upadhyay, associate professor of All India Institute of Speech and Hearing, was present as an expert speaker. The programme coordinator while welcoming the chief guest and expert speaker, Prof. Gaurav Singh presented the outline of the webinar. The chief guest in the webinar, Prof. Tankeshwar Kumar, highlighting the importance and implementation of inclusive

education, mentioned the facilities available at the Central University of Haryana. The expert speaker, Dr. Alok Kumar Upadhyay discussed the various schemes being run by the government and explained the meaning and importance of inclusion. He highlighted the inclusion of technology in education along with the inclusion of Divyang. Nodal Officer of Azadi Ka Amrit Mahotsav Abhiyan Prof. Sarika Sharma highlighted the role of higher educational institutions at the national level in changing the mindset and outlook of Indian society. At the end of the programme, Assistant Professor Dr. Rubul Kalita presented the vote of thanks.

4.10 हकेवि में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर वेबिनार आयोजित

September 26, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वेबिनार का उद्घाटन किया और फार्मासिस्टों के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम के संचालन के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। वेबिनार में अंतर्राष्ट्रीय वक्ता कोलंबिया से सुश्री डेनिएला डाजा पाज तथा मलेशिया से प्रो. पलानीसामी शिवानंदी उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को बाहरी विशेषज्ञों से संवाद का अवसर मिल सके। वेबिनार की विशेषज्ञ वक्ता सुश्री डेनिएला डाजा पाज ने कोलंबिया में फार्मासिस्टों की भूमिका और जिम्मेदारी के साथ-साथ फार्मेसी स्नातकों के लिए कैरियर के अवसरों पर जोर दिया। दूसरी ओरप्रो. पलानीसामी ने पॉलीफार्मेसी और जेरियाट्रिक पेशेंट्स फॉल्स के साथ इसके जुड़ाव पर बातचीत की।

कार्यक्रम के प्रमुख एवं संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने फार्मासिस्ट की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वेबिनार में अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विश्वविद्यालय, मलेशियाः बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसराय भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालयः मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार सहित भारत और विदेशों के 150 से अधिक शोधार्थी और संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर फार्मासिस्ट की भूमिका और जिम्मेदारियों को जाना। डॉ मनीषा पांडे और डॉ अशोक जांगड़ा आयोजन के आयोजक व एम्सी थे। इसके अतिरिक्त डॉ सुमित कुमार और डॉ तरुण कुमार ने टीम के सदस्यों के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रो. प्रगति गुप्ता, प्रो. सुमित्रा सिंह, प्रो. पार्ले आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

International Webinar on the Occasion of "World Pharmacists Day"

September 26, 2022

An international webinar on the occasion of "World Pharmacists Day" was organised on 25th September 2022 by the Department of Pharmaceutical Sciences and School of Interdisciplinary and Applied Sciences at Central University of Haryana, Mahendragarh. Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar inaugurated the webinar and emphasised the importance of Pharmacists. He appreciated the initiative taken by the Department of Pharmaceutical Sciences to conduct such a programme. The international speaker of this event was Ms. Daniela Daza Paz (Colombia) and Prof. Palanisami Sivanandy (Malaysia). Ms. Daniela Daza Paz emphasised on the role and responsibility of pharmacists in Colombia as well as career opportunities for pharmacy graduates. On the other hand, Dr. Palanisami conversed on polypharmacy and its association with geriatric patients' falls. Prof. Neelam Sangwan, Chairperson, Dean SIAS, and Dean Research, delivered the welcome address and briefed the audience about the webinar programme. Dr. Dinesh Kumar, Head, and Convener of the event discussed the role of a pharmacist. Dr. Manisha Pandey and Dr. Ashok Jangra were the organisers and emcees of the event.

4.11 हकेवि में विश्व पर्यटन दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

September 27, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान, आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रो. स्टानिस्लाव इवानोव सहित डॉ. मनोज माता, श्री हमेश शर्मा व श्री प्रवीन खिमटा ने भी विद्यार्थियों व प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जो व्यक्ति पर्यटन नहीं करता, वह अपने जीवन को आधा ही जी पाता है। पर्यटन किसी भी व्यक्ति को जानने समझने के विभिन्न अवसर उपलब्ध कराता है और अवश्य ही विभाग में विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता वर्ना यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट, बुल्गारिया में प्रोफेसर और वाइस रेक्टर, रिसर्च, प्रो. स्टानिस्लाव इवानोव ने अपने संबोधन में विश्व पर्यटन दिवस के लिए यूएनडब्ल्यूटीओ विषयों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद, सभी हितधारकों को कुशल रणनीति विकसित करनी चाहिए ताकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग को पुनर्जीवित किया जा सके। इसी क्रम में समूह चर्चा के दौरान विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद किया। इस चर्चा में कार्यकारी सदस्य आईएटीओ और ओरिएंटल वेकेशन एंड जर्नी, नई दिल्ली के संस्थापक डॉ. मनोज माता, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, ट्रैवल ट्रेंगल, नई दिल्ली के श्री हमेश शर्मा व माइस प्रो ट्रैवल सॉल्यूशंस, नई दिल्ली के श्री प्रवीन खिमटा ने विद्यार्थियों के सवालों को जवाब देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। इसी क्रम में विभाग द्वारा विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में एक्सप्लोर योर ओन बैकयार्ड, हेरिटेज वॉक सरीखी गतिविधियों का भी आयोजन किया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पर्यटन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों की सराहना की। डॉ. अनिल कुमार ने कार्यक्रम में द्वारा स्वागत भाषण दिया तथा श्री विकास सिवाच ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Expert Lecture on World Tourism Day

September 27, 2022

On the occasion of World Tourism Day, the Department of Tourism and Hotel Management, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh organised an expert lecture and activities for students viz. 'Explore Your Own Backyard' in which students explored the rich heritage, culture, and tourist attractions nearby their homes. On this occasion Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor said that the person who does not travel lives only half of his life. Expert of the programme Prof. Stanislav Ivanov who is currently a Professor and Vice Rector (Research) at Varna University of Management, Bulgaria focused on the UNWTO themes for World Tourism Day which is 'Rethinking Tourism'. After that, there was a panel discussion in which experts from the industry shared valuable knowledge with the students. On this occasion Dr. Manoj Mata, Executive Member of IATO and Founder of Oriental Vacations & Journey, New Delhi, Mr. Humesh Sharma, Associate Vice President of Travel Triangle, New Delhi, and Mr. Praveen Khimta, CEO- of Mice Pro Travel Solutions, New Delhi were the industry experts. They all shared their experiences with the students and also answered their queries. Dr. Ranbir Singh, Head of the Department of Tourism and Hotel Management, welcomed all the dignitaries as well as students. A welcome note was delivered by Dr. Anil Kumar and a Vote of Thanks was delivered by Mr. Vikash Siwach.

5. Ek Bharat Shreshtha Bharat

5.1 Hindi Pakhwada

विज्ञान के प्रचार-प्रसार में हिंदी की भूमिका महत्त्वपूर्ण - डॉ. राहुल सिंघल

September 19, 2022

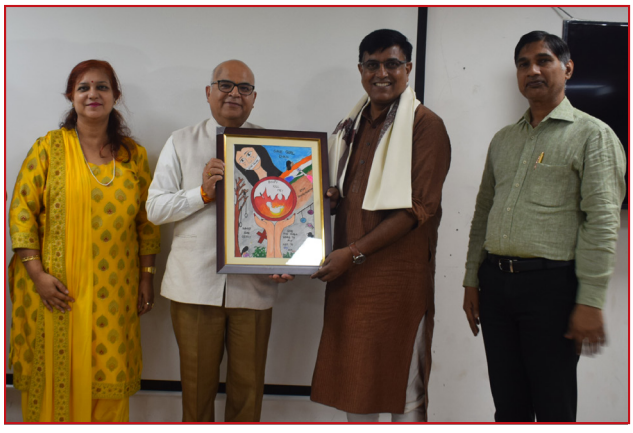

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़े के तहत सोमवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान में हिंदी की संभावनाएं विषय पर आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में शिवाली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के सह आचार्य डॉ. राहुल सिंघल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर प्रयास कर रहा है। इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा का विकास करना हमारा कर्तव्य है।

विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और बताया कि हिंदी पखवाड़े के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 20 सितंबर को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुलपति महोदय के दिशा-निर्देशन में हिंदी के क्रियान्वयन के मोर्चे पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. राहुल सिंघल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय पुरातन विज्ञान आरंभ से ही समृद्ध और सम्पन्न रही है। भाषा के स्तर पर हिंदी इसके प्रचार-प्रसार में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर व विश्वगुरु बनाने के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थी, शोधार्थी अध्ययन-अध्यापन का कार्य अपनी भाषा हिंदी में करें। चीन, जापान आदि अनेक देशों के उदाहरण हमारे समक्ष मौजूद है जिन्होंने स्वभाषा के बल पर विश्व में अपनी पहचान स्थापित की है। डॉ. सिंघल ने कहा कि नई शिक्षा नीति भी इस दिशा में अग्रसर है और अवश्य ही इसके माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार व भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास में युवाओं और शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपनी भाषा से प्रेम करने और उसका प्रचार-प्रसार करने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में हिंदी में कार्यालयीन कार्य करने की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, अधिकारी, शिक्षकगण, शिक्षणेतर कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

The Role of Hindi is Important in the Promotion of Science - Dr. Rahul Singhal

September 19, 2022

Central University of Haryana, Mahendragarh organised an expert lecture as part of Hindi fortnight. Dr. Rahul Singhal, Associate Professor, Shivali College, University of Delhi, Delhi, gave the expert lecture organised on the subject of possibilities of Hindi in science. The Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said in his message that the University is making continuous efforts in the direction of the promotion of the official language Hindi. Organised by the Official Language Section of the University and the Hindi Pakhwada Organizing Committee, this expert lecture started with the anthem of the University. A Hindi essay writing competition was organised for the students of the government schools of the villages adopted by the university and for the students and research scholars studying at the university. In the programme, Dr. Rahul Singhal said that science has been prosperous in India since the ancient times and at linguistic level, Hindi can play a decisive role

in its promotion. Dr. Singhal said that the new education policy is also moving in this direction and it will pave the way for the promotion of Hindi and the development of India. Heads of departments, in-charges, officers, teachers, non-teaching staff, and students of various departments were present on this occasion.

5.2 "भारत को एक सूत्र में पिरोती है हिंदी" प्रो. टंकेश्वर कुमार

September 29, 2022

भारत विविधताओं का देश है। बावजूद इसके हिंदी भाषा देश के सभी लोगों को एक सूत्र में पिरोती है। हिंदी भारत की राजभाषा है। हिंदी की स्वीकार्यता देश के साथ-साथ विदेशों में भी तेजी से बढ़ रही है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में संगोष्ठी एवं हिंदी पखवाड़ा के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने हिंदी पखवाड़ा के सफल आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग को बधाई दी। इस अवसर पर हिंदी पत्रकारिता का विस्तार एवं रोजगार की संभावनाएं विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में आकाशवाणी, नई दिल्ली के पूर्व सहायक निदेशक कार्यक्रम में श्री जैनेंद्र सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में 14 सितम्बर शुरू हुए हिंदी पखवाड़े के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में कुलपति ने कहा कि हिंदी हमारी मातृ भाषा है और इसका प्रचार-प्रसार हमारा कर्तव्य है। कुलपति ने कहा कि जहां तक बात पत्रकारिता की है तो हिंदी का योगदान इस क्षेत्र में भी उल्लेखनीय रूप से देखने को मिलता है। विशेषज्ञ वक्ता जैनेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में विशेष रूप से आवाज के आकर्षण को उल्लिखित किया है। अवश्य ही उनके संबोधन से प्रतिभागी लाभांवित होंगे। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता जैनेंद्र सिंह ने कहा कि मूल्य आधारित शिक्षा ज्ञान है। भाषा और संस्कृति ही किसी देश की असली पहचान होती है। भाषा सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि भारत को आजाद करवाने में हिंदी भाषा जनजागरण की भाषा बनी और आज रोजगार की दृष्टि से देखें तो हिंदी का क्षेत्र विस्तृत है। हिंदी पत्रकारिता में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हजारों युवा न सिर्फ स्वरोजगार अपना रहे हैं बल्कि दूसरों को नौकरी उपलब्ध करवा रहे हैं। जैनेंद्र सिंह ने सामुदायिक रेडियों के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला। वक्तव्य के बाद उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने हिंदी के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय में लगातार हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए जारी प्रयासों की सराहना की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सारिका शर्मा ने हिंदी पखवाड़े की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने हिंदी के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि हिंदी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। यह प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ हमारी राजभाषा भी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया, टी.वी., सिनेमा के क्षेत्र में हिंदी का अपना अलग ही स्थान है। आयोजन में हिंदी पखवाड़े से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों हेतु आयोजित हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में शैलेष मलिंडा को प्रथम, सचिन यादव को द्वितीय व शिवशंकर प्रसाद को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँवों के राजकीय विद्यालयों के लिए आयोजित हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट की शिवानी ने प्रथम तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय धोली की छात्रा श्रुति व शिवानी ने क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिता व हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता में पवन कुमार, चेतन कुमार व तारा चंद शर्मा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शिक्षणेतर कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच का संचालन डॉ. नीरज करन ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. रेनु यादव, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

"Hindi Binds India in One Thread"- Prof. Tankeshwar Kumar

September 29, 2022

India is a country of diversity. Despite this, the Hindi language binds all the people of the country in one thread. Hindi is the official language of India. The acceptance of Hindi is increasing rapidly in the country as well as abroad. This idea was expressed by the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar while addressing the closing session of the seminar and Hindi fortnight at the university as the chief guest. On this occasion, a seminar was

organised on the subject of the expansion of Hindi journalism and the possibilities of employment. Shri Jainendra Singh, former Assistant Director of programmes of All India Radio, New Delhi was present as the keynote speaker in the seminar. At the closing and prize distribution ceremony of the program, Shri Jainendra Singh said that value-based education is knowledge. Language and culture are the real identities of a country. There are immense possibilities for employment available in Hindi journalism. Today thousands of youth are not only adopting self-employment through the digital platform but also providing jobs to others. The coordinator of the Hindi Pakhwada Organizing Committee, Prof. Sarika Sharma presented the report on Hindi fortnight. She apprised the participants of the importance of Hindi. Head of the Department of Journalism and Mass Communication, Dr. Ashok Kumar said that apart from being an ancient, rich, and simple language, Hindi is also our official language. The winners of various competitions related to Hindi Pakhwada were felicitated at the event. The stage was conducted by Dr. Neeraj Karan and the vote of thanks was given by Dr. Surendra Kumar.

5.3 हकेवि में मनाया स्वच्छता पखवाड़ा

September 15, 2022

देश भर में 1 से 15 सितंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों ने जागरूकता रैली निकाली और विश्वविद्यालय परिसर साफ-सफाई की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर सभी को सफाई के महत्त्व से अवगत करवाते हुए स्वयं साफ-सफाई रखने तथा दूसरों को भी सफाई के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने स्वयंसेवकों को साफ सफाई का संदेश देते हुए कहा कि सफाई के प्रति लोगों में जागरूकता होना बहुत जरूरी है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रो. दिनेश चहल सहित स्वयंसेवक हितेश, शिवम, अनिकेत, पराक्रम, शुभम, सकलीन, काजल, ममता, रमई, दीपा, अंकिता और साहिल उपस्थित रहे।

Cleanliness Fortnight Celebrated at CUH

September 15, 2022

Swachhta Pakhwada was celebrated across the country from 1-15 September. In this series, the volunteers of the National Service Scheme (NSS) Unit of the Central University of Haryana (CUH) took out an awareness rally and cleaned the university campus. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar made everyone aware of the importance of cleanliness and called upon them to keep cleanliness and inspire others to do the same. The coordinator of the NSS unit of the university Prof. Dinesh Chahal, while giving the message of cleanliness to the volunteers, said that it is very important to create awareness among the people about cleanliness.

6. Initiatives and Innovations

6.1 हकेवि में पौधारोपण अभियान की हुई शुरूआत

July 06, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को पौधारोपण अभियान की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास परिसर में पौधारोपण कर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अभियान का आरंभ किया। इस मौके पर कुलपति ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों शोधार्थियों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कुलपति ने कहा कि यह अभियान विश्वविद्यालय को हरित परिसर बनाने में मददगार साबित होगा।

इस अवसर पर वन विभाग के रेंज ऑफिसर श्री चंद्रगुप्त ने बताया कि बीते साल विश्वविद्यालय परिसर में चलाए गए पौधारोपण अभियान के अंतर्गत दो हजार पौधे लगाए गए थे जो कि इस बार ढ़ाई हजार निर्धारित किए गए है। विश्वविद्यालय के ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पौधारोपण अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में स्थानीय वातावरण के अनुकूल पाहड़ी पापड़ी, पिलखान, शीशम, नीम आदि के पौधे लगाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार सहित प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. मोना शर्मा, राजेश जांगड़ा व विद्यार्थी तथा वन विभाग के सहयोगी धर्मेंद्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

Plantation Drive Launched at CUH

July 06, 2022

The plantation drive at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh was launched by Vice-Chancellor, Professor Tankeshwer Kumar by planting a tree at the new girls hostel premises. He appealed to the students to plant more trees to make the campus green. Shri Chandergupt, Range Officer, Forest Department said that the forest department planted 2000 trees last year on campus and will plant 2500 trees in the current monsoon season. Prof. Surender Singh, Coordinator of the Green Campus Clean Campus Club said that the species suitable for a local climate like Pahari Papari, Pilkhan, Sheesham, Neem, Bakain, etc. will be planted to increase greenery on the campus.

6.2 हकेवि में 73वाँ जिला स्तरीय वन महोत्सव आयोजित

July 19, 2022

हरियाणा सरकार, वन विभाग की ओर से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में 73वाँ जिला स्तरीय वन महोत्सव आयोजित किया गया। वन मण्डल, महेंद्रगढ़, हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकुला, हकेवि क्लीन कैम्पस ग्रीन कैम्पस कलब, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस महोत्सव में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने त्रिवेणी नीम, बरगद व पीपल के पौधे लगाए। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को संबोधित करते हुए प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के क्लीन कैम्पस ग्रीन कैम्पस कलब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह महोत्सव विश्वविद्यालय में हरियाणा सरकार के वन विभाग द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से जिला वन अधिकारी श्री रोहताश सिंह उपस्थित रहे। इस मौके पर हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकुला के सदस्य देशराज शर्मा, मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल सेल्फी विद माय तलैया टीम के सदस्य वन राजिक अधिकारी चंद्रगुप्त, राजेश शर्मा झाड़ली, प्रवक्ता सुरेंद्र गाहड़ा, प्रवक्ता दिनेश शर्मा, अशोक कुमार वन दरोगा धर्मेंद्र कुमार वनरक्षक ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. संतोष सी.एच., प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. हरीश कुमार, डॉ. वी. एन. यादव, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. केशव रावत सहित शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भी पौधारोपण किया।

73rd District Level Van Mahotsav Organised at CUH

July 19, 2022

The 73rd District Level Van Mahotsav was organised by the Forest Department, Government of Haryana at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. It was organised by the joint efforts of the Forest Board, Mahendragarh, Haryana State Biodiversity Board, Panchkula, CUH Clean Campus Green Campus Club, and the National Service Scheme. The Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar planted Triveni Neem, Banyan, and Peepal saplings at this festival. Prof. Surendra Singh, Coordinator, Clean Campus Green Campus Club, CUH informed that this festival was organised by the Forest Department of Haryana Government at the University in which mainly District Forest Officer Mr. Rohtash Singh was present. On this occasion, Deshraj Sharma, member of Haryana State Biodiversity Board Panchkula; Mission Mahendergarh 'Apna Jal Selfie with My Talaiya' team members, State Forest Officer Chandragupta, Rajesh Sharma Jharli, Spokesperson Surendra Gahda, Spokesperson Dinesh Sharma, Forest Inspector Ashok Kumar, Forest Guard Dharmendra Kumar also gave the message of environmental protection by planting saplings.

6.3 हकेवि में लगाई गई बूस्टर डोज

August 01, 2022

कोरोना से बचाव के लिए देशभर में जारी वैक्सिनेशन अभियान के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पाली के सहयोग से सोमवार को कोरोना की बूस्टर डोज लगाई गई। विश्वविद्यालय के विभिन्न अधिकारियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने यह वैक्सीन लगवाई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वैक्सीन कोरोना से बचाव का कारगार उपाय है। साथ ही उन्होंने इस अवसर पर सभी सहभागियों से कोरोना से बचाव के लिए लागू नियमों का पालन करने का भी आह्वान किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए बेहद जरूरी है कि सरकार की ओर से लगवाई जा रही वैक्सीन सभी अपनी योग्यता के अनुसार लगवाएं। विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित इस वैक्सिनेशन अभियान के अंतर्गत 125 से अधिक अधिकारियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने बूस्टर डोज लगवाई। उन्होंने इस अभियान में विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों के अलावा प्राथमिक चिकित्सा केंद्र पाली के बजरंग, राजकमल, बिंदु कुमारी, बजरंग से मिले सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

Booster Dose Camp at CUH

August 01, 2022

A booster dose of the corona vaccine was given in collaboration with the Primary Health Centre, Pali at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, as part of the nationwide vaccination campaign to protect against Covid-19. Various officers, faculty members, non-teaching staff, students, and research scholars of the University got this vaccine. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor said that the vaccine is an effective way to prevent corona. Dr. Rajat Yadav, Medical Officer of the University informed that under this vaccination campaign organised at the Health Center of the University, more than 125 officers, faculty members, non-teaching staff, students, and research scholars were administered booster doses.

6.4 अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के अवसर पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित

August 02, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. पारस शर्मा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज दिवस घोषित किया है। इससे मोटे अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहन देने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से खाद्य सुरक्षा व पोषण के लिए पोषक अनाज के योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. पारस शर्मा ने बाजराः पोषक तत्वों की संरचना, प्रसंस्करण और चुनौतियों पर केंद्रित उद्बोधन दिया। उन्होंने मानव स्वास्थ्य में बाजरा के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा सुश्री ईशा ने अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के बारे में परिचय देते हुए पोषण में मोटे अनाज के महत्त्व से अवगत कराया। वक्ताओं का परिचय विभाग की छात्रा तोशी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में विभाग की छात्रा सुश्री महिमा शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

International Year of Millets 2023 at CUH

August 02, 2022

The Department of Nutrition Biology at the Central University of Haryana organised the first event of the International Year of Millets-2023 celebration under the guidance and mentorship of Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar on 29 July 2022. In the series of events an invited talk of Dr. Paras Sharma, Scientist, ICMR-National Institute of Nutrition, Hyderabad was conducted. Ms. Isha, a student of the Dept. of Nutrition Biology gave an introduction about the celebration of the International Year of Millet. Ms. Toshi, another student of the department, introduced the speaker to the gathering. During the talk, Dr. Sharma emphasised the importance of millet in human health. His talk was focused on "Millet: Nutrient Composition, Processing, and Its Challenges". The talk was followed by a question and answer session.

6.5 हकेवि में स्थापित होगी एनसीसी विंग

August 18, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की विंग स्थापित होने जा रही है। इस संबंध में एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर, नारनौल की ओर से सहमति पत्र प्राप्त हो चुका है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय में एनसीसी विंग की स्थापना विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। अभी तक विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रेडक्रॉस की यूनिट काम कर रही थीं, जिसके बाद अब एनसीसी विंग भी उपलब्ध रहेगी।

विश्वविद्यालय के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में 16 हरियाणा बीएन एनसीसी, नारनौल के कमांडिंग ऑफिसर की ओर से अनुमति पत्र प्रदान कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को एनसीसी आर्मी विंग के तहत पूर्णतः स्ववित्त पोषित योजना के अंतर्गत 80 सीटें प्राप्त हुई हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा इस विंग की शुरूआत के लिए प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। जिसके लिए विद्यार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया इसी सत्र से प्रारंभ की जा रही है। डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि पंजीकरण प्रक्रिया के पश्चात अपनी विभिन्न गतिविधियों का संचालन आरंभ करेगी।

NCC Wing to be Established at CUH

August 18, 2022

The National Cadet Corps (NCC) wing is going to be established at the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. In this regard, a letter has been received from the Commanding Officer, NCC, Narnaul. On this occasion, the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that the establishment of the NCC wing in the University would prove useful for the students.

Dr. Ramesh Kumar, Associate NCC Officer informed that a permission letter has been granted in this regard by the Commanding Officer of 16 Haryana BN NCC, Narnaul. He stated that the University has got 80 seats under the fully self-funded scheme of the NCC Army Wing for which the process of registration of students has started from this session itself.

6.6 भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए जैविक खाद वरदान - प्रो. टंकेश्वर कुमार

September 07, 2022

वर्तमान में रासायनिक खादों व कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से न केवल मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति भी लगातार कमजोर होती जा रही है। साथ ही फसलों की पौष्टिकता पर भी इनका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। रासायनिक खादों के लगातार प्रयोग से एक ओर जहां भूमि बंजर होती जा रही है। दूसरी तरफ विभिन्न प्रकार के त्वचा संबंधी रोग, कैंसर तथा अन्य असाध्य रोगों के जाल में मनुष्य फंसता जा रहा है। इससे बचाव के लिए हमें प्राकृतिक रूप से तैयार खाद के प्रयोग पर बल देना चाहिए। प्राकृतिक रूप से तैयार जैविक खाद मनुष्य के स्वास्थ के साथ-साथ भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में भी मददगार साबित होगी। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा स्थापित वर्मीकंपोस्ट यूनिट के निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए।

कुलपति ने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में स्थापित यह यूनिट न केवल विश्वविद्यालय के पेड़-पौधों के लिए उपयोगी साबित होगी अपितु क्षेत्र के किसानों को भी केचुएं द्वारा तैयार जैविक खाद तैयार करने की विधि एवं उसके महत्त्व से अवगत कराया जाएगा। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीताश्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में विश्वविद्यालय में बागवानी का कार्य देख रखे कर्मचारियों को जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र का यह प्रयास रोगमुक्त जीवन तथा उपजाऊ भूमि के लिए उपयोगी साबित होंगे। इस अवसर पर नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सदस्य एवं स्कूल ऑफ लांगलाइफ लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, सुनील कुमार, सहायक अभियंता मुकेश कुमार, अंकुश, संदीप आदि उपस्थित रहे।

"Organic Manure a Boon in Increasing the Fertility of the Land" - Prof. Tankeshwar Kumar

September 07, 2022

At present, the indiscriminate use of chemical fertilisers and pesticides is not only affecting the health of human beings but is also affecting the fertility of the land. In addition, they are affecting the nutritional value of the crops. Naturally prepared organic manure will prove helpful in increasing the health of man as well as in increasing the fertility of the land. This view was shared by the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar during the visit of the Vermi Compost Unit set up by the Centre for Innovation and Incubation in the University campus. Prof. Sunita Srivastava, Convener, Centre for Innovation and Incubation said that the employees looking after the work of horticulture in the University have been given the training to make organic manure. On this occasion, the Registrar of the University Prof. Sunil Kumar said that this effort of the Centre for Innovation and Incubation will prove useful for disease-free life and fertile land.

6.7 जिला महेंद्रगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे हकेवि के विद्यार्थी

September 15, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के विद्यार्थी भारतीय साहसिक संस्थान द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ रेड क्रॉस प्रशिक्षण और साहसिक कैंप में महेंद्रगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन की गतिविधियां आजीवन उनका मनोबल बढ़ाएंगी व सकारात्मकता, टीम भावना, साहस, धैर्य आदि गुणों का विकास भी करेंगी।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि इन शिविरों का आयोजन 15 से 21 सितंबर, 2022 तक इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा शाखा चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित होने वाले शिविरों में विश्वविद्यालय के बी.टेक- विद्युत अभियांत्रिकी का छात्र शिवम कुमार, साई गणेश, हितेश शर्मा व बी.वॉक- रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट वासुदेव जिला महेंद्रगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से चार विद्यार्थियों का

चयन उनकी कर्तव्यनिष्ठा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इन शिविरों में प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवा रॉक क्लाइंबिंग, रैपलिंग, जूमारिंग, ट्रैकिंग, राइफल शूटिंग, रिवर क्रासिंग आदि गतिविधियों में हिस्सा लेंगे।

Students of CUH Will Represent the District Mahendragarh

September 15, 2022

Students of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh will represent the Mahendragarh district in the State Level Youth Red Cross Training and Adventure Camp organised by the Indian Institute of Adventure. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said that the activities of student life will boost their morale throughout life and also develop qualities like positivity, team spirit, courage, patience, etc. The programme coordinator Dr. Dinesh Chahal said that these camps will be organised by the Indian Red Cross Society Haryana Branch Chandigarh from September 15 to 21, 2022. He said that four students have been selected from the university keeping in mind their devotion to duty. They are B.Tech Electrical Engineering students Shivam Kumar, Sai Ganesh, Hitesh Sharma, and B.Voc. Retail and Logistics Management student, Vasudev. They will represent district Mahendragarh.

6.8 सात दिवसीय साहसिक शिविर में हकेवि के विद्यार्थी हुए शामिल

September 25, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के विद्यार्थियों ने भारतीय साहसिक संस्थान द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ रेड क्रॉस प्रशिक्षण और साहसिक शिविर में महेंद्रगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व किया। शिविर में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 63 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें सभी प्रतिभागियों को उनके द्वारा इस सात दिवसीय साहसिक शिविर में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। नैनिताल के चाफी में आयोजित हुए इस साहसिक शिविर में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से बी.टेक- विद्युत अभियांत्रिकी का छात्र शिवम कुमार, साई गणेश, हितेश शर्मा व बी.वॉक- रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट वासुदेव ने हिस्सा लिया और जिले का .प्रतिनिधित्व किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस तरह के शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों में सकारात्मकता, टीम भावना, साहस, धैर्य आदि गुणों का विकास करने में मदद मिलती है।

शिविर के समापन समारोह में शिविर निदेशक रोहित शर्मा ने युवाओं को रेडक्रॉस के सिद्धांतों पर चलकर मानवता की सेवा के लिए प्रेरित किया और कहा कि मानवता की सेवा ही वास्तव में परमात्मा को सच्ची सेवा कहलाती है और रेडक्रास इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है जो पिछले 159 सालों से मानवता की सेवा कर रहा है और विश्व में यह एक ऐसी इकलौती संस्था है जो चार बार नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर चुकी है। उन्होंने नशा मुक्ति की आवश्यकता पर बोलते हुए कहा कि धूम्रपान व नशीले पदार्थों का दिन-प्रतिदिन युवाओं द्वारा सेवन किया जाना समाज के लिए चिन्ता का विषय है। उन्होंने कहा कि यदि हम यह दृढ संकल्प करे तो नशे जैसी गलत आदतों से बचकर एक सभ्य समाज के निर्माण में अपना अहम योगदान दे सकते हैं। शिविर के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल के दिशा निर्देश में हरियाणा रेडक्रॉस विभिन्न कार्यक्रम और जनकल्याण गतिविधियों सफलतापूर्वक चला रही है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि इन शिविरों का आयोजन 15 से 21 मई तक किया गया। इनमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवा रॉक क्लाइंबिंग, रैपलिंग, जूमारिंग, ट्रैकिंग, राइफल शूटिंग, रिवर क्रासिंग आदि गतिविधियों में हिस्सा लिए। विश्वविद्यालय से चार छात्रों का चयन उनके कर्तव्य निष्ठा को मध्यनजर रखते हुए किए गए थे। उन्होंने बताया कि जो स्वयंसेवक विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों और जागरूकता अभियान में सक्रिय योगदान देते हैं उन्हें विभिन्न कैंप में जाने का मौका मिलता है।

Students Participated in the Seven-Day Adventure Camp

September 25, 2022

Students of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh represented the Mahendragarh district in the State Level Youth Red Cross Training and Adventure Camp organised by the Indian Institute of Adventure. 63 participants from various universities and colleges of the state participated in the camp. Shivam Kumar, Sai Ganesh, and Hitesh Sharma of B. Tech. Engineering and Vasudev of B.Voc. Logistics Management from the Central University of Haryana participated in this adventure camp organised at Chafi in Nainital and represented the district. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said that such camps help in developing qualities like positivity, team spirit, courage, patience, etc. in the students. In the closing ceremony of the camp, camp director Rohit Sharma inspired the youth to serve humanity by following the principles of the Red Cross. Haryana Red Cross is successfully running various programmes and public welfare activities under the guidance of Dr. Mukesh Agarwal, general secretary of the camp. Programme coordinator Dr. Dinesh Chahal said that these camps were organised from May 15 to 21. He said that the volunteers who actively contribute to various programmes and awareness campaigns of the university get a chance to go to various camps.

6.9 हकेवि के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

September 25, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने ओजेआई इंडिया पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, नीमराना का औद्योगिक भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के औद्योगिक भ्रमण क्षेत्र के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि के लिए आवश्यक है और इससे क्षेत्र में हो रहे नवाचार को जानने-समझने का अवसर मिलता है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता व प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. फूल सिंह ने प्रिंटिंग और पैकेजिंग के महत्त्व से अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान समय में बिना अच्छी पैकेजिंग के किसी भी वस्तु के व्यवसाय की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस औद्योगिक भ्रमण की अध्यक्षता सहायक आचार्य व प्रभारी संदीप बूरा तथा सहायक आचार्य निशान सिंह ने की। उन्होंने बताया कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर इस तरह के औद्योगिक भ्रमण, कार्यशालाएँ एवं तकनीकी यात्राएं आयोजित करता रहता है। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान ओजेआई इंडिया पैकेजिंग प्रा. लिमिटेड के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक योशुकु फुजीवारा, सीएमओ रूचि असाई, मानव संसाधन प्रमुख जितेंद्र कुमार, एएम डिजाइन कुलदीप, सतीश वर्मा व सेल्स एवं मार्केटिंग के अनुज उपस्थित रहे। उन्होंने भविष्य में भी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए इस तरह के औद्योगिक भ्रमण के साथ रोजगार उपलब्ध करवाने का भी आश्वासन दिया। इस औद्योगिक यात्रा में विभाग के शिक्षक अनिल कुंडु, शम्मी मेहरा व तरूण सिंह ने विभाग के विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

Industrial Tour Organised by Department of Printing & Packaging Technology

September 25, 2022

The third-year students of the Department of Printing & Packaging Technology, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh took an industrial visit to OJI India Packaging Pvt. Ltd., Neemrana. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said that such industrial visits are necessary for increasing the practical knowledge of the sector and this allows knowing and understanding of the innovations happening in the sector. Informing about the importance of printing and packaging, Dr. Phool Singh, Dean of the University's School of Engineering and Technology and Head of the Department of Printing and Packaging Technology, said that at present, the business of any commodity without good packaging cannot be imagined. This industrial tour was presided over by Assistant Professor and in-charge Sandeep Bura and Assistant Professor

Nishan Singh. During this educational visit OJI India Packaging Pvt. Ltd. CEO & Managing Director Yoshiku Fujiwara, CMO Ruchi Asai, HR Head Jitendra Kumar, AM Design Kuldeep, Satish Verma, and Sales and Marketing Anuj were present.

6.10 हकेवि में हुई आधार सेवा केन्द्र की शुरुआत

September 27, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आधार सेवा केन्द्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि आधार कार्ड एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की जरूरतों को देखते हुए आधार सेवा केन्द्र की शुरुआत की गई है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के कुशल मार्गदर्शन के विश्वविद्यालय के सहभागियों को परिसर में ही विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आधार सेवा केन्द्र भी ऐसी ही एक शुरूआत है। आधार सेवा केन्द्र के संचालक प्रवीन कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन्हें जो सेवा करने का अवसर प्रदान किया है, उसके लिए वे विश्वविद्यालय प्रशासन के आभारी हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. दिलीप पटेल, डॉ. प्रदीप चौहान, डॉ. अंकुश, डॉ. महेन्द्र, देवेन्द्र कुमार, सुनील कुमार सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहें।

Aadhaar Service Centre Started at CUH

September 27, 2022

Vice Chancellor of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh Prof. Tankeshwar Kumar inaugurated Aadhaar Seva Kendra at the university campus. On this occasion, the Vice Chancellor said that the Aadhaar card is an important document. He said that keeping in view the needs of the students, teachers, and employees studying in the university, Aadhaar Seva Kendra has been started. Director of Aadhaar Seva Kendra, Mr. Praveen Kumar said that he is grateful to the university administration for the opportunity given to him to serve.

6.11 पोषण के प्रति जागरूकता फैला रहा है हकेवि

September 28, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए पाली गाँव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक दिवसीय आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भाषण, पोस्टर मेकिंग प्रश्नोत्तरी और स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसमें स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साह से हिस्सा लिया। विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश ने इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का उनके मार्गदर्शन हेतु आभार व्यक्त किया और कहा कि विश्वविद्यालय के सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में इस तरह के आयोजन निरंतर जारी रहेंगे।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.सी. शर्मा ने विश्वविद्यालय की टीम का स्वागत किया और उन्होंने इस आयोजन हेतु विद्यालय का चुनाव करने के लिए विश्वविद्यालय कुलपति के प्रति आभार व्यक्त किया। इस एक दिवसीय आयोजन की शुरूआत सही पोषण देश रोशन विषय पर केंद्रित भाषण प्रतियोगिता के साथ इसके बाद स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना था। इसी क्रम में ए वर्ल्ड ऑफ फ्लेवर्स और संतुलित आहार विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। अंत में युवाओं के मन में जिज्ञासा पैदा करने के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका संचालन सुश्री तोशी, सुश्री ईशा, सुश्री अयाना, सुश्री आयुषी, श्री मंजीत और एमएससी न्यूट्रिशन बायोलॉजी के अन्य छात्रों द्वारा किया गया।

इससे पूर्व पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा सामाजिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का निर्वहन करते हुए पोषण अभियान, महिला एवं बाल विकास, नारनौल, हरियाणा के समन्वय में

जिला महेंद्रगढ़ के विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय पोषण माह भी मनाया गया। कार्यक्रमों की श्रंखला में विभाग के छात्रों के साथ संकाय सदस्य प्रो. कांति प्रकाश शर्मा, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. पी. विद्युल्लता, डॉ. सविता बुधवार, डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. तेजपाल ढेवा और डॉ. अनीता कुमारी ने भाग लिया। विभाग ने 12 से 19 सितंबर के बीच अटेली, कनीना, महेंद्रगढ़, नांगल चौधरी, नारनौल ग्रामीण और शहरी जैसे विभिन्न ब्लॉकों के आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी पोषण के प्रति जागरूक किया। विभाग के संकाय सदस्यों और छात्रों ने भोजन तैयार करने में स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया और पाचन विकारों के उपचार में प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स के महत्व को भी उदाहरणों के साथ समझाया। विशेषज्ञों ने मानव स्वास्थ्य में बाजरा के महत्व के बारे में भी चर्चा कर अंतर्राष्ट्रीय बाजरा -2023 वर्ष के उत्सव के बारे में जागरूकता पैदा की।

Awareness Spread by CUH on the 'Value of Nutrition'

September 28, 2022

A one-day event was organised at the Government Senior Secondary School, Pali (the village adopted by the University) under the 'National Nutrition Month' by Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. The programme organised by the Department of Nutritional Biology included speech, poster-making, quiz, and slogan competitions. For this event, the HOD of the department, Prof. Kanti Prakash acknowledged the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar for his guidance and said that such events would continue in the discharge of the social responsibilities of the University. Dr. I.C. Sharma, Principal, GSSS, Pali welcomed the team of the University and expressed his gratitude to the Vice Chancellor of the University for choosing the school for this event. The one-day event started with a speech competition focused on the topic of "Sahi Poshan Desh Roshan", followed by a slogan competition to create awareness among the students about the importance of nutrition. In this sequence, a poster-making competition was also organised on the theme of 'Celebrate a World of Flavors' and 'Balanced Diet'. In the end, a quiz competition was organised to create curiosity in the minds of the youth. 'National Nutrition Month' was also celebrated at various places in the district Mahendragarh in coordination with 'Poshan Abhiyan', Women and Child Development, Narnaul, Haryana. In the series of programmes, faculty members Prof. Kanti Prakash Sharma, Dr. Umesh Kumar, Dr. P. Vidyulata, Dr. Savita Budhwar, Dr. Ashwini Kumar, Dr. Tejpal Dheva and Dr. Anita Kumari participated along with the students of the department. The department also sensitised the Anganwadi workers of various blocks like Ateli, Kanina, Mahendragarh, Nangal Chaudhary, and Narnaul between 12 and 19 September. Experts also discussed the importance of millet in human health and created awareness about the celebration of the International Year of Millet-2023.

6.12 हकेवि में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन 1 अक्टूबर को

September 29, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन माननीय सांसद श्रीमती सुनीता दुग्गल व उपायुक्त राजस्व विभाग, नई दिल्ली सुश्री इरा सिंघल के करकमलों से 01 अक्टूबर, 2022 को होने जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार भी उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह केंद्र हरियाणा राज्य में स्थापित एकमात्र केंद्र है और इसका उद्देश्य प्रशासनिक क्षमताएं रखने वाले अनुसूचित जाति के युवाओं को देश के विकास में योगदान के लिए अवसर प्रदान करना है। इस केंद्र के माध्यम से इन युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं हेतु आयोजित होने वाली संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी करवाई जाएगी।

डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार ने बताया कि इस केंद्र के अंतर्गत निर्धारित सीटों पर प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिले की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। अब इस केंद्र के अंतर्गत कक्षाएँ शुरू होने जा रही हैं और इसके लिए एक अक्टूबर को केंद्र का उद्घाटन होगा। डॉ. अन्तरेश कुमार ने बताया कि केंद्र में 33 प्रतिशत सीटें महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित की गई हैं। इस सेंटर में विश्वविद्यालय की फैकल्टी के अलावा बाहरी प्रोफेशनल्स भी कोचिंग देंगे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड -एक स्थित मिनी

ऑडिटोरियम में उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी सम्मिलित होंगे।

Inauguration of Dr. Ambedkar Center of Excellence at CUH on October 1

September 29, 2022

Dr. Ambedkar Center of Excellence established by the Ministry of Social Justice and Empowerment was inaugurated by the honourable member of parliament Sunita Duggal in New Delhi on October 01, 2022, from the office of Ms. Ira Singhal. Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar was also present on this occasion. Prof. Tankeshwar Kumar said that this centre is the only centre established in the state of Haryana and its objective is to provide an opportunity for SC youths to have administrative capabilities to contribute to the development of the country. Dr. Antresh Kumar, coordinator of Dr. Ambedkar Center of Excellence, Central University of Haryana said that the process of admission based on an entrance examination has been completed on the seats fixed under this centre. Dr. Antresh Kumar said that 33 percent of seats in the centre have been reserved for women candidates. Apart from the faculty of the university, outside professionals will also give coaching in this centre.

7. Extension Lectures

7.1 मोदी@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर विशेष वार्तालाप आयोजित

July 05, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मोदी@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर मंगलवार को विशेष वार्तालाप का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भविष्य के भारत की चुनौतियों एवं संभावनाएं विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में मोदी@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर विस्तार से विमर्श हुआ। इस आयोजन में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के न्यासी सदस्य प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य अतिथि तथा महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी के पूर्व कुलपति व चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रो. संजीव कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की प्रो. निधि शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की यह चर्चा प्रमुख रूप से अंतोदय के विकास से लेकर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को पहचान दिलाने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली पर आधारित है और अवश्य ही इस संवाद के माध्यम से देश के विकास की यात्रा को गहराई से जानने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित इस वार्तालाप की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जानने के लिए कोई किताब पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, वे आमजन से इस तरह से जुड़ें हुए है कि हर व्यक्ति उनके व्यक्तित्व को जानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा, रक्षा, विज्ञान आदि के क्षेत्र स्वावलंबन की ओर बढ़ रहा है। कुलपति ने कहा कि मोदी जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनका जीवन अध्ययन करने पर अवश्य ही इस बात की प्रेरण मिलती है कि किस तरह से देश में बदलाव लाकर आखिरी पायदान पर खड़े जनमानस का उत्थान संभव है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह कहना गलत नहीं होगा कि पहली बार देश को मन का प्रधानमंत्री प्राप्त हुआ। ऐसा प्रधानमंत्री जो देश के विकास की बात करता है, जो अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि निखारने के साथ-साथ आम नागरिक के उत्थान के लिए भी नित नए प्रयास करता है। आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और यह अवसर है कि हम स्वयं से साक्षात्कार करें। यह अवसर भी हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में ही प्राप्त हो सका है। प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि आज देश में परिवारवाद, वंशवाद से इतर ऐसा राजनैतिक नेतृत्व विकसित हो रहा है जो कि हर आम व्यक्ति को बदलाव के अवसर उपलब्ध करा रहा है। यह भारतीय राजनीति का ऐसा काल है जिसमें हम निष्पक्ष होकर निश्चित रूप से बदलावों का सूत्रपात कर सकते हैं।

इसी क्रम में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने विचार की गुलामी, भाषा के आतंक और धर्म व जातिवाद को केंद्र में रखते हुए भारतीय स्वतंत्रता के बाद की परिस्थितियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनके कालखंडों में आए बदलावों पर अपन बात रखी। प्रो. अग्निहोत्री ने बेहद सहज ढंग से भारतीय ज्ञान परम्परा, स्वतंत्रता संग्राम और आजाद भारत में राजनीतिक बदलावों और उसके परिणामों पर सभी का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि भारत में आजादी के बाद भी यूरोपीय प्रभाव को महत्त्व दिया गया। जिसके परिणाम स्वरूप विचारों में पूर्णतः स्वतत्रंता नहीं आई। इसी के साथ -साथ उन्होंने धर्म व जाति के आधार पर लागू होने वाली योजनाओं पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई जन-धन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं में हर भारतीय को एक मंच पर ला खड़ा किया है, जिसका आभाव पूर्व में देखने को मिला। इसी तरह उन्होंने भाषा की बाध्यता और उससे भारतीय ज्ञान के प्रसार में आने वाली परेशानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दिशा में भी अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से बदलाव की पहल हो गई है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उपस्थित विशेषज्ञों से अपनी शंकाओं के समाधान भी प्राप्त किए। कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. आनंद शर्मा, प्रो सारिका शर्मा, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. राजीव कौशिक, डॉ. संतोष एच, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. नरेंद्र परमार, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. दिव्या, डॉ. मनीष कुमार सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Colloquium on *Modi@20: Dreams Meet Delivery*

July 5, 2022

Colloquium on Modi@20: Dreams Meet Delivery was organised by the Department of Political Science. A vibrant discussion was held on the "Challenges and Prospects of Future India under the leadership of Prime Minister Modi''. Prof. Kuldeep Chand Agnihotri, Former Vice Chancellor, Central University of Himachal Pradesh was the Chief Guest and Prof. Sanjiv Kumar Sharma, Former Vice Chancellor of Mahatma Gandhi Central University, Motihari was present as the keynote speaker. On this occasion, Prof. Nidhi Sharma from Banaras Hindu University was also present as a special guest. The programme was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. Prof. Tankeshwar Kumar said that this discussion is mainly based on the functioning of Prime Minister Shri Narendra Modi from the development of Antodaya to the recognition of India on the international stage. The keynote speaker, Prof. Sanjiv Kumar Sharma said that our PM talks about the development of the country. He has improved the image of India on the international stage. He is striving to provide opportunities for change to every common person. This is the period of Indian politics in which we can certainly initiate positive changes. The chief guest, Prof. Kuldeep Chand Agnihotri while focusing on the slavery of thought, the terror of language, religion and caste, presented his views on the post-independence circumstances and changes brought in by Prime Minister Narendra Modi. Prof. Agnihotri effortlessly drew attention to the Indian knowledge tradition, the freedom struggle and the political changes in independent India and its consequences. Along with this, he also referred to the Jan-Dhan Scheme, Pradhan Mantri Awas Yojana and National Education Policy implemented under the leadership of Prime Minister Narendra Modi.

7.2 भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के पितामह थे वीर सावरकर- उदय महुकर

August 17, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ द्वारा बुधवार को सावरकर, विभाजन और राष्ट्रीय सुरक्षा पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लेखक, इतिहासकार व केंद्रीय सूचना आयुक्त श्री उदय महुकर उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता ने अपने संबोधन में वीर सावरकर को भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा का पितामह बताया और कहा कि उनकी छवि को निरंतर धूमिल करने के प्रयास इसलिए किए जाते हैं क्योंकि भारत की एकता, अखंडता व सुरक्षा के विरूद्ध सक्रिय ताकतें नहीं चाहती हैं कि वीर सावरकर की राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सोच जन-जन तक पहुँचे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में आजादी और इसके महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज बेहद जरूरी है कि हम अपने सही इतिहास को जाने। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन अवश्य ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व अन्य सभी सहभागियों को वह अवसर प्रदान करते हैं कि वे इतिहास के सही पक्षों को जाने-समझे और उनके माध्यम से एक सही सोच कायम करें। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही इनके माध्यम से भी विद्यार्थियों को आजादी के सही मायने समझने में मदद मिली होगी। कुलपति ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए विकसित राष्ट्र के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हम सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री उदय महुकर ने अपने संबोधन में भारत के विभाजन और उसके लिए जिम्मेदार कांग्रेस और अन्य ताकतों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से वीर सावरकर ने इसकी भविष्यवाणी पूर्व में ही कर दी थी। उन्होंने कहा कि सावरकर राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के विद्वान थे और उन्होंने पड़ोसी मुल्कों से सुरक्षा के लिए आवश्यक सैन्य शक्ति के विकास की बात बहुत पहले ही कर दी थी। उन्होंने उत्तर-पूर्व में घुसपैठ के खतरे की भविष्यवाणी 1940 में, चीन से खतरे की भविष्यवाणी 1952 में ही कर दी थी। जिसकी ओर ध्यान ने देने के परिणामस्वरूप हमें चीन से हारना पड़ा। सावरकर सदैव देश के आर्थिक व सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ होने के साथ-साथ सैनिक शक्ति के मोर्चे पर भी मजबूती के पक्षधर थे। श्री उदय महुकर ने सावरकर को बदनाम करने के पीछे की वजह का उल्लेख करते हुए कहा कि वही लोग सावरकर पर आक्षेप लगाते हैं जो भारत के विभाजन के पक्षधर हैं। सावरकर सदैव अखण्ड भारत के पक्षधर रहे। उनकी दूरदर्शिता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में हिंदुओं को सैन्य प्रशिक्षण के लिए प्रेरित किया और इसके पीछे का कारण था कि वे विभाजन के बाद होने वाली भारत पाकिस्तान के बीच पैदा होने वाले हालातों को पहले ही भांप चुके थे। इसी क्रम में श्री उदय महुकर ने हिंदुत्व के विचार को भी प्रस्तुत किया और बताया कि यह किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं है बल्कि सभी धर्मों को स्वीकार करते हुए राष्ट्रवादी विचार का पक्षधर है। इस आयोजन के अंतर्गत सूचना का अधिकार अधिनियम पर भी चर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी डॉ. राजीव कुमार सिंह तथा आयोजन सचिव सह-आचार्य डॉ. शांतेश कुमार सिंह थे। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव कुमार सिंह ने दिया।

Expert Lecture on Savarkar, Partition and National Security

August 17, 2022

Expert lecture on Savarkar, Partition and National Security was organised by the Department of Political Science and Right to Information Cell of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. The programme was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar while author, historian and Central Information Commissioner, Mr. Uday Mahukar was present as the Chief Guest. Prof. Tankeshwar Kumar said that today it is very important that we know our true history. The Vice Chancellor said that such events in the University definitely provide opportunity to the students, research scholars, teachers and all other participants to understand the right aspects of history and create a right thinking through them. Dr. Ramesh Kumar, HoD, Department of Political Science, presented the welcome address in the programme. The keynote speaker of the programme, Mr. Uday Mahukar, in his address, while mentioning the partition of India, said how Veer Savarkar had predicted it in the past. He said that Savarkar was a scholar on national security policy and long ago had talked about the development of military power necessary for security from neighbouring countries. Discussion on the Right to Information Act was also organised under this event. The Convener of this programme was Dr. Rajeev Kumar Singh, Central Public Information Officer and Assistant Professor, Department of Political Science and Dr. Shantesh Kumar Singh, Associate Professor was the Organizing Secretary.

7.3 हकेवि में भारतीय भाषाओं की तकनीकी समृद्धता पर व्याख्यान आयोजित

August 24, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) की विश्वविद्यालय इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के संदर्भ में भारतीय भाषाओं की तकनीकी समृद्धता विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष प्रो. गिरीश नाथ झा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में भारतीय भाषाओं के लिए तकनीकी विकसित करने एवं भारतीय ज्ञान विज्ञान के भारतीय भाषाओं के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन हेतु तकनीकी की आवश्यकता पर बल दिया। विश्वविद्यालय में भाषाओं के विभागों द्वारा विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त कर शोध एवं नवाचार हेतु प्रेरित किया।

इससे पूर्व इस कार्यक्रम की शुरूआत प्रो. गिरीश नाथ झा, प्रो. टंकेश्वर कुमार, हकेवि शैक्षिक संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सह आचार्य डॉ. सुभाष चंद्रा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. गिरीश नाथ झा ने अपने व्याख्यान में एनईपी 2020 की बारीकियों एवं उसमें भारतीय भाषाओं, प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के प्रोत्साहन हेतु वर्णित बिंदुओं को रेखांकित करते हुए भारतीय भाषाओं में हो रहे तकनीकी विकास से संबंधित प्रयासों, उनके महत्व एवं संभावनाओं पर चर्चा की। प्रो. गिरीश नाथ झा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, लैंग्वेज कम्प्यूटिंग इत्यादि विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संस्कृत के संगणकीय महत्व, प्राचीन भारतीय व्याकरणों पाणिनी, पतंजलि के भाषा संबंधी महत्वपूर्ण कार्यों की वर्तमान समय में संगणकीय प्रासंगिकता को उद्घाटित किया। उन्होंने भारत के भाषाई विविधता में एकरूपता लाने हेतु संस्कृत के महत्व एवं भाषाओं के तकनीकी सशक्तिकरण पर हो रहे कार्यों, उनके द्वारा तैयार किए गए तकनीकी उपकरणों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ. सूरज आर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आयोजक मंडल के डॉ. मनीष कुमार सिंह, डॉ. दिव्या शर्मा, डॉ. शरन प्रसाद, डॉ. शांतेश कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

Lecture on "Richness of Indian Languages"

Sep 24, 2022

Expert lecture on the technical richness of Indian languages in the context of the National Education Policy (NEP) 2020 was organised under the joint aegis of Central University of Haryana, Mahendragarh and the university unit of All India National Educational Federation (ABRSM). In the programme, Chairman of the Commission for Scientific and Technical Terminology, Ministry of Education, Government of India, Prof. Girish Nath Jha was present as an expert speaker. The programme was presided over by the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar. He emphasised upon the need for developing technology for Indian languages and technology for teaching-learning of Indian knowledge systems through Indian languages. Expert speaker, Prof. Girish Nath Jha, in his lecture, underlined the nuances of NEP 2020 and discussed the efforts related to technological development in Indian languages, their importance and possibilities. Prof. Girish Nath Jha, while discussing in detail the topics of Artificial Intelligence, Natural Language Processing, Language Computing etc., revealed the computational importance of Sanskrit, ancient Indian grammarians like Panini, and Patanjali's important linguistic works in the present times.

7.4 हकेवि में पोषक अनाज पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

August 25, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम की श्रृंखला में दूसरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीक्लचर साइंसेज, जीकेवीके, बैंगलोर की डॉ. उषा रविंद्र विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम को कुलपति ने अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा ईशा ने अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के आयोजन के संदर्भ में प्रतिभागियों को जानकारी उपलब्ध कराई। विभाग की अन्य छात्रा तोशी ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. उषा ने मानव स्वास्थ्य में बाजरे के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में इसके पोषक आहार से जुड़े विभिन्न पक्षों को प्रस्तुत किया। व्याख्यान के अंत में विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब दिए। कार्यक्रम का समापन विभाग की छात्रा महिमा शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस आयोजन में भारी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी सम्मिलित हुए।

Expert Lecture Organised on "Nutritious Cereals"

August 25, 2022

The Department of Nutrition Biology at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised the second event of "International Year of Millets-2023" under the guidance and mentorship of Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar. Dr. Usha Ravindra, Professor, Food Science and Nutrition, University of Agricultural Sciences, GKVK, Bangalore graced the event as the chief guest. She emphasised the importance of millet in human health. Her talk was focused on the potential health benefits of millets as nutraceuticals and functional food. The talk was followed by a question and answer session. The event concluded with singing of the National Anthem. During the event all students of the department along with faculty members were present.

7.5 हकेवि पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने सीखे फोटोग्राफी के गुण

August 29, 2022

पत्रकारिता की पढ़ाई के दौरान फोटोग्राफी विशेष विधा के तौर पर सीखी और सिखाई जाती है। फोटोग्राफी प्रोफेशन में प्रशिक्षित फोटोग्राफर की खूब मांग है। ऐसे में फोटाग्राफी को करियर के तौर पर अपनाने के लिए फोटोग्राफी में डूबना बेहद जरूरी है। यह विचार भारत के जाने-माने फोटोग्राफर डॉ. अरुण खन्ना ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बता दें कि डॉ. अरुण खन्ना ट्रैवल फोटोग्राफी करते हैं। वे भारत में फोटोग्राफी में पहली और अब तक की एकमात्र मानद डॉक्टरेट (पीएचडी) हासिल करने वाले इकलौते फोटोग्राफर हैं। साथ ही उन्हें हरियाणा व पंजाब सरकार के द्वारा इस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान में बढ़ोतरी करने में सहायक होते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहुंचे डॉ. अरुण खन्ना पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में विद्यार्थियों से रुबरू हुए। उन्होंने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों को फोटोग्राफी के स्किल्स की जानकारी दी तथा फोटोग्राफी में करियर बनाने के टिप्स दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि एक अच्छा फोटोग्राफर बनने के लिए उन्हें कम से कम 5000 तस्वीरें अपने छात्र जीवन के दौरान ही खींचनी चाहिए। डॉ. अरुण खन्ना ने अपने फोटोग्राफी जीवन यात्रा के अनुभव साझा करते हुए कहा कि हर एक अच्छी तस्वीर के पीछे कई ख़राब तस्वीरें होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से एक फोटोग्राफर के तौर पर संयम बरतने की सलाह दी। डॉ. अरुण खन्ना ने फोटोग्राफी के साथ एडिटिंग के महत्व और संबंधित सॉफ्टवेयर के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सह आचार्य डॉ. अशोक कुमार ने अतिथि का स्वागत किया और डिजिटल युग में दृश्यों के महत्व पर अपने विचार रखे। विभाग के सहायक आचार्य व कार्यक्रम के संयोजक आलेख एस नायक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस वार्ता सत्र के दौरान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. सुरेंद्र, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. नीरज करण सिंह, डॉ. भारती बत्रा और गौरव जोशी भी उपस्थित रहे।

Expert Talk Organised on "The Importance of Photography"

August 29, 2022

Department of Journalism and Mass Communication, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised an expert talk on the importance of photography. The photography session was organised to give an insight into the basics of photography and facilitate the students to interact directly with well-known photographer Dr. Arun Khanna. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor said that such events are helpful in increasing the practical knowledge of the students. While interacting with the students Dr. Khanna

said that photography is one of the special disciplines learned while studying journalism. These days, photography is fast emerging as a popular career choice among all age groups. He further added this era is all about capturing that right emotion in the right moment. He also shared his thoughts about the importance of editing for a photographer and how software should be used to enhance the picture quality. The session concluded after a round of question and answer.

7.6 हकेवि के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंदशर्मा की स्मृति में व्याख्यान का आयोजन

September 09, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति स्वर्गीय प्रो. मूलचंद शर्मा की स्मृति में पहला व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रो. मूलचंद शर्मा के परिवार के सदस्यों सहित, विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक, सहकर्मी व विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस तरह का आयोजन हर वर्ष आयोजित करने का सुझाव दिया ताकि हमारी आने वाले पीढ़ी प्रो. मूलचंद शर्मा के जीवन और कार्य से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सके। कुलपति ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी का भी धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी ने मौलिक कर्तव्यों पर व्याख्यान दिया। मानवाधिकारों के पैरोकार के रूप में प्रो. शर्मा को याद करते हुए उन्होंने श्रोताओं को बताया कि प्रो. शर्मा मौलिक कर्तव्यों में दृढ़विश्वास रखते थे। न्यायमूर्ति सीकरी ने भारत के संविधान में निहित मौलिक कर्तव्यों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि संविधान की भावना में अपने कर्तव्यों का पालन करके ही हम भारत को उसकी खोई हुई महिमा को पुनः प्राप्त कर सकते हैं।

इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रो. मूलचंद शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डॉ. रेनु यादव ने प्रो. मूलचंद शर्मा के जीवन के विभिन्न पहलुओं और कार्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. वी. के. एन बंसल, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव श्री अशोक अरोड़ा, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूर्व शिक्षक डॉ. इंदु यादव, विश्वविद्यालय के शिक्षकों प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. स्नेह लता सहित अन्य पूर्व छात्रों आदि ने भी स्वर्गीय प्रो. शर्मा के व्यक्तित्व के बारे में प्रतिभागियों को बताया और अपने अनुभव साझा किए। हकेवि की पूर्व शोधार्थी डॉ. कृष्णा आर्य ने प्रो. शर्मा के लिए स्वलिखित और संगीतबद्ध एक गीत के माध्यम से अपने प्यार और सम्मान का इजहार किया। इसी क्रम में प्रो. मूलचंद शर्मा की पत्नी डॉ. पवन शर्मा और बेटी सुश्री दिव्या ने प्रो. शर्मा के बारे में अपनी भावनाओं को साझा किया। उन्होंने प्रो. शर्मा की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कुलपति, प्रो. टंकेश्वर कुमार और उनकी टीम को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन प्रो. आनंद शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

1st Prof. Moolchand Sharma Memorial Lecture

September 09, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised the **1st Prof. Moolchand Sharma Memorial Lecture** to recognize and celebrate the legacy of its founding Vice-Chancellor, Late Prof. Moolchand Sharma. The event was held in Prof. Moolchand Sharma Auditorium in both online and offline modes and was joined by his family members, friends, colleagues, former students, and CUH fraternity. Justice Arjan Kumar Sikri, former judge of Supreme Court of India, graced the occasion as the keynote speaker. All the dignitaries of the university, including the Vice-Chancellor, Registrar, DSW, etc., attended the programme. The Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, expressed his gratitude and respect for Prof. Sharma and suggested that the event could be organised every year so that the coming generations of students would get their inspiration from Prof. Sharma's life and work. Justice Arjan Kumar Sikri delivered the 1st Prof. Moolchand Sharma Memorial Lecture on Fundamental Duties. Justice Sikri gave a thorough account of the fundamental duties enshrined in our constitution and clearly stated that it's only

by performing our duties in the spirit of the constitution that we could reclaim India her lost glory. Dr. Renu Yadav gave a brief about Prof. Sharma's life and works. Prof. V. K. N. Bansal, Punjab University; Mr. Ashok Arora, Ex Secretary, Supreme Court Bar Association; Dr.Indu Yadav, former faculty, CUH; Prof. Anand Sharma, Dr. Pradeep Singh, Dr. A.P. Sharma, Dr. Snehsata from CUH and many more talked about the academic excellence and personal humility of Late Prof. Sharma. Dr. Krishna Arya, a CUH alumnus, expressed her love and respect for Prof. Sharma through a song written and composed in his memory.

7.7 विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी - प्रो. ए.के. भागी

September 19, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में ओजोन वीक के तहत सोमवार को विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. ए.के. भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की।

विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित इस व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. ए.के. भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15 शहर भारत के हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं और सभी प्रयासों के बावजूद वायु प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि वायु प्रदूषण किस तरह से हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और भारत में खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने कहा विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा। इससे पूर्व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण में इस आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। कार्यक्रम में आयोजन में पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करण पलसानिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Expert Lecture on "Air Pollution and Sustainable Development in Delhi NCR Region"

September 19, 2022

An expert on "Air Pollution and Sustainable Development in Delhi NCR Region" was organised by the School of Interdisciplinary and Applied Sciences and Department of Environmental Studies, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. The lecture was delivered by Prof. A. K. Bhagi, Dyal Singh College, University of Delhi while the programme was presided over by the Dean of School of Interdisciplinary and Applied Sciences Prof. Neelam Sangwan. Prof. A.K. Bhagi said that the situation of air pollution in the country can be gauged from the fact that 15 of the most polluted cities in the world are from India. He said that air pollution is increasing continuously due to various human and economic activities. Earlier, the Dean of the School of Interdisciplinary and Applied Sciences, Prof. Neelam Sangwan in the welcome address extended best wishes to the organisers for this event. She said that under the guidance of Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar such programmes will continue to be organised in future also. At the end of the programme, the vote of thanks was presented by Dr. Manoj Kumar, Assistant Professor, Department of Environmental Studies.

7.8 देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया का महत्वपूर्ण योगदानः डॉ बिजेंद्र कुमार

September 24, 2022

देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। सोशल मीडिया के कारण देश व समाज के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ी है जिसका सीधा फायदा लोगों को हो रहा है। देश में सोशल मीडिया के प्रयोग में भारी बढ़ोतरी हुई है। मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण अधिकतर लोग सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहे हैं। यह विचार दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अम्बेडकर कालेज के पत्रकारिता विभाग में प्राध्यापक डॉ. बिजेन्द्र कुमार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्याख्यान के विषय को समसामयिक बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थी अवश्य ही लाभांवित होंगे।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा सोशल मीडिया की विकास संचार में भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए डॉ. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण अधिकतर लोग सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहे हैं। भारत जैसे देश में इतनी बड़ी संख्या में लोगों के साथ एक साथ संपर्क करने व उन्हें सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी पहुंचाना आसान हो गया है। लोग चूंकि सोशल मीडिया से जुड़ें हुए हैं इसलिए सरकारों को भी सोशल मीडिया पर पहुंचना जरूरी हो गया है। उन्होंने भारत सरकार के कईं मंत्रालयों में हुई घटनाओं का वर्णन करते हुए बताया कि किस तरह से सरकार सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को दैनिक समस्याओं का हल कर रही है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का प्रयोग लोगों को जागरूक करने व उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया विकासात्मक संचार में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। किंतु इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पहलू हैं जिन पर नियमन की आवश्यकता है।

डॉ बिजेन्द्र कुमार ने आजादी से पूर्व एवं वर्तमान समय में मीडिया की विकास में भूमिका पर चर्चा की। उन्होने बताया कि आजादी मिलने से पहले पत्रकारिता मुख्यतः भारत की अर्थव्यवस्था की दशा-दिशा के इर्द-गिर्द होती थी एवं स्वतंत्रता के बाद पत्रकारिता का मुख्य उददेश्य सरकारी नीतियों के बारे में जन-जन तक सूचना पहुँचाना था। परन्तु आज के समय में सोशल मीडिया के जरिए आमजन सरकार तक परस्पर संवाद भी कर पा रहे हैं। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने मुख्य वक्ता डॉ. बिजेन्द्र कुमार का विश्वविद्यालय में स्वागत करते हुए कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया विकासात्मक संचार के लिए बडा उपयोगी एवं सशक्त माध्यम है। इसकी सबसे बड़ी ताकत इसका यूजर है। यह यूजर पर ही निर्भर करता है कि वह इस मंच का किस तरह से प्रयोग करता है। भारत जैसे देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। सोशल मीडिया का सही उपयोग है तो यही सही अर्थों में विकास का एक बड़ा माध्यम साबित हो सकता है। भारत जैसे विविध देश व उसके वर्ग को जोड़ने में सोशल मीडिया की अहम भूमिका है। आज किसान से लेकर कर्मचारी, मजदूर, व्यापारी, उद्यमशील सभी लोग सोशल मीडिया का प्रयोग अपने जीवन व व्यापार को बेहतर करने में प्रयोग कर रहे हैं। पत्रकारिता के विद्यार्थियों को चाहिए कि वे सोशल मीडिया को उद्यमशीलता के नए माध्यम के रूप में देखे। भविष्य में देश को लोगों यूटयूबर व सोशल मीडिया प्रबंधकों की जरूरत है। इसके लिए उन्हें खुद को तैयार करने की जरूरत है। इस मौके पर इस व्याख्यान के संचालक डॉ. नीरज करन सिंह ने उनका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर डॉ. पंकज कुमार, डॉ सुरेंद्र, आलेख नायक, डॉ भारती बत्रा व गौरव व विभाग के सभी विद्यार्थी मौजूद थे।

Extension Lecture on "Contribution of Social Media in the Development of the Country and Society"

September 24, 2022

Social media has an important role in the development of the country and society. Due to social media, people's awareness about the country and society has increased, which is directly benefiting the people. There has been a huge increase in the use of social media in the country. Due to mobile connectivity, more and more people are using social media. This view was expressed by Dr. Bijendra Kumar, Professor in the Department of Journalism, Dr. Bhimrao Ambedkar College, Delhi University while delivering an expert lecture at Central University of Haryana, Mahendragarh. Due to mobile connectivity, more and more people are using social media. In a country like India, it has become easy to contact such a large number of people simultaneously and to inform them about the schemes and programmes of

the government. Since people are connected to social media, it has become necessary for governments to reach out on social media. Describing the incidents that took place in various ministries of the Government of India, he told how the government is solving the daily problems of the people through social media. Dr. Ashok Kumar, Head of the Department of Journalism and Mass Communication of the University, while welcoming the chief speaker Dr. Bijendra Kumar, said that in today's time social media is a very useful and powerful medium for developmental communication.

7.9 हकेवि में प्रोबायोटिक बैक्टिरिया पर केंद्रित व्याख्यान आयोजित

September 26, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा प्रोबायोटिक बैक्टिरिया पर केंद्रित एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारतीय ज्ञाप परम्परा और उसमें उल्लिखित भोजन संबंधित विषय पर प्रकाश डाला। कुलपति ने कहा कि भारतीय पुरातन ज्ञान को वैज्ञानिक नजरिए से समझने में इस तरह के आयोजन मददगार साबित होते हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के जैनेटिक विभाग के प्रो. संतोष कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय कुलपति का स्वागत शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रो. संतोष कुमार तिवारी का स्वागत बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बिजेंद्र सिंह ने किया और विभाग के डॉ. रामगोपाल ने उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञ वक्ता ने अपने संबोधन में प्रोबायोटिक बैक्टिरिया एवं उनके द्वारा संश्लेषित बैक्टिरियोसिन के लाभ के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह बैक्टिरियोसिन मनुष्य के अच्छे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं तथा रोग फैलाने वाले कीटाणुओं के लिए विनाशक की भूमिका भी निभाता है। यहां बता दें कि प्रो. तिवारी ने बैक्टिरियोसिन एलडी 3 की खोज की है। उन्होंने अपने संबोधन में अपनी इस खोज के विषय में भी प्रतिभागियों को जानकारी दी। इस आयोजन के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रवि कुमार ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Expert Lecture on "Probiotic Bacteria"

September 26, 2022

A one-day lecture on Probiotic Bacteria was organised by the Department of Biotechnology, Haryana Central University, Mahendergarh. Addressing the participants present in the event, the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar threw light on the Indian Gyaap tradition and the topic related to food mentioned in it. The Vice Chancellor said that such events prove helpful in understanding Indian ancient knowledge from a scientific perspective. As an expert speaker on this occasion, Prof. Santosh Kumar Tiwar from Genetic Department of Maharshi Dayanand University, Rohtak was present. The expert speaker in his address apprised the participants about the benefits of probiotic bacteria and bacteriocin synthesised by them. He said that this bacteriocin is beneficial for the good health of human beings and also plays the role of destroyer for disease-causing germs. It should be mentioned here that Prof. Tiwari discovered bacteriocin LD3. At the end of this event Dr. Ravi Kumar gave the vote of thanks.

7.10 हकेवि में संस्कृत भाषा की प्रासंगिकता पर व्याख्यान आयोजित

September 27, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में संस्कृत विभाग के तत्वावधान में ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहायक आचार्य डॉ. दिनेश कुमार शास्त्री उपस्थित रहे। व्याख्यान का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संस्कृत हमारे प्राचीन गौरव की पहचान होने के साथ-साथ हमारे वर्तमान समाज के लिए भी अत्यंत उपयोगी भाषा है। सभी भारतीयों को अपना कर्तव्य समझकर इस भाषा का प्रचार-प्रसार करना चाहिए ताकि वर्तमान पीढ़ी भी इससे लाभान्वित हो सके।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश कुमार शास्त्री ने नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में संस्कृत भाषा की अनिवार्यता विषय पर

व्याख्यान देते हुए बताया कि संस्कृत प्राचीन होते हुए भी आधुनिक है तथा सर्वजन प्रिय होने के साथ सरल एवं आनंददायक भाषा है। हिमाचल प्रदेश को में द्वितीय राजभाषा के रूप में संस्कृत का अनिवार्य रूप से अध्ययन करवाया जा रहा है। संस्कृत भाषा को चिरस्थाई बनाने के लिए संस्कृत माध्यम से पढ़ाया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा में ही भारतीय ज्ञान परंपरा का समस्त वैभव सुरक्षित है, इसलिए नई शिक्षा नीति में संस्कृत को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है। विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों एवं देश-भक्ति की शिक्षा देने के लिए संस्कृत का अध्ययन-अध्यापन आवश्यक है। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत विभाग की प्रभारी डॉ. सुमन रानी ने किया तथा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के निदेशक प्रो. रणबीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। व्याख्यान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने 'हिस्सा लिया।

Lecture on "Relevance of Sanskrit Language"

September 27, 2022

An expert lecture was organised online under the aegis of Department of Sanskrit at Central University of Haryana, Mahendergarh. The event was inaugurated by the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar. Dr. Dinesh Kumar Shastri, Assistant Professor of Shri Lal Bahadur Shastri Central University, New Delhi was present as the keynote speaker. Inaugurating the lecture, Prof. Tankeshwar Kumar said that apart from being the identity of our ancient glory, Sanskrit is also a very useful language for our present society. The main speaker in the programme, Dr. Dinesh Kumar Shastri, while giving a lecture on the importance of Sanskrit language in the context of the New Education Policy 2020, said that Sanskrit, despite being ancient, is modern and is a simple and enjoyable language along with being loved by all. He said that all the glory of the Indian knowledge tradition is safe within the syntax of the Sanskrit language. Therefore, it has been given an important place in the new education policy. The programme was organised by Dr. Suman Rani, in-charge of the Sanskrit Department and Dr. Devendra Singh Rajput, Assistant Professor in the same department. At the end of the programme, Director of Swami Dayanand Saraswati Peeth, Prof. Ranbir Singh proposed the vote of thanks.

8. MoUs

8.1 हकेवि व सीएसआईआर-आईएचबीटी ने किए एमओयू पर हस्ताक्षर

July 04, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ और सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर ने अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सीएसआईआर-आईएचबीटी के स्थापना दिवस पर हुए इस एमओयू पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर की ओर से निदेशक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के बीच विशेष रूप से जीवन विज्ञान और अंतःविषय विज्ञान विभागों के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग और सहयोग की सुविधा प्रदान करेगा। इस अवसर पर डॉ. संजय कुमार ने प्रो. टंकेश्वर कुमार, शोध अधिष्ठाता, प्रो. नीलम सांगवानय कुलसचिव, प्रो. सुनील कुमारय वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार का स्वागत किया।

प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के आयोजन, ज्ञान, कौशल और संसाधनों को साझा करने आदि सहित संयुक्त पारस्परिक हित की अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व मजबूती प्रदान करने में मददगार साबित होगा। समझौता ज्ञापन के अवसर पर भारत सरकार के पूर्व सचिव, टेक्नोलॉजी एनएबलिंग सेंटर, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के प्रतिष्ठित प्रोफेसर व विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के डॉ. टी. रामासामी भी उपस्थित रहे।

यहां बता दें कि सीएसआईआर-आईएचबीटी पालमपुर हिमालयी क्षेत्रों के जैव संसाधनों में अनुसंधान करने वाला प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है। संस्थान ने उद्योगों के साथ-साथ किसानों के लिए अनुसंधान आधारित प्रौद्योगिकियों का विकास किया है। वहीं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है जो स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. कार्यक्रमों का सफल संचालन कर रहा है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज और स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज से संबंधित संकाय सदस्य वैज्ञानिक अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में लगे हुए हैं, जो वैश्विक और राष्ट्रीय महत्व के हैं।

CUH Signed MoU with CSIR-IHBT, Palampur

July 04, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh and CSIR-IHBT, Palampur signed MoU on collaborative research and academic activities. The MOU was signed done on the Foundation day of CSIR-IHBT amidst the presence of Prof. Dr.Tankeshawar Kumar, Vice-Chancellor and Dr. Sanjay Kumar, Director IHBT, Prof.Neelam Sangwan, Dean Research and Prof. Sunil Kumar, Registrar. Dr. T. Ramasami, Former Secretary to Govt. of India, Ministry of Science & Technology, and Distinguished Professor of Eminence, Technology Enabling Centre, Anna University, Chennai was also present at the event. Prof Tankeshawar Kumar said that this MOU will facilitate a close cooperation and collaboration between both the institutions especially in the area of departments of Life Sciences and Interdisciplinary Sciences. This MOU will promote and strengthen research and academic activities of joint mutual interest including exchange of the faculty members and students, training and organising national seminars/ workshops, sharing of knowledge, skills and resources etc. CSIR-IHBT Palampur is a premier national institution that is engaged in the research in the Bioresources of Himalayan regions and has developed research based technologies for the industries as well as farmers. The faculty members belonging to the School of Interdisciplinary and Applied Sciences and School of Basic Sciences are engaged in various niche areas of research which are of global and national importance.

9. Research and Publications

9.1 हकेवि के समाजशास्त्र विभाग ने किया गणियार गाँव का शोध भ्रमण

August 10, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के समाजशास्त्र विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने महेंद्रगढ़ जिले के गणियार गाँव का एक दिवसीय शोध भ्रमण किया। इस शोध भ्रमण के माध्यम से गाँव के विकास में महिलाओं की भूमिका, पर्यावरण के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता आदि विषयों को जानने का प्रयास किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समाजशास्त्र विभाग द्वारा किए गए शोध कार्य की उपयोगिता का वर्णन करते हुए कहा कि जनजीवन की दशा में सुधार लाने में शोध कार्य की भूमिका अहम होती है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलती है।

समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जैलदार के मार्गदर्शन में हुए इस शोध भ्रमण में गाँव की विभिन्न जातियों को नमूने के तौर पर चुना गया। डॉ. युद्धवीर जैलदार ने बताया कि गाँव की सरंपच बीना देवी ने ग्राम पंचायत द्वारा गाँव में किए गए विकास कार्यों से शोध टीम को अवगत कराया। साथ ही ग्रामीण रतन लाल, रजनी देवी, डॉ. कुलदीप यादव आदि ने गाँव की उपलब्धियों व चुनौतियों से भी शोध टीम को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस शोध भ्रमण के आधार पर विभाग एक विस्तृत अनुसंधान रिपोर्ट तैयार करेगा जिससे भविष्य में गाँव की समस्या का समय रहते समाधान किया जा सके।

Sociology Department Conducted a Research Trip to Ganiyar Village

Sep 10, 2022

Students and research scholars studying in the Department of Sociology went on a one-day research tour to Ganiyar village in Mahendragarh district. Through this research tour, an attempt was made to know about the role of women in the development of the village and awareness among the villagers about the environment. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, while describing the usefulness of the research work done by the Department of Sociology, said that the role of research work is important in improving the condition of the people. Through this, it also

helps in connecting the rural areas with the mainstream of development. Various castes of the village were selected as samples in this research tour conducted under the guidance of Dr. Yudhveer Zaildar, Assistant Professor, Department of Sociology. Dr. Yudhveer Zaildar said that Bina Devi, the Sarpanch of the village, informed the research team about the development works done by the Gram Panchayat in the village. Along with this, villagers Ratan Lal, Rajni Devi, Dr. Kuldeep Yadav informed the research team about the achievements and challenges of the village.

9.2 हकेवि के संकाय सदस्य को मिला रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2022

August 11, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भैषजिक विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. सुमित कुमार को ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) पर उनके शोध कार्य के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ स्कॉलर्स द्वारा रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2022 से सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. सुमित कुमार को बधाई देते हुए कहा कि निश्चित ही उनके शोध कार्य से टीबी को खत्म करने की दिशा में मदद मिलेगी। इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने डॉ. सुमित को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। भैषजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि इंस्टीट्यूट ऑफ स्कॉलर भारत सरकार के एमएसएमई और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत पंजीकृत है।

डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि डॉ. सुमित कुमार ने नोवेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम (एनडीडीएस) तैयार करके टीबी की अग्रिम पंक्ति की परम्परागत दवाई को नया रूप देते हुए उसके प्रभाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। टीबी विश्व में संक्रामक रोगों से होने वाली मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (2021) के अनुसार, लगभग 4000 लोग प्रतिदिन टीबी से अपनी जान गंवाते हैं और विश्व स्तर पर प्रतिदिन करीब 28,000 लोग इस बीमारी से संक्रमित हो रहे हैं। गरीबों की बीमारी के नाम से कुख्यात इस संक्रामक बीमारी पर बहुत कम ही शोध कार्य हुए हैं। कोई भी मल्टीनेशनल फार्मास्युटिकल कंपनी टीबी पर शोध कार्य करने में रूचि नहीं दिखा रही है। डॉ. सुमित कुमार ने आश्वासन दिया कि यह एनडीडीएस निश्चित रूप से भारत से टीबी के पूर्ण उन्मूलन में लोगों की मददगार साबित होगा। साथ ही यह टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य टीबी मुक्त वैश्विक लक्ष्य (2030) से पांच साल पहले यानी 2025 में प्राप्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के सपने को साकार करने में अहम भूमिका अदा करेगी। उन्होंने बताया कि टीबी अनुसंधान पर विस्तृत अध्ययन के लिए एक परियोजना तैयार की गई है और जल्द ही वित्तीय सहायता के लिए भारत सरकार को प्रस्तुत की जाएगी। डॉ. सुमित कुमार की इस उपलब्धि के लिए संकाय संदस्यों ने भी उन्हें बधाई दी।

CUH Faculty Honoured with Research Excellence Award-2022

August 11, 2022

Dr. Sumit Kumar working as Assistant Professor, Department of Pharmaceutical Sciences, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has has been awarded with Research Excellence Award-2022 by the Institute of Scholars for his research work on Tuberculosis. On this achievement Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Prof. (Dr.) Neelam Sangwan, Dean, School of Interdisciplinary and Applied Sciences, and other faculty members congratulated him. Dr. Dinesh Kumar, Head, Department of Pharmaceutical Sciences gladly informed that Institute of Scholars is registered under Ministry of MSME & Corporate Affairs, Govt. of India. Dr. Sumit Kumar has increased the efficacy of conventional marketed first line anti-TB drugs by preparing the Novel Drug Delivery Dystem (NDDS). Tuberculosis remains the world's single leading cause of mortality from a contagious agent. According to World Health Organization (2021), nearly 4000 people lose their lives to TB and closer to 28,000 people fall ill with this preventable and curable disease per day globally. This type of research will definitely boost up the drug discovery process for the management of Tuberculosis. Dr. Kumar assured that this Novel Drug Delivery System (NDDS) will certainly help people in complete eradication of Tuberculosis from India.

9.3 हकेवि के विद्यार्थियों का शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित

August 31, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों का शोध पत्र एल्सेवियर प्रकाशन के प्रतिष्ठित इंटरनेशनल जर्नल न्यूरोसाइंस एंड बायोबिहेवियरल रिव्यूज (इम्पैक्ट फैक्टर 9.05) में टारगेटिंग एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस यूजिंग नेचुरल प्रोडेक्ट इन न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर विषय पर प्रकाशित हुआ। यह शोध पत्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार व सहायक आचार्य डॉ. अशोक जांगड़ा के निर्देशन में तैयार किया गया। शोध पत्र में प्रमुख रूप से प्राकृतिक उत्पादों के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग और शोध से जुड़े शिक्षकों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके कार्य की सराहना की।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड सांइसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान व शोध अधिष्ठाता ने भी इस उपलब्धि के लिए विभाग की प्रशंसा की। इस शोध पत्र के संबंध में डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि प्राचीन काल से ही भारत में रोग उपचार हेतु जड़ी-बूटियों का उपयोग किया जाता रहा है। इस प्रतिष्ठित पत्रिका शोध पत्र का प्रकाशन उल्लेखनीय है। शोध पत्र के संबंध में डॉ. अशोक जांगड़ा ने कहा कि हमारी प्रकृति औषधियों का एक समृद्ध स्रोत है। इस सिग्नलिंग मार्ग को लक्षित करने वाले प्राकृतिक उत्पाद तंत्रिका संबंधी रोगों के लिए नए चिकित्सीय मार्ग प्रदान कर सकते हैं।

M. Pharm. Students' Article Published in a Reputed Journal

August 31, 2022

The M.Pharm. students of the Department of Pharmaceutical Sciences, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh published an article entitled "Targeting endoplasmic reticulum stress using natural products in neurological disorders" in a reputed International Journal of Elsevier publication: Neuroscience & Biobehavioral Reviews having Impact factor 9.05 under the supervision of Dr. Dinesh Kumar, Head and Associate Professor, and Dr. Ashok Jangra, Assistant Professor. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana, Mahendergarh congratulated the department and authors and appreciated the efforts made by the students and teachers. He said that the use of herbal medicine has gained a lot of interest for their therapeutic potential in the treatment of several diseases since ancient times. Publication of articles in a reputed journal provides international recognition to our University as well as researchers at the international level. Prof. Neelam Sangwan, Dean, SIAS and Dean Research also praised the department for this achievement.

The article highlighted and summarised the literature on natural products which are effective in the treatment of various neurological disorders by targeting endoplasmic reticulum stress. Dr. Dinesh Kumar, Corresponding author of the article said that endoplasmic reticulum stress occurs when the capacity of the endoplasmic reticulum to fold proteins becomes saturated. Endoplasmic reticulum stress has been implicated in the pathogenesis of numerous neurological disorders such as cerebral ischemia, Parkinson's disease, and Alzheimer's disease. Dr. Ashok Jangra, first author of the article said that our nature is a rich source of medicine. Natural products targeting these signalling pathways may provide new therapeutic avenues for neurological diseases. The article provides alternative drug treatment for neurodegenerative disorders.

9.4 कुलपति ने किया 'न्यूट्रास्युटिकल्सः फूड एप्लिकेशन्स एंड हेल्थ बेनिफिट्स' पुस्तक का विमोचन

September 01, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी व डॉ. गुलाब सिंह, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, बद्दी, हिमाचल प्रदेश द्वारा संपादित पुस्तक 'न्यूट्रास्युटिकल्सः फूड एप्लिकेशन्स एंड हेल्थ बेनिफिट्स' का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। पुस्तक के संपादकों की प्रशंसा करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पोषक तत्वों और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के विभिन्न पहलुओं को समाहित किए हुए यह पुस्तक स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए पोषण और अन्य संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संदर्भ पुस्तक साबित होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता, प्रो. दिनेश कुमारय शोध अधिष्ठाता, प्रो. नीलम सांगवानय पोषण जीवविज्ञान के विभागाध्यक्ष, प्रो. कांति प्रकाश शर्मा एवं प्रो. रंजन अनेजा भी उपस्थित रहे।

Prof. Tankeshwar Kumar Released the Book: *Nutraceuticals: Food Applications and Health Benefits*

September 01, 2022

The book published by Nova Science Publishers, USA entitled Nutraceuticals: Food Applications and Health Benefits edited by Dr. Anita Kumari, Department of Nutrition Biology, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh and Dr. Gulab Singh, Maharaja Agrasen University, Baddi, Himachal Pradesh was released by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the Central University of Haryana. While complimenting the editors, Prof. Tankeshwar Kumar remarked that, this quality work covering different aspects of nutraceuticals and functional foods will prove to be a valuable reference book for graduate as well as post-graduate students in the field of nutrition and other allied sciences. On this occasion, Prof. Sunil Kumar, Registrar; Prof. Sunita Srivastava, Prof. Dinesh Kumar, Dean Academics, Prof. Neelam Sangwan, Dean Research, Prof. Kanti Prakash Sharma, Head, Dept. of Nutrition Biology and Prof. Ranjan Aneja were were also present to congratulate the editors.

10. Seminars/Conferences/Workshops

10.1 हकेवि में डिजिटल हिंदी विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

July 08, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को डिजिटल हिंदी पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का संदेश प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान युग में तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। आज के समय में तकनीक के बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है। कोरोना काल के दौरान अध्ययन-अध्यापन का कार्य तकनीक के माध्यम से ही सुचारू रूप से चल सका। यदि हम राजभाषा हिंदी की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में हिंदी के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण चरण पूरे हुए हैं। इनमें वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा कई विषयों की मानक शब्दावली तैयार करना प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय भी अपने स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयासरत है। आज की यह कार्यशाला भी इसी प्रयास का एक हिस्सा है। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डॉ. बिजेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. आनंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासनिक स्तर पर हिंदी में काम-काज को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारी व शिक्षक निरंतर सीखने की प्रवृत्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्थानीय भाषाओं को दिए गए महत्व को भाषा के स्तर पर विशेष प्रयास को अहम बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. बिजेंद्र कुमार ने तकनीक और हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह से तकनीकी विकास के साथ भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है। इसके लिए उन्होंने विशेष प्रयास करने पर जोर देते हुए कहा कि हमें प्राथमिक सामग्री को हिंदी में उपलब्ध कराना होगा। विभिन्न टूल्स और वेबसाइट्स का उल्लेख करते हुए डॉ. बिजेंद्र कुमार ने बदल रहे समय में हिंदी की बढ़ती स्वीकार्यता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व रूझान बढ़ा है और तकनीक के मोर्चे पर गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि कम्पनियां भी हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही हैं। प्रो. कुमार ने कहा कि हिंदी अब केवल बोलचाल की भाषा नहीं रह गई

है। हमें भाषा की रचनात्मकता पर ध्यान देना होगा। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि किस तरह से हिंदी को तकनीक के साथ जोड़कर रोजगार सृजित किए जा रहे हैं। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Workshop on "Digital Hindi"

July 08, 2022

A workshop focused on Digital Hindi was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Friday. In this workshop organised by the Official Language Section of the University and the Town Official Language Implementation Committee, the Dean of Student Welfare, Prof. Anand Sharma and Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar were present. Prof. Tankeshwar Kumar said that the role of technology has become very important in the present era. During the Corona period, the work of teaching and learning could go on smoothly only through technology. In the last few years, important steps have been taken in the scientific and technical development of Hindi. Among these, preparation of standard terminology for many subjects by the Commission for Scientific and Technical Terminology is the main one. The university is also making efforts for the promotion of Hindi at its own level. Dr. Bijendra Kumar, Associate Professor, Dr. Bhimrao Ambedkar College, Delhi University was present as an expert speaker in the workshop. Prof. Anand Sharma said in his address that the university is trying to promote administrative work in Hindi language. For this, the non-teaching staff and teachers of the university are moving forward with the tendency of continuous learning. Dr. Bijendra Kumar, present as a subject expert in the workshop, threw light on the importance of technology and Hindi. He told how the acceptance of Hindi as a language has increased with technological development. Emphasising on making special efforts for this, he said that we have to make primary material available in Hindi. Through various examples, he explained how employment is being created by combining Hindi with technology.

10.2 हकेवि में पशु कोशिका संवर्धन पर कार्यशाला की हुई शुरूआत

July 25, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बेसिक एनिमल सेल कल्चर टेक्निक्स पर सात दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के जैवरसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला की शुरूआत के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों व आयोजकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

जैवरसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विभाग में उपलब्ध संसाधनों के संबंध में जानकारी दी। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुईं। उन्होंने इस अवसर पर बड़े पैमाने पर चिकित्सा में टीकों के विकास व उत्पादन सहित सेल कल्चर में बुनियादी पशु सेल संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन में उपस्थित विशेषज्ञ राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), गुड़गांव के वैज्ञानिक डॉ. भवानी शंकर साहू ने विनियमित एक्सोसाइटोसिस और शारीरिक परिणाम पर व्याख्यान दिया। डॉ. साहू ने बायोमेडिकल और ट्रांसलेशनल रिसर्च में शक्तिशाली उपकरण के रूप में एनिमल सेल कल्चर के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कार्यशाला में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से कुल 25 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। यह कार्यशाला विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)-विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा त्वरित विज्ञान कार्यशाला योजना के तहत वित्त पोषित है। कार्यक्रम आयोजक डॉ. मुलका मारुति ने कार्यशाला में प्रशिक्षण का अवलोकन दिया। आयोजन समिति में डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन और डॉ. सौरभ सी. सक्सेना हैं। बैठक में सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग से प्रो. सुरेंद्र सिंह और प्रो. गुंजन गोयल और पर्यावरण विज्ञान से डॉ. मोना शर्मा ने भाग लिया। कार्यशाला के लिए अनुसंधान विद्वानों और जैव रसायन के एमएससी विद्यार्थियों की टीम महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही है।

Workshop on "Basic Animal Cell Culture Techniques"

July 25, 2022

Department of Biochemistry, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a seven-day workshop on "Basic Animal Cell Culture Techniques". Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor encouraged the participants and appreciated the efforts for conducting the workshop. Prof. Pawan Kumar Maurya, Head of the Department welcomed all the guests and participants, and briefed about the departmental facilities. Prof. Neelam Sangwan, Dean, School of Interdisciplinary and Applied Sciences and Dean Research attended the programme as the chief guest and highlighted the importance of basic animal cell culture research in medicine, and cell culture importance in the development and production of vaccines on a large scale. Dr. Bhavani Shankar Sahu, Scientist-III from National Brain Research Centre (NBRC), Gurgaon attended the session and gave a lecture on "Regulated Exocytosis and Physiological Consequences". Dr. Bhavani Sahu emphasised on research involving the use of cell and animal models on secretory pathways of dense granule systems in the cell, and the power of mutations in secretory system proteins in lipolysis and development of hypertension. A total of 25 participants from Central University of Haryana, Kurukshetra University, Chaudhary Bansi Lal University, Madurai Kamaraj University, Banaras Hindu University attended the workshop. This workshop was funded by the Department of Science and Technology (DST), Science and Engineering Research Board (SERB) under Accelerate Vigyan Karyashala Scheme. Dr. Mulaka Maruthi, the chairperson and event organiser presented an overview of the training in the workshop.

10.3 हकेवि में नैनो बायोमैटिरियल्स के महत्त्व पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

July 27, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर द्वारा भारत सरकार की एक्सेलरैट विज्ञान पहल के अंतर्गत विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड द्वारा प्रायोजित बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए नैनो बायोमैटिरियल्स के संश्लेषण लक्षण और महत्त्व पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नैनो बायोमैटिरियल्स का चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह ये बायोमैटिरियल्स डायग्नोस्टिक्स, ड्रग डिलीवरी, इमेजिंग और अन्य थेरेपी में उपयोगी हैं। कुलपति ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं से विद्यार्थियों, शोधार्थियों को विभिन्न विषयों को जानने समझने में मदद मिलती है।

कार्यशाला की शुरूआत में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आयोजक व सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर के निदेशक प्रो. गुंजन गोयल ने बताया कि इस कार्यशाला में नौ संस्थानों के पच्चीस प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। व्याख्यान ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे जबकि प्रयोगशाला में प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. एस. के. त्रिपाठी ने नैनोकम्पोजिट्स के संश्लेषण और लक्षण वर्णन पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली की वक्ता डॉ. रितु श्रीवास्तव ने नैनोकणों के संश्लेषण विधियों, निदान और दवा वितरण में उनके उपयोग पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. विकास बेनीवाल, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, डॉ. उषा नागराजन, डॉ. अमित कुमार और अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

Seven-Day Workshop on "Bionanomaterials" Organised by Central Instrumentation Center

July 27, 2022

The Central Instrumentation Center of Central University of Haryana (CUH) organised an inaugural session of seven-day High-End Workshop and Training on "Development and characterization of nano biomaterials for biomedical applications sponsored by Science and Engineering Research Board under Accelerate Vigyan Initiative of the Government of India. The introductory talk was presented by Prof. Dinesh Kumar, Dean Academics. He gave the opening remarks outlining the university's academic structure and achievements. Prof. Gunjan Goel, the event organiser, informed that this workshop is being attended by twenty-five participants from nine institutions. The lectures will be conducted through online and offline mode whereas the hands-on training will be provided to the participants in the laboratory. At the inaugural session of the workshop, the Patron, Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of CUH was introduced by Prof. Neelam Sangwan, Dean Research and Dean School of Interdisciplinary and Applied Sciences. Prof. Kumar emphasised on the importance of bionanomaterials in different areas of medical sciences such as diagnostics, drug delivery and others. He believes that these kinds of workshops will undoubtedly enhance the skills of young PG and PhD scholars. In the inaugural session, two eminent speakers gave their presentation. Prof. S. K. Tripathi from Panjab University highlighted the synthesis and characterization of nanocomposites. The other speaker, Dr. Ritu Srivastava from National Physical Laboratory, New Delhi elaborated on synthesis methods of nanoparticles and their use in diagnostics and drug delivery.

10.4 देश हित में पत्रकारों की भूमिका महत्त्वपूर्ण- प्रो. टंकेश्वर कुमार

July 27, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ हरियाणा पत्रकार संघ, महेंद्रगढ़ इकाई के सहयोग से बुधवार 27 जुलाई को कार्यशाला का आयोजन किया गया। पत्रकारों व विद्यार्थियों के लिए बदले परिवेश में मीडिया विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में अमित आर्य, मीडिया सलाहकार, मुख्यमंत्री, हरियाणा शामिल हुए जबकि विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजन अग्रवाल, सम्पादक, इंडिया न्यूज, हरियाणाय के.बी. पण्डित, प्रदेश अध्यक्ष, हरियाणा पत्रकार संघ, धर्मपाल धनखड़, पूर्व सम्पादक, हरियाणा न्यूज व प्रवीन गौतम आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कुलपति ने कहा कि पत्रकार समाज का आइना होता है। उन्हें सकारात्मक खबरों पर विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि सकारात्मक खबरों से समाज को नई दिशा मिलती है। कुलपति ने अपने संबोधन में पत्रकारिता के मूल्यों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि इनके सहारे ही पत्रकारिता का महत्त्व बरकरार रखा जा सकता है।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक में आयोजित इस कार्यशाला की शुरूआत दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। हरियाणा पत्रकार संघ, महेंद्रगढ़ के जिला संयोजक आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि व विशेषज्ञ वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें यकीन है आज विशेषज्ञ वक्ताओं के ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को अवश्य मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है इसलिए मीडिया की भूमिका हमेशा से महत्त्वपूर्ण रही है। आज सोशल मीडिया के युग में जब फैक और नकारात्मक खबरों का चलन बहुत बढ़ गया है, ऐसी स्थिति में मीडिया की भूमिका व जिम्मेदारी और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए पत्रकारों को सकारात्मक खबरों पर विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि सकारात्मक खबरों से समाज को नई दिशा प्रदान करने में मदद मिलती है। उन्होंने इस मौके पर कार्यशाला में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से वे लाभांवित होंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमित आर्य ने मौजूदा परिवेश में मीडिया की स्थिति और उसके समक्ष उपस्थित प्रमाणिकता के संकट पर विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से प्रकाश डाला। उन्होंने सोशल मीडिया व न्यू मीडिया के बढ़ते प्रभाव और उसके सकारात्मक व नकारात्मक पक्षों का भी उल्लेख किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय मीडिया के क्षेत्र में आने वाले युवाओं और

कार्यरत प्रोफेशनल्स की क्षमताओं के विकास में सहयोग कर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर समाज व देश की बेहतरी का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने इस अवसर पर सरकार की तरफ से पत्रकारों के लिए कैशलैस इलाज की सुविधा के साथ-साथ पेंशन योजना के सरलीकरण पर जल्द ही खुशखबरी देने का भरोसा दिलाया।विशेषज्ञ वक्ता हरियाणा न्यूज के पूर्व संपादक धर्मपाल धनखड़ ने मीडिया के विभिन्न आयामों पर अपनी बात रखी और इस क्षेत्र में आए बदलावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इंडिया न्यूज हरियाणा के संपादक राजन अग्रवाल ने पत्रकारिता के पेशे से जुड़ें पक्षों पर उपस्थित प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने मीडिया के क्षेत्र में हो रहे बदलावों को स्वीकारते हुए रोजगार के साथ-साथ जनहित के सरोकरों का ध्यान रखने की सीख युवा पत्रकारों को दी। पब्लिक मीटर यूट्यूब चौनल के संपाद प्रवीण गौतम ने न्यू मीडिया के नए माध्यमों और उनके बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज यह माध्यम अपनी एक अलग पहचान रखते हैं और इनकी स्वीकार्यता भी बढ़ी है। कार्यक्रम में हरियाणा पत्रकार संघ के अध्यक्ष के.बी. पण्डित ने मोबाइल के माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया और विश्वसनीयता के संकट और उससे निदान के लिए आवश्यक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हरियाणा पत्रकार संघ के जिला संयोजक आनंद शर्मा व जिला अध्यक्ष प्रदीप बालरोडिया का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी अलेख एस नायक ने किया। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुरेंद्र सिंह, डॉ. शांतेश कुमार सिंह, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. भारती सहित पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थी व हरियाणा पत्रकार संघ के सदस्य धर्मनारायण शर्मा, असीम राव, दीपचंद यादव, यादवेंद्र शेखावत, महेश गुप्ता और आनंद शर्मा सहित स्थानीय पत्रकार भारी संख्या में सम्मिलित हुए।

Workshop on "Badlte Parivesh Me Media"

July 27, 2022

A workshop on "Badlte Parivesh Me Media" was organised in collaboration with Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh and Haryana Patrakar Sangh, Mahendragarh. Mr. Amit Arya, Media Advisor, Chief Minister of Haryana attended this workshop as the Chief Guest while Rajan Aggarwal, Editor, India News, Haryana, KB Pandit, State President, Haryana Patrakar Sangh, Dharampal Dhankhar, Former Editor, Haryana News and Praveen Gautam were also present. The programme was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. In his address, Prof. Tankeshwar Kumar said that journalists are the mirror of society. Mr. Amit Arya highlighted the situation of media in the current environment and the crisis of credibility before it, through various examples. He said that the University would pave the way for the betterment of the society and the country. Expert speaker, Dharampal Dhankhar spoke on various aspects of media and elaborated on the changes in this sector. Mr. Rajan Agarwal guided the participants on the aspects related to the profession of journalism. Accepting the changes taking place in the field of media, he taught young journalists to take care of the concerns of public interest along with employment. Mr. Praveen Gautam, Editor of Public Meter YouTube channel, spoke about the new mediums of news portals and their growing importance. Mr. K.B. Pandit addressed the participants through virtual mode and described the credibility crisis and the important efforts required to overcome it. Prof. Sunil Kumar, in his vote of thanks speech expressed special gratitude to Mr. Anand Sharma, District Convenor and Mr. Pradeep Balrodia, District President of Haryana Patrakar Sangh.

10.5 हकेवि में दो दिवसीय नशा मुक्त भारत अभियान का हुआ समापन

August 5, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से दो दिवसीय नशा

मुक्त भारत अभियान का आयोजन किया गया। दो दिन तक चले इस अभियान में कैंडल मार्च, जागरूकता रैली, खेल गतिविधियां, पोस्टर, रंगोली व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमारा उद्देश्य नशे के खिलाफ शुरू हुए इस अभियान को समूचे भारत में पहुँचाना है ताकि युवाओं को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जा सके और उन्हें नशे की आदत से दूर रखा जा सके।

कुलपति ने कहा कि युवा ही हैं जो भारत का भविष्य हैं। हमें युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखना है और नशा ने करने का नारा व पाठ पूरे भारत को पढ़ाना है। इस अभियान को सफल बनाने में विद्यार्थियों और शिक्षकों की भूमिका बहुत अहम है। इस अवसर पर उन्होंने 'ना हम नशा करेंगे, ना हम नशा करने देंगे' का नारा भी दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को नशे के खिलाफ जागरूक करने में मदद मिलती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस तरह के कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन भविष्य में भी किया जाता रहेगा।

दो दिवसीय इस आयोजन को समयबद्ध व सफलतापूर्वक आयोजित करवाने का श्रेय नशा मुक्त भारत अभियान के नोडल ऑफिसर डॉ. मनीश को जाता है। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन के तहत 3 अगस्त को कैंडल मार्च निकाला गया तथा 4 अगस्त को प्रातः जागरूकता रैली, वालीबॉल मैच का आयोजन किया गया। इसके पश्चात एक ऑनलाइन कार्यक्रम का प्रसारण किया गया, जिसमें डॉ. विरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार तथा केंद्रीय राज्य मंत्री श्री रामदास अठावले भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों व अन्य शिक्षण संस्थाओं के अधिकारी जुड़ें। इस ऑनलाइन आयोजन के बाद रंगोली व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को कुलपति द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस आयोजन में निशान सिंह, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. मुरली, डॉ. कुमार, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. कल्पना चौहान, पूनम, संगीता, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. सुमित धारीवाल, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. मंजू, डॉ. सुधीर व विद्यार्थी समन्वयक अक्षतकांत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Two-Day Drug Free India Campaign

August 5, 2022

A two-day Drug Free India Campaign was organised at Central University of Haryana, Mahendragarh in collaboration with the Ministry of Social Justice and Empowerment. Candle-march, awareness rally, sports activities, poster, rangoli and quiz competitions were organised in this campaign which lasted for two days. Students, research scholars and teachers of the university actively participated in these events. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said that our aim is to take this campaign to the whole India so that the youth can be made aware of the harm caused by drugs and they can be kept away from this unhealthy practice. On this occasion, he also gave the slogan 'Na Hum Nasha Karenge, Na Hum Nasha Karne Denge'. The credit for organising this two-day event in a timely and successful manner goes to Dr. Manish, Nodal Officer of Drug Free India Campaign. He said that under this two-day event, a candle march was taken out on August 3, and on August 4 an awareness rally and volleyball match was organised in the morning. After this, an online programme was broadcasted, in which Dr. Virendra Kumar, Minister of Social Justice and Empowerment, Government of India and Union Minister of State Shri Ramdas Athawale were also present.

10.6 हकेवि में आठ दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी की हुई शुरूआत

August 09, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी विभाग की साहित्य समिति के तत्वावधान में अमित मनोज की आठ दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आमजन को जागरूक करने में कविता की भूमिका अहम है। यह कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव में आयोजित सभी कार्यक्रमों से अलग है।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वाधीनता संग्राम और कविता विषय पर आयोजित इस कविता पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में स्वतंत्रता सेनानियों व जनता में आजादी की लौ जलाने में कविताओं की अपनी एक अलग भूमिका रही है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से

आज उसी जज्बे से रूबरू होने का अवसर मिला। इसके लिए उन्होंने साहित्य समिति के सभी सहभागियों को आयोजन के लिए बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को कविता प्रदर्शनी के माध्यम से व्यक्त करने की सोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उनके लिए एक अलग अनुभव रहा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक व कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी को सभी के लिए प्रेरणादायी बताया। विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. चंचल कुमार शर्मा ने कहा कि साहित्य समिति के समन्वयक डॉ. अमित मनोज ने अपनी लेखन कला का जो परिचय दिया है वह प्रशंसनीय है। प्रदर्शनी में लगी कविताओं को पढ़कर मन में देशभक्ति व देशप्रेम की भावना को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव हमारे देश की आत्मा है, जिसे हम सभी को मिलकर जीवित रखना है और मजबूत बनाना है।

साहित्य समिति के समन्वयक डॉ. अमित मनोज ने बताया कि इस पोस्टर प्रदर्शनी में 40 से अधिक पोस्टरों को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें रवींद्रनाथ टैगौर, जयशंकर प्रसाद, भारतेंदु हरिश्चंद्र, अल्ताफ हुसैन हाली, सोहन लाल द्विवेदी, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ, सुभद्रा कुमारी चौहान आदि कवियों की रचनाएं प्रमुख हैं। आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत आगामी 15 अगस्त तक चलने वाली इस प्रदर्शनी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि साहित्य जनभावनाओं की अभिव्यक्ति होता है। स्वाधीनता संग्राम में हमारे रचनाकारों ने अपनी कलम के माध्यम से देश की जनता में जोश भरने का कार्य किया। आजादी की लड़ाई में जिन कविताओं ने अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन कविताओं को पोस्टर के रूप में प्रदर्शित करना इस कविता पोस्टर प्रदर्शनी का उद्देश्य है। आठ दिवसीय यह प्रदर्शनी आजादी के अमृत महोत्सव को एक नया आयाम प्रदान करती है। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया। प्रदर्शनी के आयोजन में साहित्य समिति के पदाधिकारी आकाश भारती, हिमांशु, बबली यादव, विकास, मनोज, सेवानंद, नंदनी राठौड़, गोविंद, नितेश सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की।

Eight-Day Poetry Poster Exhibition

August 09, 2022

An eight-day poetry poster exhibition of Dr. Amit Manoj was inaugurated under the aegis of Hindi Department's Literature Committee at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar attended the event as the chief guest, while the convenor of Innovation and Incubation Center, Prof. Sunita Srivastava and Registrar, Prof. Sunil Kumar graced the programme as a special guests. Prof. Tankeshwar Kumar said that the role of poetry is important in making the general public aware. Prof. Sunil Kumar praised the idea of expressing India's freedom struggle through poetry exhibition and said that it was a different experience for him. In this sequence, the convenor of the University's Innovation and Incubation Centre and the special guest, Prof. Sunita Srivastava described the exhibition as inspirational for all. Dean of Humanities and Social Sciences of the University, Dr. Chanchal Kumar Sharma said that Dr. Amit Manoj, the coordinator of the literary committee, has given an introduction to his writing art which is praiseworthy. Dr. Amit Manoj, coordinator of the literary committee, said that more than 40 posters have been displayed in this poster exhibition, including Rabindranath Tagore, Jaishankar Prasad, Bhartendu Harishchandra, Altaf Hussain Hali, Sohan Lal Dwivedi, Ramprasad Bismil, Ashfaq Ullah Khan.

10.7 हकेवि में फार्माकोविजिलेंस एंड रेगुलेटरी अफेयर विषय पर वेबिनार आयोजित

August 16, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा फार्माकोविजिलेंस एंड रेगुलेटरी अफेयर विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वेबिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दवा सुरक्षा और नियामक की आवश्यकताओं पर जोर दिया। उन्होंने औषधि विज्ञान विभाग द्वारा विशेष रूप से दवा निर्माण और विकास प्रक्रिया के क्षेत्र में काम करने वाले अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन एवं विज्ञान प्रभा व्याख्यान श्रृंखला की अध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि भविष्य में इस तरह के वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे ताकि विद्वानों को विषय विशेषज्ञों के साथ विमर्श

का अवसर मिल सके। विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने हमें बताया कि फार्माकोविजिलेंस एंड रेगुलेटरी अफेयर दवा और वैक्सीन की सुरक्षा सुनिश्चित करके स्वास्थ्य प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि वेबिनार में अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विश्वविद्यालय, मलेशियाय यूसीएसआई, मलेशियाय बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसराय भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालयय मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार सहित देश व विदेश के विभिन्न संस्थानों से लगभग 150 शोध विद्वान और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की आयोजक डॉ. मनीषा ने बताया कि वेबिनार का संचालन उद्योग विशेषज्ञ एवं शोधकर्ता उद्योग विशेषज्ञ श्री रजनीश सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए डॉ. तरुण कुमार ने बताया कि भारतीय जनसंख्या मानव जैव विविधता का सबसे बड़ा स्रोत है, जो आनुवंशिक विविधता के संबंध में प्रभावकारिता, रोग संवेदनशीलता, एटियलजि, आणविक विकृति विज्ञान, और दवाओं की सुरक्षा प्रोफाइल का अध्ययन करने के लिए एक आदर्श मॉडल का प्रतिनिधित्व करती है। हेल्थकेयर पेशेवरों को अपने पेशेवर दायित्व के हिस्से के रूप में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (एडीआर) रिपोर्टिंग पर विचार करना चाहिए और अपने देशों में मौजूदा फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. सुमित कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई। वेबिनार में प्रो. वंदना बी. पत्रावले, प्रो. शुभिनी ए. सराफ, डॉ. हीरा चौधरी, डॉ. बापी गोरैन और डॉ. पलानीस्वामी सहित विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

National Webinar on "Pharmacovigilance and Regulatory Affair"

August 16, 2022

A national webinar on "Pharmacovigilance and Regulatory Affair" was organised by the Department of Pharmaceutical Sciences and School of Interdisciplinary and applied sciences at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar inaugurated the webinar and emphasised the drug safety and regulatory requirements. He appreciated the initiative taken by the Department of Pharmaceutical Sciences to conduct such a programme. Prof. Neelam Sangwan, Chairperson, Vigyan Prabha Lecture Series, Dean SIAS and Dean Research delivered the welcome address and briefed about the workshop programme. Dr. Dinesh Kumar, Head, and Convener of the event informed us that Pharmacovigilance and Regulatory Affair plays a key role in the healthcare system by assuring the safety of medicine and vaccines. He told that around 150 research scholars and faculty members from India and abroad, such as International Medical University, Malaysia, UCSI, Malaysia, Birla Institute of Technology, Mesra, Bhim Rao Ambedkar University, Madan Mohan Malviya University of Technology, Kurukshetra, Shri Ramswaroop Memorial University, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar who attended and gained knowledge about Pharmacovigilance and Regulatory Affair.

10.8 योग विभाग में वैकल्पिक चिकित्सा पर कार्यशाला शुरू

August 16, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग एवं योग ट्रैकिंग और एडवेंचर क्लब द्वारा वैकल्पिक चिकित्सा पर तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत मंगलवार को हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और अंतर विषय और अनुप्रयुक्त विज्ञान की संकाय अध्यक्षा प्रोफेसर नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में शुरू हुई। कार्यशाला में देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज हरिद्वार के आचार्य डॉ. अमृत लाल गुरुवेंद्र विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

विशेषज्ञ वक्ता ने वैकल्पिक चिकित्सा का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को इससे जुड़े सैद्धांतिक पहलुओं से अवगत कराने के साथ -साथ इसकी प्रायोगिक जानकारी भी दी। डॉ. अमृत लाल गुरुवेंद्र ने कहा कि एक दिन वैकल्पिक चिकित्सा मुख्य चिकित्सा की भांति होगी अन्य चिकित्सा पद्धतियां भी अपना कार्य करेंगी। योग, ट्रैकिंग और एडवेंचर क्लब के संयोजक और योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ अजय पाल ने बताया कि विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में इस विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों, शोधार्थियों में कोई भी भाग ले सकता है और इस चिकित्सा से इस संबंधित ज्ञान वृद्धि कर सकता है। योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजयपाल ने बताया कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से वैकल्पिक चिकित्सा के प्रति विद्यार्थियों व प्रतिभागियों के रूझान में बढ़ोतरी होगी। कार्यक्रम के आरंभ में भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय व स्वागत किया। इस मौके पर शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संदीप ढुल भी उपस्थित रहे।

Yoga Department: Workshop on Alternative Medicine

September 16, 2022

A three-day workshop on Alternative Medicine was organised by the Department of Yoga and Yoga Tracking and Adventure Club of Central University of Haryana, Mahendergarh. Acharya Dr. Amrit Lal Guruvendra of Dev Sanskriti Vishwavidyalaya, Shantikunj Haridwar was present in the workshop as an expert speaker. Mentioning alternative medicine, the expert speaker informed the students about the theoretical aspects related to it as well as gave practical information about it. Dr. Amrit Lal Guruvendra said that one day alternative medicine will get mainstream recognition due to its effectiveness. Convener of Yoga, Tracking and Adventure Club, and teacher in-charge of Yoga Department Dr. Ajaypal said that the interest of students and participants towards alternative medicine will increase through this event. At the beginning of the programme, Dr. Kheraj, Assistant Professor, Department of Geography, introduced and welcomed the expert speaker. On this occasion, Assistant Professor of Physical Education and Sports Department, Dr. Sandeep Dhul was also present.

10.9 हकेवि में बीएमसी के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

August 16, 2022

हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकुला द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के प्रोफेसर मूलचंद शर्मा सभागार में जैव विविधता प्रबंधन समितियों के प्रशिक्षण एवं क्षमतावर्धन के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की तथा जिला महेंद्रगढ़ के उपायुक्त डॉ. जयकृष्ण आभीर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ जिले के कनीना एवं महेंद्रगढ़ ब्लॉक के लगभग 30 बीएमसी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं हरित परिसर स्वच्छ परिसर क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में जिला उपायुक्त ने जैव विविधता पर विस्तृत व्याख्यान दिया तथा लोगो से जैव विविधता संरक्षण का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जैव विविधता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एचएसबीबी के वैज्ञानिक अधिकारी श्रीप्रकाश मेहता, जागरूकता अधिकारी डॉ. अनुराधा, क्षेत्रीय समन्वयक अमरेंद्र राव, जिला समन्वयक देशराज शर्मा, तकनीकी सहायता समूह (एनएच कंसलटिंग, नई दिल्ली) के चौनाराम जाट ने बीएमसी, पीबीआर व एचएसबीबी के कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में जैव विविधता प्रबंधन समिति के 180 सदस्य, वन विभाग जिला अधिकारी रोहताश सिंह, डॉ. आर.एन. यादव सहित विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, वन विभाग, कृषि विभाग, बागवानी विभाग एवं अन्य विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

Awareness Workshop for Biodiversity Management Committees

August 16, 2022

Haryana State Biodiversity Board, Panchkula organised a workshop for training and capacity building of Biodiversity Management Committees at Professor Moolchand Sharma Auditorium of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. The programme was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar, and Deputy Commissioner of District Mahendragarh, Dr. Jaykrishna Abhir was present as special guest. About 30 BMCs of Kanina and Mahendragarh blocks of Mahendragarh district were present in the programme. The programme was conducted by Prof. Surendra Singh, Head of Department of Microbiology, Central University of Haryana and Coordinator of Green Campus Clean Campus Club. In the programme, the District Deputy Commissioner gave a detailed lecture on biodiversity and called upon the people to conserve biodiversity.

Prof. Tankeshwar Kumar highlighted the importance of biodiversity. HSBB Scientific Officer, Sriprakash Mehta, Awareness Officer, Dr. Anuradha, Regional Coordinator, Amarendra Rao, District Coordinator, Deshraj Sharma, Technical Support Group (NH Consulting, New Delhi) Chainaram Jat discussed in detail the programme of BMC, PBR and HSBB. Around 180 members of

Biodiversity Management Committee, Forest Department District Officer, Rohtash Singh, Dr. R.N. Yadav, along with students of the university, employees of Forest Department, Agriculture Department, Horticulture Department and other departments were present.

10.10 स्वावलंबी भारत अभियान की सफलता के लिए उद्यमिता विकास आवश्यक- प्रो. टंकेश्वर कुमार -हकेवि में स्वावलंबी भारत अभियान पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

August 23, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को स्वावलंबी भारत अभियान पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की स्वदेशी जागरण मंच इकाई व नवाचार एवं उद्भवन केंद्र, एंटरप्रिन्योरसेल तथा पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के सामूहिक प्रयासों से आयोजित इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री दीपक शर्मा व विशेषज्ञ वक्ता के तौर पर पंजाब नेशनल बैंक के प्रदीप शर्मा व एमएसएमई विशेषज्ञ डॉ. के.के. गोयल व युवा एंटरप्रिन्योर दुष्यंत भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने में उद्यमिता की अहम भूमिका है। इसके लिए देश के युवाओं को संगठित होकर प्रयास करने होंगे और स्वावलंबी भारत अभियान की सफलता के लिए उद्यमिता का विकास आवश्यक है।

कुलपति ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वदेशी जागरण मंच के माध्यम से आयोजित इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि देश में व्याप्त बेरोजगारी की समस्या के निदान हेतु जरूरी है कि युवा पीढ़ी रोजगार चाहने वाली नहीं, रोजगार प्रदान करने वाली बने। कुलपति ने इस मौके पर उपस्थित सभी विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके माध्यम से सभागार में उपस्थित प्रतिभागी विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास के मोर्चे पर नए सिरे से आगे बढ़ने का बल मिलेगा। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्वावलंबी भारत अभियान के संकल्प को पूर्ण करने करी दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य भी इस दिशा में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना है। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों का उल्लेख किया और कहा कि इस आयोजन के बाद भी हम इस दिशा में अनवरत प्रयासरत रहेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित दीपक शर्मा ने अपने वक्तव्य में उद्यमिता विकास के लिए प्रमुख रूप से डेयरी उद्योग, कृषि व मिलेट्स उत्पादन पर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया और बताया कि इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर किस तरह से संभावनाओं का विकास हो रहा है। उन्होंने इस मोर्चे पर भारत की स्थिति और उसमें उपलब्ध उद्यमिता विकास की संभावनाओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। श्री दीपक शर्मा ने अपने संबोधन में स्वदेशी जागरण मंच की ओर से निर्धारित तीन लक्ष्यों का विशेष रूप से उल्लेख किया जिसके अनुसार वर्ष 2030 तक कोई भी भारतवासी गरीबी रेखा के नीचे नहीं रहेगा। दूसरा हर हाथ को काम मिलेगा और तीसरा पर्यावरण का ध्यान रखते हुए भारत की अर्थव्यवस्था को दस ट्रिलियन डालर तक ले जाया जाएगा। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सह संयोजक डॉ. रणबीर सिंह व डॉ. सुनीता तंवर तथा समन्वयक श्री निशान सिंह, डॉ. सूरज आर्य व डॉ. मंजू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन में सम्मिलित एमएसएमई विशेषज्ञ डॉ. के.के. गोयल ने विभिन्न तकनीकी पक्षों से अवगत कराते हुए जमीनी स्तर पर स्टॉर्टअप के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया। इसी क्रम में पीएनबी के श्री प्रदीप शर्मा ने बैंकिंग योजनाओं और युवा एंटरप्रिन्योर दुष्यंत ने अपनी विकास यात्रा से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. मंजू ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन निशान सिंह ने प्रस्तुत किया।

One-Day National Seminar on Swawlambi Bharat Abhiyan

August 23, 2022

A one day National Seminar on Swawlambi Bharat Abhiyan was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Organised by the collective efforts of Swadeshi Jagran Manch, CUH Unit, Centre for Innovation and Incubation, Entrepreneur Cell and Department of Tourism and Hotel Management, Mr. Deepak Sharma, Akhil Bhartiya Prachar Pramukh, Swadeshi Jagran Manch was present in the seminar as the keynote speaker while Mr. Pradeep Sharma of Punjab National Bank and MSME expert Dr. K.K. Goyal and young entrepreneur Mr. Dushyant were present as expert speakers. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor said that entrepreneurship has an important role in making the country self-reliant. Mr. Deepak Sharma focused on dairy industry, agriculture

and millet production for entrepreneurship development and told how possibilities are being developed in this field at the global level. He also elaborated on India's position on this front and the possibilities of entrepreneurship development available in it. Dr. Ranbir Singh and Dr. Sunita Tanwar, Co-Conveners and Mr. Nishan Singh, Dr. Suraj Arya and Dr. Manju, Co-ordinators played an important role in the successful organisation of this programme organised in the University. MSME expert Dr. K.K. Goyal made the students aware of the start-ups at the grassroots level while making them aware of various technical aspects.

10.11 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वेबिनार आयोजित

August 25, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के औषधि विज्ञान विभाग में द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि फार्माकोविजिलेंस एंड रेगुलेटरी अफेयर विषय पर केंद्रित यह वेबिनार अवश्य ही इस दिशा में जारी विभिन्न पक्षों को जानने-समझने में मददगार साबित होगा। इस आयोजन में उद्योग विशेषज्ञ श्री रजनीश सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में रजनीश सिंह ने कहा कि भारतीय जनसंख्या मानव जैव विविधता का सबसे बड़ा स्रोत है, जो कि आनुवंशिक विविधता के संबंध में प्रभावकारिता, रोग संवेदनशीलता, एटियलॉजी, आणविक विकृति विज्ञान, और दवाओं की सुरक्षा प्रोफाइल का अध्ययन करने के लिए एक आदर्श मॉडल का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि हेल्थकेयर पेशेवरों को अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (एडीआर) रिपोर्टिंग पर विचार करना चाहिए और फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए। इससे पूर्व में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन एवं विज्ञान प्रभा व्याख्यान श्रृंखला की अध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि भविष्य में इस तरह के वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे ताकि विद्वानों को विषय विशेषज्ञों के साथ विमर्श का अवसर मिल सके। विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने हमें बताया कि फार्माकोविजिलेंस एंड रेगुलेटरी अफेयर दवा और वैक्सीन की सुरक्षा सुनिश्चित करके स्वास्थ्य प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि वेबिनार में देश व विदेश के विभिन्न संस्थानों से लगभग 150 शोध विद्वान और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। डॉ. मनीषा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. तरुण कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. सुमित कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई। वेबिनार में प्रो. वंदना बी. पत्रावले, प्रो. शुभिनी ए. सराफ, डॉ. हीरा चौधरी, डॉ. बापी गोरैन और डॉ. पलानीस्वामी सहित विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Webinar on Pharmacovigilance and Regulatory Affairs

Sep 25, 2022

A webinar was organised by the Department of Pharmaceutical Sciences, Central University of Haryana, Mahendergarh. Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar said that this webinar focused on the subject of Pharmacovigilance and Regulatory Affairs and it will certainly prove helpful in knowing and understanding the various aspects going on in this direction. Industry expert Mr. Rajneesh Singh was present as the keynote speaker in this event. In his address, Mr. Rajneesh Singh said that the Indian population is the largest source of human biodiversity, which is an ideal model to study the efficacy, disease susceptibility, aetiology, molecular pathology, and safety profile of drugs in relation to genetic diversity. Dr. Dinesh Kumar, Head of the Department and Coordinator of the programme told that Pharmacovigilance and Regulatory Affairs play an important role in the health system by ensuring the safety of drugs and vaccines. He informed that about 150 research scholars and faculty members from different institutions of the country and abroad participated in the webinar.

10.12 हकेवि में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन -प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग ने किया आयोजित

August 31, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत आने वाले प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा न्यू एरियॉज ऑफ एप्लिकेशन्स इन प्रिंटिंग विषय पर केंद्रित एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए विभाग के शिक्षकों को बधाई दी और कहा कि यह विषय अवश्य ही विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में जारी विभिन्न बदलावों को जानने-समझने में सहयोग प्रदान करेगा।

इस आयोजन में एआईएफएमपी के अध्यक्ष पी. चंद्र ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के विषयों पर सेमिनार का आयोजन इंडस्ट्री व एकेडमिया के बीच अंतर्संबंध स्थापित कर बेहतर समन्वय में मददगार होता है। उन्होंने इस मौके पर प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी के विषय में उपलब्ध भविष्य की संभावनाओं व चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने नई तकनीक के विकास और इसमें उपलब्ध रोजगार की संभावनाओं की जानकारी हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। इस एक दिवसीय सेमिनार में उपस्थित तकनीकी विशेषज्ञ प्रो. अंजन कुमार बराल ने द पावर ऑफ प्रिंट इन डिजिटल एज विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने अपने संबोधन में तकनीकी विशिष्टता पर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कराया। इसी तरह श्री हितेंद्र कुमार, मैनेजर, साउथ ईस्ट एशिया ईस्टमेन कोडेक ने विभिन्न डिजिटल प्रिंटिंग तकनीकों पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने संबोधन में इस उद्योग के विस्तार पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभाग के प्रभारी श्री संदीप बूरा ने मुख्य अतिथि व वक्ताओं सहित आयोजन में मीडिया सहयोगी प्रिंट वीक के श्री रामू रामनाथन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विभाग के शिक्षक अनिल कुंडू, शम्मी मेहरा, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

One-Day Seminar on "New Areas of Applications in Printing"

August 31, 2022

Department of Printing & Packaging Technology, School of Engineering & Technology, Central University of Haryana, Mahendergarh, organised a one-day seminar on "New Areas of Applications in Printing" in blended mode. Prof. (Dr.)Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University congratulated the faculty members and the students for conducting the seminar on a topic which is highly relevant in today's competitive world. Mr. P. Chander, President, AIFMP, Chief Guest of the seminar during his address stressed upon the value and importance of organising seminars on such topics, to benefit the academia and print industry at large. He went on adding the future of printing and packaging, especially on the technology, application and innovative approaches in various areas. Prof. Phool Singh, Dean & HoD commented that the printing and packaging industry in the coming years will be a fruitful career prospect for the students. Prof. (Dr.) Anjan Kumar Baral, technical speaker of the seminar, presented a session on "The Power of Print in the Digital Age", in the morning session. Mr. Hitender Kumar, Manager, South East Asia (ESID), Eastman Kodak, another technical speaker of the seminar talked about the different technologies qualified as digital printing techniques, focusing on electrophotography and inkjet systems. Mr. Sandeep Boora, Teacher-Incharge of the department presented the vote of thanks in the concluding session.

10.13 हकेवि में बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान पर वेबिनार आयोजित

September 06, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से दवा खोज और उसकी प्रक्रिया के क्षेत्र में काम करने वाले शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पारुलचतुर्वेदी उपस्थित रहीं।

वेबिनार में विशेषज्ञ सुश्री पारुल ने अपने भाषण में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रमुख बिंदुओं और प्रकारों पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की डीन और डीन रिसर्च प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विशेषज्ञों से रूबरू होने का अवसर मिल सके। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय,बठिंडाय कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्रय महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतकय एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा,उत्तर प्रदेशय गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसारय जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान)य आरपी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, करनालय सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसीय सावित्री देवी मेमोरियल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, राजौंद (कैथल)य चौधरी

बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानीय ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी, हिसारय सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी, बालावाला, देहरादूनय गांधी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, करनालय आर.के.एस.डी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कैथलय स्टारएक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न शिक्षण संसथानों के 100 से अधिक शोधार्थियों व संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. सुमित कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि आईपीएफसी एसोकेम बैंगलोरमें कार्यरत सुश्री पारुल चतुर्वेदी स्टार्ट-अप्स, पेटेंट पंजीकरण, बौद्धि क संपदा अधिकार क्षेत्र में विशेष अनुभव रखती हैं और उनके इस अनुभव से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे। विभाग की सहायक आचार्य तथा कार्यक्रम की मॉडरेटर डॉ. मनीषा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुमित ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार व सभी शिक्षकों का धन्यवाद किया।

National Webinar on "Intellectual Property Rights and its Contribution in Nation Building"

September 06, 2022

A national webinar on "Intellectual Property Rights and Its Contribution in Nation Building" was organised by the Department of Pharmaceutical Sciences and School of Interdisciplinary and applied sciences at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of Central University of Haryana, Mahendergarh, appreciated the webinar via his message and emphasised on the importance of Intellectual Property Rights. Dr. Sumit informed that distinguished speaker Ms. Parul Chaturvedi, facilitator for start-ups, has a registered patent in her name and years of experience in this field. Ms. Parul, in her talk, highlighted the key points and types of Intellectual Property Rights. Prof. Neelam Sangwan, Dean, School of Interdisciplinary and Applied Science and Dean Research delivered the welcome address and briefed about the workshop programme. Dr. Dinesh Kumar, Head, and Convener of the event informed us that Intellectual Property Rights plays a key role in Research and Development. He said that more than 100 research scholars and faculty members from India, such as the Central University of Punjab (Bathinda),Kurukshetra University (Kurukshetra), Maharishi Dayanand University (Rohtak), Amity University Uttar Pradesh, Noida Campus, Guru Jambheshwar University of Science and Technology (Hisar), Jai Narain Vyas University, Jodhpur (Rajasthan), RP Institute of Pharmacy (Karnal), Siddhartha Institute of Pharmacy, Savitri Devi Memorial College of Pharmacy, Rajound (Kaithal), Chaudhary Bansilal University (Bhiwani), Om Sterling University (Hisar), Sardar Bhagwan Singh University, Balawala (Dehradun), Gandhi College of Pharmacy (Karnal), R.K.S.D College of Pharmacy (Kaithal), Starex University (Gurugram) also attended and gained knowledge about Intellectual Property Rights.

10.14 हकेवि में चार दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

September 08, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में रूबिकॉन के सहयोग से आयोजित चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा लाइफ स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम विषय पर आधारित यह कार्यशाला 5 से 8 सितंबर तक आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कार्यशाला के संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

कुलपति ने कहा कि कार्यशाला अवश्य ही विद्यार्थियों के जीवन कौशल को बढ़ाने, व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में मददगार साबित होगी। बार्कलेज के सहयोग से आयोजित रूबिकॉन के लाइफ स्किल्स कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के रोजगार कौशल में सुधार करना है। कार्यशाला में रूबिकॉन के प्रशिक्षकों अरुणीनी, सोनाली और रविंदर सिंह द्वारा प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय के बी.टेक. कार्यक्रमों में अध्ययनरत 205 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षकों ने दो विद्यार्थियों को कार्यशाला के सुचारू संचालन के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसी क्रम में सिविल इंजीनियरिंग विभाग से मयंक और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग से सृष्टि की प्रशासनिक सहयोग के लिए सराहना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने जीवन कौशल और रोजगार कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की उपनिदेशक डॉ. दिव्या ने विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की उपनिदेशकों डॉ. कपिल व डॉ. तरूण कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Workshop on "Life Skills Training"

September 08, 2022

A four-day workshop on "Life Skills Training" was organised by Rubicon and Central University of Haryana from 5th to 8th September, 2022 by the Training & Placement Cell in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. This workshop was inaugurated by Prof. (Dr) Tankeswar Kumar, Vice-Chancellor of the University and Chief Patron of the workshop. Rubicon's "Life Skills Programme" is supported by Barclays and it aims at improving the employability skills of the youth. Under this programme, students were trained by Mr Arunynee, Ms Sonali and Mr. Ravinder Singh. Around 205 Students from B.Tech attended the First phase of the training programme. Rubicon trainers provided two students a certificate of appreciation for the smooth programming of the workshop.

10.15 हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

-आईसीएसएसआर व शोध हरियाणा के सहयोग से हुआ आयोजन

September 10, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75: सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शनिवार को समापन हो गया। सेमिनार के समापन सत्र में प्रख्यात इतिहासकार प्रो. कपिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता श्री विजय प्रताप उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन अवश्य ही प्रतिभागियों को विरासत को जानते समझते हुए भविष्य की दिशा निर्धारित करने मेंमददगार होगा। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों की सराहना की।

ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित कार्यक्रम के समापन सत्र में सेमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. कपिल कुमार ने भारत की आजादी में आजाद हिंद फौज के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आजादी की लड़ाई में सुभाष चंद्र बोस के योगदान, उनके विभिन्न ऐतिहासिक पक्षों को प्रतिभागियों के समक्ष रखा और बताया कि किस तरह से उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाई। समापन सत्र से पूर्व प्लेनरी सेशन का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, प्रो. सतीश कुमार, प्रो. दिनेश गुप्ता व प्रो. आनंद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में आर्थिक विकास में नवाचार के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि नवाचार किस तरह से सतत आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। एनआईटी कुरूक्षेत्र के प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से तकनीकी विकास की यात्रा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश कुमार ने 75 वर्षों में आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, शिक्षा व्यवस्था पर अपने विचार रखे। प्रो. आनंद शर्मा ने एकात्म मानववाद पर विस्तार से प्रकाश डाला और इसकी मूल अवधारणा को स्पष्ट किया।

कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. आरती यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव, शोध के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आलोक सिंह, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रेनु यादव, डॉ. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

National Seminar on "India at 75: Social, Economic, Political and Cultural Dimensions"

September 10, 2022

A two-day National Seminar on "India at 75: Social, Economic, Political and Cultural Dimensions" in collaboration with the Indian Council of Social Science Research (ICSSR) and Students for Holistic Development of Humanity (Research), Haryana was organised at Central University of Haryana, Mahendergarh. In the closing session of the seminar, eminent historian Prof. Kapil Kumar was present as the chief guest while social worker Mr. Vijay Pratap was present as a special guest. The programme was presided over by the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar. Prof. Kapil Kumar

in his address highlighted the contribution of Azad Hind Fauj in India's independence. He presented various historical aspects of Subhash Chandra Bose's contribution in the freedom struggle to the participants and explained how he played a decisive role in India's freedom struggle. Dr. Aarti Yadav compèred the programme and the vote of thanks was given by Prof. Anand Sharma.

10.16 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में साप्ताहिक जीवन कौशल कार्यक्रम सफलतापूर्वक हुआ संपन्न

September 16, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में चल रहे साप्ताहिक जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन की शुरुआत सरस्वती वंदना, दीप प्रज्ज्वलन और कुलगीत के साथ हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम से सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. सुनीता श्रीवास्तव और विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण कार्यक्रम संयोजक डॉ. वी. एन. यादव द्वारा दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ, परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक और शांति कार्यकर्त्ता डॉ. सुमित दत्ता ने कार्यक्रम की शुरुआत हमारे जीवन में मानसिक स्वास्थ्य, तनाव, कल्याण, जैव-मनो-सामाजिक मॉडल और जीवन कौशल की प्रासंगिकता को समझाते हुए किया। इसके साथ उन्होंने कार्यक्रम के प्रत्येक दिन व्यक्तिगत अभ्यास, समूह कार्य और बड़ा समूह प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वयं और दूसरे लोगों के जीवन में चल रहे दैनिक समस्याओं से कैसे निपटना है, खुद को कैसे आशावादी बनाना है, कैसे वातावरण में चल रहे संघर्षों, साथ ही साथ व्यक्तिगत मानसिक संघर्षों को ख़त्म करके एक स्वस्थ मानसिक व सामाजिक वातारण कैसे तैयार करें आदि-आदि की सामान्य जानकारी प्रदान की।

डॉ. सुमित दत्ता ने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मुख्य रूप से निर्धारित 10 जीवन कौशलों- आत्म-जागरूकता,संचार कौशल, संवेग प्रबंधन, समानुभूति, सम्बन्ध, समस्या समाधान, सृजनात्मकता, महत्वपूर्ण सोच कौशल, निर्णय लेना और तनाव प्रबंधन को विस्तारपूर्वक समझाया और प्रतिभागियों से अंतःक्रियात्मक सत्रों के माध्यम से उनको इन सभी जीवन कौशलों का प्रशिक्षण भी दिया। उन्होंने बताया कि ये 10 जीवन कौशल किस तरह यूनाइटेड नेशन द्वारा निर्धारित 17 सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। एनर्जाइजर अभ्यास और व्यक्तिगत अभ्यास की मदद से आत्म-चिंतन के माध्यम से आत्म-जागरूकता का बहुत ही प्रभावकारी प्रशिक्षण प्रतिभागियों को दिया। सभी प्रतिभागियों ने आत्मसंप्रत्यय से सम्बंधित स्वॉट एनालिसिस और जोहारी विंडो संकल्पना को व्यक्तिगत क्रियाकलाप के माध्यम से सीखा। डॉ. दत्ता ने अनेक विश्वप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिकों सिग्मंड फ्रायड, जीन पियाजे, कोहलबर्ग, इरिक्सन, रोजर्स, मैसलो आदि के सिद्धांतों की मदद से प्रतिभागियों को विकासात्मक जीवन अवधियों के दौरान उत्पन्न समस्याओं, किशोरों की समस्याओं, अतार्किक विचार, विकृत सोच, भावना अस्थिरता, ख़राब निर्णय लेना, दुर्भावनापूर्ण व्यवहार इत्यादि से अवगत कराकर उससे सम्बंधित जीवन कौशलों का प्रशिक्षण दिया और उन्होंने आगे बताया कि प्रतिभागी इन जीवन कौशलों का उपयोग करके किस प्रकार से अपनी और दूसरे लोगों की मदद करके जीवन को सहज, उन्नत, उपयोगी, और उत्पादक बना सकते हैं। इस कार्यक्रम की एक खास बात यह थी कि यह कार्यक्रम केवल एक ही विशेषज्ञ व वक्ता द्वारा संचालित किया गया, जो प्रतिभागियों के लिए बहुत ही प्रेरणादायक रहा क्योंकि डॉ. दत्ता ने न केवल जीवन कौशलों से प्रशिक्षित किया बल्कि वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से बीच-बीच में प्रेरित भी किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रदीप कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

One-Week "Life Skills Training Programme"

September 16, 2022

A one-week "Life Skills Training programme'' was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar congratulated the organisers for successfully moderating the event. The event coordinator, Dr. V. N. Yadav informed that Dr. Sumit Dutta (invited speaker) is an international expert, counsellor, psychologist and peace activist. Dr. Sumit Datta explained in detail the ten life skills identified by the World Health Organization. He explained how these ten life skills can help in achieving the 17 Sustainable Development Goals set by the United Nations. The participants were made aware of SWOT analysis, Sigmund Freud, Jean Piaget, Kohlberg, Erikson, Rogers, Maslow etc. In the concluding session the vote of thanks was presented by Dr. Pradeep Kumar.

10.17 हकेवि में क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

September 21, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और

शिक्षणेतर कर्मचारियों के कौशल में सुधार हेतु इस आयोजन के लिए पुस्तकालय कर्मचारियों की सराहना की।

विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तनाव प्रबंधन तकनीक, खरीद प्रक्रिया और भुगतान प्रक्रियाय निविदा सूचना, आरटीआई, आईटी क्षेत्र से जुड़ी बुनियादी समस्याओं और उनके निवारण पर डॉ. पायल चंदेल, सहआचार्यय श्री नरेश कुमार, सहायक पुस्तकालयाध्यक्षय डॉ. विनोद कुमार सिंह, सहायक पुस्तकालयाध्यक्षय श्री सुंदर लाल शर्मा, सहायक कुलसचिवय श्री रामबीर गुर्जर, सहायक, और श्री अमित श्योराण, एसटीए ने प्रतिभागियों को विस्तार से बताया और उनकी समस्याओं का निवारण किया। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों के सफलतापूर्वक निष्पादन को गति मिलेगी। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. संतोष सी.एच. ने कहा कि कार्यक्रम में छह प्रशिक्षण सत्रों के दौरान विश्वविद्यालय के 40 शिक्षणेतर कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

Capacity Building Programme for Non-Teaching Staff

September 21, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya, Central Library conducted a Capacity Building programme (CBP) for non-teaching staff of Central University of Haryana (CUH), Haryana. The Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar inaugurated the programme and applauded the library staff for this initiative to improve the skills of the non-teaching staff. During the one-week long training programme, topics like stress management techniques, procurement procedures & payment checklist, lifelong learning for working professionals, drafting tenders: pre & post-tendering process, RTI: applications, responses & procedures, and basic IT troubleshooting techniques were covered by six experts namely Dr. Payal Chandel (Associate Professor), Mr. Naresh Kumar (Assistant Librarian), Dr. Vinod Kumar Singh (Assistant Librarian), Mr. Sunder Lal Sharma (Assistant Registrar), Mr. Rambir Gujjar (Assistant) and Mr. Amit Sheoran (STA). The University Librarian, Dr. Santosh said that the programmeme had six training sessions which were helpful to enhance the skills of 40 non-teaching staff of the university who attended it.

10.18 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिन्दी कार्यशाला का हुआ आयोजन

-इग्नू के उपकुलसचिव आनंद सोनी रहे उपस्थित

September 23, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग की ओर से शुक्रवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के उपकुलसचिव आनंद सोनी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर निरंतर प्रयास कर रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया हुआ है। राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग के लिए हिन्दी का प्रशिक्षण आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि इस प्रकार का व्यावहारिक प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को हिन्दी के कार्यलयीन प्रयोग में मददगार साबित होगा। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला के संबंध में कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है और मुझे खुशी है कि विश्वविद्यालय में हिंदी का प्रयोग शिक्षणेतर कर्मचारियों द्वारा कार्यालय प्रयोग में लगातार बढ़ रहा है और मुझे आशा है कि भविष्य में भी ऐसी कार्याशालाओं का आयोजन होता रहेगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारे आनंद सोनी ने कहा कि हिंदी का प्रयोग आसान है क्योंकि यह हमारी अपनी भाषा है। तकनीकी मोर्चे पर अगर कुछ समस्याएं आ रही हैं तो कुछ प्रयासों के द्वारा उनका समाधान किया जा सकता है। उन्होंने राजभाषा अधिनियमों के विभिन्न नियमों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के वित्तअधिकारी डॉ. विकास कुमार ने स्मृति चिहन देकर विशेषज्ञ को सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

Workshop on "Use of Hindi for Official Work"

September 23, 2022

A workshop on "Use of Hindi for Official Work" was organised by the Official Language Section at Central University of

Haryana, Mahendragarh. Mr. Anand Soni, Deputy Registrar of Indira Gandhi National Open University (IGNOU), New Delhi, was present as a subject expert in this workshop. On this occasion, the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said through a message that the university is making continuous efforts for the promotion of Hindi as an official language. For this, an Official Language Implementation Committee has been constituted in the university. Finance Officer of the University, Dr. Vikas Kumar said that he's satisfied that the use of Hindi in the university is continuously increasing. Mr. Anand Soni, who came as subject expert in the workshop, said that it is easy to use Hindi as it is our own language. If there are some problems on the technical front, then they can be solved by making some effort. He also apprised the participants about various rules of Official Language Acts. University's Hindi Officer, Mr. Shailendra Singh presented the introduction of the expert speaker in the programme. After this, Dr. Vikas Kumar (Finance Officer) honoured the expert by presenting a memento.

10.19 हकेवि में शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए कार्यशाला आयोजित

September 26, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शिक्षणेतर कर्मचारियों हेतु सकारात्मक मनोविज्ञान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने गतिविधि आधारित कार्यशाला का संचालन किया। कार्यशाला में लगभग 40 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कर्मचारियों में कौशल विकास बढ़ाने के लिए इस तरह की कार्यशालाओं को महत्त्वपूर्ण बताते हुए केंद्रीय पुस्तकालय की सराहना की और कहा कि केंद्रीय पुस्तकालय शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज से हुई। कार्यशाला में आत्म-जागरूकता और आंतरिक शक्ति को बढ़ाने के लिए स्वोट विश्लेषण, मिरर योरसेल्फ जैसे विभिन्न मनोवैज्ञानिक अभ्यास निष्पादित किए गए। कार्यशाला में सकारात्मक विचार प्रक्रिया, सकारात्मक मनोविज्ञान की भूमिका और आंतरिक शक्ति में सुधार के लिए दैनिक अभ्यास जैसे मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी. एच., प्रो. प्रमोद कुमार, उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह और नरेश कुमार भी उपस्थित रहे।

Workshop on "Positive Psychology" for the Non-Teaching Staff

September 26, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya, Central Library conducted a workshop on "Positive Psychology" for the Non-Teaching Staff members of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Dr. Vinita Malik (Information Scientist, Central Library) engaged the training programme and conducted the activity-based workshop for around 40 participants. The Vice Chancellor, Prof.Takeshwar Kumar encouraged the staff to attend workshop so that they learn new skills and use them at work. The programme started with the deep breathing exercises for stress management. Various individual and group psychological exercises like SWOT Analysis, Mirror yourself were executed for boosting self-awareness and inner strength. The psychological aspects like positive thought process, role of positive psychology and daily practices to improve inner strength were also discussed.

10.20 हकेवि में पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

September 28, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रूझान विषय पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत करवाएंगे। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रिंटिंग व पैकेजिंग को रोजगार की दृष्टि से तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र बताया और कहा कि इसमें उज्ज्वल भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कुलपति ने कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से इस क्षेत्र की बारीकियों से रूबरू होंगे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. अंजन कुमार बराल ने प्रतिभागियों को अपसायक्लिंग, रिसायक्लिंग तथा डाउनसायक्लिंग प्रक्रिया के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि 30 सितंबर तक चलने वाली इस कार्यशाला में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से विशेषज्ञ प्रतिभागियों को प्रिंटिंग व पैकेजिंग क्षेत्र की बारीकियों से अवगत करवाएंगे। कार्यशाला में सजय जैन, टिंकू शर्मा, अनीश गुप्ता, मोहित सैनी और सोनपाल सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए हैं। कार्यक्रम के समन्वयक विभाग के सहायक आचार्य तरूण सिंह, शम्मी मेहरा हैं जबकि आयोजन समिति में विभाग प्रभारी संदीप बूरा सहित अनिल कुंडू व निशान सिंह सम्मिलित हैं। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Workshop on "Innovation and Trends in the Field of Printing and Packaging"

September 28, 2022

A five-day workshop was organised by the Department of Printing and Packaging Technology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Inaugurating the workshop, Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar described printing and packaging as a fast emerging sector from the point of view of employment and said that it has immense possibilities for a bright future. In the inaugural session of the workshop, Prof. Anjan Kumar Baral of Guru Jambheshwar Science and Technology University, Hisar was present as the special guest. He explained in detail about the process of upcycling, recycling and downcycling to the participants. Mr. Sajay Jain, Mr. Tinku Sharma, Mr. Anish Gupta, Mr. Mohit Saini and Mr. Sonpal Singh were present as the expert speakers in the workshop.

10.21 हकेवि में रेडियो प्रसारण कौशल विकसित करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

-विद्यार्थी सीखेंगे रेडियो प्रसारण की बारीकियां

September 30, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विद्यार्थियों में रेडियो प्रसारण में कौशल विकसित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को रेडियो प्रसारण की बारीकियों से अवगत कराया जाएगा। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टकेंश्वर कुमार के मार्गदर्शन में पत्रकारिता के विद्यार्थियों में कौशल विकसित करने व विश्वविद्यालय के विद्यार्थी बेहतरीन प्रस्तुतकर्ता बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि 29 व 30 सितंबर को आयोजित होने वाली इस कार्यशाला को कुल सात सत्रों में विभाजित किया गया है। पहले सत्र में लोक प्रसारण के महत्व व उसकी चुनौतियों पर चर्चा होगी। इस सत्र में आल इंडिया रेडियो के पूर्व सहायक निदेशक व मन की बात कार्यक्रम में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ रेडियो प्रसारक जैनेंद्र सिंह विद्यार्थियों से लोक प्रसारण पर चर्चा करेंगे। इसी दिन दूसरे सत्र में विद्यार्थियों में पॉडकास्टिंग कौशल विकसित करने के लिए पोडकास्टिंग स्किल पर विशेष सत्र रखा गया है।

कार्यशाला के दूसरे दिन जामिया मिलिया दिल्ली से प्रोफेसर सुरेश वर्मा रेडियो प्रसारण में ध्वनि के महत्व पर चर्चा करेंगे व रेडियो के लिए कार्यक्रम निर्माण की तकनीक से विद्यार्थियों को अवगत कराएंगे। उन्होंने बताया कि पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थी मीडिया उद्योग की मांग के अनुसार उनमें कौशल हो इसे ध्यान में रखकर ही विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के संयोजक डॉ. नीरज ने बताया कि कार्यशाला में अंतिम सत्र सामुदायिक रेडियो प्रसारण पर रखा गया है। इस सत्र को अरावली रेडियो नारनौल के अध्यक्ष संत कुमार संबोधित करेंगे।

Two-Day Workshop Organised to Develop Radio Broadcasting Skills at CUH

-Students will learn the nuances of radio broadcasting

September 30, 2022

The Department of Journalism and Mass Communication of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh organised a two-day workshop with the aim of developing skills in radio broadcasting among the students. The Head of the Department of Journalism and Mass Communication, Dr. Ashok Kumar said that under the guidance of Vice-Chancellor, Professor Takeshwar Kumar, the aim of this workshop is to develop skills in journalism students and make university students excellent presenters. In the first session, the importance of public broadcasting and its challenges

were discussed. In this session, Jainendra Singh, former assistant director of All India Radio and senior radio broadcaster who played an important role in the Mann Ki Baat programme, discussed public broadcasting with the students. On the same day, in the second session, a special session on podcasting skills was also organised. On the second day of the workshop, Professor Suresh Verma from Jamia Millia Delhi discussed the importance of sound in radio broadcasting and informed the students about the techniques of programme production for radio. The coordinator of the workshop Dr. Neeraj said that the last session of the workshop was on community radio broadcasting. This session was addressed by Mr. Sant Kumar, President of Aravalli Radio, Narnaul.

10.22 हकेवि में जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

-आगामी 16 सितम्बर तक चलेगा कार्यक्रम

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में एक सप्ताह तक चलने वाले जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज दिनांक 12 सितम्बर हो हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए तथा प्रतिष्ठित परामर्श विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक और शांति कार्यकर्त्ता डॉ. सुमित दत्ता ने विशेषज्ञ के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन कौशल के महत्व और उपादेयता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना, दीप प्रज्जवलन और विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात मनोविज्ञान विभाग की सह अचार्य व कार्यक्रम की आयोजक डॉ. पायल चंदेल ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. वी. एन. यादव ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन कौशल के महत्व और उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें शुरूआत से ही बच्चों को लाइफ स्किल्स सीखाने चाहिए। छोटे-छोटे काम बच्चों को सौंपकर उनमें आत्मविश्वास व उत्तरदायित्व की भावना का विकास किया जा सकता है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. सुमित दत्ता ने एक लघु नाटक के माध्यम से जीवन कौशल की उपयोगिता को बताया। उन्होंने कहा कि जीवन कौशल की शिक्षा परेशानियों से जूझने और संघर्ष करने का हौसला देती है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बहुत जरूरत है। कार्यक्रम में उपस्थित पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. आर.एन. यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को अपने द्वारा लिखित पुस्तक पर्यावरण विज्ञान भी भेंट की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रदीप कुमार ने ज्ञापित किया।

One-Week Programme on "Life Skills Training on Executive Development in the New Normal"

September 12, 2022

One-week programme on "Life Skills Training on Executive Development in the New Normal" was organised by the Department of Psychology at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Chief Guest, Professor Tankeshwar Kumar (Vice Chancellor, CUH), the Guest of Honour, Professor Sunil Kumar (Registrar, Central University of Haryana) and External Expert, Dr. Sumit Dutta (Counselling Psychologist and Peace Activist, IIPDS, Bangkok) were present in the inaugural session of the programme. Dr. R.N. Yadav, environmentalist from Charkhi Dadri, presented Professor Tankeshwar Kumar his book Environmental Science. The audience was addressed by Professor Tankeshwar Kumar wherein the need of the EDP was explained to the audience. The need and rationale of the programme was explained by the Convener, Dr. V.N. Yadav, Department of Psychology, CUH) and Organizing Secretary, Dr. Payal Chandel, (Department of Psychology, CUH). The emergence and need of Life Skills such as

self- awareness, empathy, managing emotions, communication skills, managing stress, problem solving, decision making, etc., in today's scenario were highlighted thereafter in the brief rationale given by Speaker Dr. Sumit Dutta.

11. Training and Placement of Students

S. No.	Name of the Student	Department	Placement/Training Details
1	Mohit Maurya, Deepak Lal, Uttam, Sunil, Sumit Kumar	B.Voc. Retail and Logistics Management	Secured placement at Warehousing Express Logistics
2	Puneet	Department of Biomedical Sciences	Selected for M.Sc. (Medical Biotechnology) at the prestigious Postgraduate Institute of Medical Education and Research (PGIMER), Chandigarh
3	Shubham Garg	Department of Printing and Packaging Technology	Secured placement at Max Specialty Films Ltd., Punjab
4	L. Anthony David, B. Vishwanath and Yadhu Krishnan	Department of Printing and Packaging Technology	Secured placement at Manohar Filaments Pvt. Ltd., Chennai
5	MehakVerma	Department of Pharmaceutical Sciences	Secured placement at ESS Life Sciences India Private Limited, Gurugram,
6	Nitesh Sharma	Department of Pharmaceutical Sciences	Secured placement at Reachlaw India Private Limited Delhi,
7	Deepak Kumar	Department of Pharmaceutical Sciences	Secured placement at Pramerica Life Insurance Ltd Gurugram
8	Sudhanshu Saini, Krishnamurti Kumar	Department of Printing and Packaging Technology	Secured placement at Fortuner Packaging Pvt. Ltd., Badi, Himachal Pradesh
9	Mahesh	Department of Printing and Packaging Technology	Secured placement at AnveshanFarm Technologies Pvt. Ltd., Punjab
10	Anuradha, Himanshu Chaubey, Rahul Yadav, Geeta Negi and Uthanshu	Department of Printing and Packaging Technology	Secured placement at DCG Tech Ltd., Gurugram

Patron

Prof. Tankeshwar Kumar
Vice-Chancellor, Central University of Haryana

Editorial Board

Dr. Snehsata (Editor), Assistant Professor, Department of English & Foreign Languages

Dr. Siddharth Shankar Rai, Assistant Professor, Department of Hindi

Mr. Anil Kundu, Assistant Professor, Department of Printing and Packaging Technology

Dr. Bharti Batra, Assistant Professor, Department of Journalism & Mass Communication

Mr. Alekha Sachidananda Nayak, Assistant Professor, Department of Journalism & Mass Communication

Ms. Niharika Sharma, Research Scholar, Department of English & Foreign Languages

Ms. Alka Nanda Amethia, Research Scholar, Department of English & Foreign Languages

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Haryana
(Established vide Act No. 25 (2009) of Parliament)
(NAAC Accredited 'A' Grade University)
www.cuh.ac.in | @cuhofficial